3 | राजधानी
पिछले वर्ष दिल्ली सबसे प्रदूषित शहर रहा

6 | अभिमत
श्राद्ध सिर्फ अनुष्ठान मात्र नहीं!

10 | विदेश
तीन वैज्ञानिकों को रसायन का नोबेल

12 | स्पोर्ट्स
क्वार्टर फाइनल में सात्विक-चिराग

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 327
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 05 अक्टूबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत को रोल मॉडल बनाने में मदद करें कंपनी सचिव

राष्ट्रीय-11

एशियाई खेलों में भारत की गोल्डन हैट्रिक

● बुधवार को पदकों की बरसात, भरोसे पर खरे उतरे नीरज, भाला फेंक में जीता स्वर्ण

● कंपाउंड मिश्रित तीरंदाजी में देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने पहली बार दिलाया सोना

हांगझोउ में बुधवार को तीरंदाजी में ओजस प्रवीण देवजले-ज्योति सुरेखा वेन्नम तथा भाला फेंक में नीरज चोपड़ा व पुरुषों की 4x400 मी. रिले में राजेश रमेश, मुहम्मद अजमल वरियाथोडी, अमोज जैकब और मुहम्मद अनस याहिया ने जीता स्वर्ण पदक

भाषा । हांगझोउ

ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने तकनीकी बाधाओं और हमवतन किशोर जेना से मिली कड़ी चुनौती से उबरते हुए इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ 88.88 मीटर का थ्रो फेंककर एशियाई खेलों की भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि पुरुषों की 400 मीटर रिले टीम ने भी अपना खिताब बरकरार रखा।

भारतीय तीरंदाजों ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां फाइनल में दक्षिण कोरिया की जोड़ी को हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने बुधवार को कुल 12 पदक जीते जिनमें से सात ट्रैक और फील्ड में मिले। अब तक 81 पदकों के साथ भारत का एशियाई खेलों में यह सवश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछली बार जकार्ता में भारत ने 70 पदक जीते थे। अगले कुछ दिनों में भारत को और पदक मिलने की उम्मीद है जिससे सौ नहीं तो 90 पार पदक तो जरूर हो जाएंगे। भालाफेंक में चोपड़ा का स्वर्ण तय माना जा रहा था लेकिन जेना ने एक समय 86.77 मीटर के अपने तीसरे थ्रो के साथ बढ़त भी बना ली थी लेकिन पिछली बार के चैम्पियन चोपड़ा ने अपने चौथे थ्रो पर 88.88 मीटर फेंककर फिर बढ़त बना ली। जेना ने 87.54 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। जीत के बाद भारतीय खेमा खुशी से उछलता नजर आया। इससे पहले चोपड़ा का पहला थ्रो इलेक्ट्रॉनिक मशीन में गड़बड़ी आने से दर्ज नहीं किया जा सका। चोपड़ा ने स्वर्ण जीतने के बाद कहा, मेरा पहला थ्रो बहुत अच्छा गया था लेकिन उसे रिकॉर्ड नहीं किया जा सका। मैं जेना के लिए बहुत खुश हूं। मुझे इस मुकाबले में बहुत मजा आया। हमें इस तरह की प्रतिस्पर्धा की आदत है।

उन्होंने कहा, उसके बढत बनाने के बाद यह बहुत रोचक हो गया। जेना ने इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया जबकि चोपड़ा अगस्त में बुडापेस्ट में हुई विश्व चैम्पियनशिप में 88.77 मीटर का थ्रो फेंककर क्वालीफाई कर चुके हैं। ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क 85.50 मीटर है। चोपड़ा ने 82.38, 84.49, 88.8 और 80.80 मीटर के थ्रो फेंके। उनका तीसरा और छठा थ्रो फाउल रहा। वहीं जेना ने (शेष पेज 9)

मोदी ने कहा, भारत पहले से कहीं अधिक चमक रहा है

नई दिल्ली। मोदी नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में 71 पदक जीतकर भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि खेलों में भारत अब पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। मोदी ने इस उपलब्धि को पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एशियाई खेलों में भारत पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। 71 पदकों के साथ, हम अपने

● भारत ने एशियाई खेलों में सर्वाधिक पदक के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा

सर्वश्रेष्ठ पदक तालिका का जश्न मना रहे हैं, जो हमारे एथलीटों के अद्वितीय समर्पण, धैर्य और खेल भावना का प्रमाण है। उन्होंने कहा, प्रत्येक पदक कड़ी मेहनत और जुनून की जीवन यात्रा पर प्रकाश डालता है। पूरे देश के लिए गर्व का क्षण। हमारे एथलीटों को बधाई। हांगझोउ में भारतीय दल ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 70 पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जकार्ता और पालेमबांग में 2018 एशियाई खेलों में आया था जब देश के एथलीटों ने 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य सहित 70 पदक जीते थे।

सिक्किम में बरसी आफत 22 सैन्यकर्मी नदी में बहे

गंगटोक के सिंगटोम अचानक आई बाढ़ का दृश्य।

एजेंसी । गंगटोक

● 47 अन्य लोग लापता, बादल फटने से तीस्ता नदी में आई बाढ़, आठ की मौत

● चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण और बिगड़े हालात

उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने के बाद आठ लोगों की मौत हो गई और 22 सैन्यकर्मी समेत 69 लोग लापता हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन लोग उत्तरी बंगाल में बह गए। अधिकारियों ने बताया कि चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गई। बाढ़ मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे आई। गंगटोक के उप जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) महेंद्र छेत्री ने बताया, गोलिटार और सिंगताम क्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 22 सैन्यकर्मियों के अलावा, 47 नागरिक भी लापता हैं, जबकि एक सैन्यकर्मी समेत 166 लोगों को बचाया गया है।

रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा, बचाए गए सैनिक की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। अधिकारियों ने बताया कि बचाव कर्मियों ने सिंगताम के गोलिटार में तीस्ता नदी के बाढ़ क्षेत्र से एक बच्चे सहित कई शव निकाले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के मुख्यमंत्री पी एस तमांग से बात की और राज्य में अचानक आई बाढ़ से उपजे हालात की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार को हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, सिक्किम के मुख्यमंत्री पी एस तमांग से बात की और राज्य के कुछ हिस्सों में दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृति आपदा से पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की। चुनौतियों का सामना करने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। मैं सभी प्रभावितों की सुरक्षा और कुशलता की प्रार्थना करता हूं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सेना के लापता जवानों की सलामती के लिए प्रार्थना की। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने सिक्किम में बादल फटने के बाद की स्थिति की समीक्षा की और पर्यटकों और सुरंग में फंसे लोगों को निकालने पर जोर दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में शामिल हुए सिक्किम के मुख्य सचिव ने एनसीएमसी को राज्य की ताजा स्थिति के बारे में जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय एजेंसियों और सिक्किम सरकार के राहत और बचाव उपायों की समीक्षा करते हुए कैबिनेट सचिव ने कहा कि चुंगथांग बांध की सुरंग में फंसे लोगों और पर्यटकों को निकालने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

गौबा ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की अतिरिक्त टीम तैनात की जानी चाहिए और जल्द से जल्द सड़क, दूरसंचार और बिजली आपूर्ति बहाल की जानी चाहिए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कैबिनेट सचिव ने सिक्किम सरकार को आश्वासन दिया कि सभी केंद्रीय एजेंसियां तैयार हैं और सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगी। केंद्रीय सचिव ने समिति को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा उच्चतम स्तर पर लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है और हर संभव मदद दी जा रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने पहले ही तीन टीम तैनात कर दी हैं और अतिरिक्त टीम गुवाहाटी और पटना में तैयार हैं। सिक्किम सरकार ने एक अधिसूचना में इसे आपदा घोषित कर दिया है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण झील में जलस्तर अचानक 15 से 20 फुट तक बढ़ गया। उन्होंने बताया, सेना (शेष पेज 9)

दानिश अली और रमेश बिधूड़ी विवाद

विशेषाधिकारी समिति 10 को करेगी पहली बैठक

● इस दौरान समिति दोनों पक्षों के सांसदों की शिकायतों पर करेगी विचार

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद दानिश अली के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य रमेश बिधूड़ी द्वारा आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से संबंधित मामले में विपक्ष एवं सत्तापक्ष के कई सांसदों की शिकायतों पर विचार करने के लिए लोकसभा की विशेषाधिकार समिति की पहली बैठक 10 अक्टूबर को होगी।

बैठक के एजेंडे में कहा गया है कि सदन में चंद्रयान-3 मिशन पर चर्चा के दौरान कथित अनुचित आचरण के लिए बिधूड़ी और दानिश अली के खिलाफ विभिन्न सदस्यों से प्राप्त शिकायतों के संबंध में सांसद रमेश बिधूड़ी का मौखिक साक्ष्य लिया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विषय पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गत 21 सितंबर को बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

इसके बाद, दानिश अली के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सांसद सुप्रिया सुले, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपरूपा पोद्दार, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई और विपक्ष के कई अन्य सदस्यों ने सदन के अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। इन सांसदों ने मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का भी आग्रह किया था। दूसरी तरफ, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और रवि किशन ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर दावा किया था कि (शेष पेज 9)

आबकारी मामले में संजय सिंह गिरफ्तार

● ईडी ने आवास की तलाशी ली और दिन भर चली पूछताछ के बाद आप राज्यसभा सांसद को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

आप नेता संजय सिंह को अपने साथ लेकर जाते ईडी के अधिकारी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी शुल्क नीति 'घोटाले' में कथित भ्रष्टाचार के मामले में बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद संजय सिंह इस मामले में गिरफ्तार होने वाले दूसरे हाई-प्रोफाइल नेता हैं।

बुधवार तड़के ईडी के अधिकारी नॉर्थ एवेन्यू स्थित उनके आधिकारिक आवास पर पहुंचे और तलाशी ली। दिन भर की पूछताछ के बाद, सिंह को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। सिसोदिया, जो आबकारी नीति मामले में मुख्य आरोपी हैं, और उन्हें ईडी के साथ-साथ सीबीआई ने भी गिरफ्तार किया है। सिंह को बृहस्पतिवार को एक निर्दिष्ट अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है जहां एजेंसी उनसे हिरासत में पूछताछ की अनुमति मांगेगी। इस घटनाक्रम से आप और भाजपा के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे भाजपा के लिए एक हताश कदम बताया है क्योंकि उसे आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ रहा है। आप के आरोप पर पलटवार करते हुए भाजपा ने केजरीवाल पर निशाना साधा और उन पर कथित शराब नीति घोटाले का 'किंगपिन' होने का आरोप लगाया और कहा कि 'हथकड़ी' दूर नहीं हैं।

सिंह की तलाशी और उसके बाद गिरफ्तारी दिल्ली की एक अदालत द्वारा वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सदस्य मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा और दिल्ली के व्यवसायी दिनेश अरोड़ा को कथित मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अनुमति देने के एक दिन बाद हुई है। जुलाई में, ईडी ने अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, जब उन्हें पहले से ही सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे संबंधित भ्रष्टाचार मामले में सरकारी गवाह घोषित किया गया था। अरोड़ा को ईडी द्वारा पूछताछ के दौरान कथित तौर पर गोलमोल जवाब देने और जांच में सहयोग नहीं करने के बाद गिरफ्तार किया गया (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए एलपीजी सब्सिडी 300 रुपए हुई

नई दिल्ली। सरकार ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर पर दी जाने वाली सब्सिडी 200 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए कर दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी बढ़ाने का निर्णय लिया। यह सब्सिडी साल भर में 12 एलपीजी सिलेंडर के लिए मिलेगी। अब 14.2 किलो वजन वाले गैस सिलेंडर पर सब्सिडी 200 रुपए से बढ़कर 300 रुपए हो गई है। इस कदम से 9.6 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले यह कदम उठाया गया है। इससे पहले अगस्त में खाना पकाने की गैस के दाम 200 रुपए प्रति सिलेंडर कम किए गए थे। इसके बाद एलपीजी सिलेंडर का दाम घटकर 903 रुपए पर आ गया था। उज्ज्वला लाभार्थी फिलहाल 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिए 703 रुपए देते हैं, जबकि इसका बाजार मूल्य 903 रुपए है। सरकार के इस निर्णय के बाद उन्हें सिलेंडर 603 रुपए में मिलेगा।

दिल्ली आर्मी हॉस्पिटल ने 50 कॉक्लियर इंप्लांट कर रचा इतिहास

● दोनों कानों में एक साथ प्रत्यारोपण करने वाला बना देश का पहला सरकारी अस्पताल, आर एंड आर के चिकित्सों ने पिछले डेढ़ वर्षों में पाई सफलता

अर्चना ज्योति । नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) में कॉक्लियर प्रत्यारोपण करती ईएनटी चिकित्सकों की टीम।

सशस्त्र बलों के शीर्ष अस्पताल, दिल्ली स्थित आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) के कान, नाक और गला (ईएनटी) विभाग ने पिछले डेढ़ साल (18 महीनों) में दोनों कानों में एक साथ सफलतापूर्वक 50 कॉक्लियर प्रत्यारोपण करने वाला देश का पहला सरकारी स्वास्थ्य संस्थान बनकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

कॉक्लियर इम्प्लांट एक अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण है जो सुनने में अक्षम मरीजों को इसके माध्यम से सुनने की क्षमता विकसित कर उन्हें मुख्यधारा में लाने में सक्षम बनाता है। यह उन लोगों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कान की आतंरिक क्षति के कारण सुनने में समस्या होती है, जो श्रवण यंत्रों के साथ भी अच्छी तरह से सुनने में सक्षम नहीं होते हैं। आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) सशस्त्र बलों का शीर्ष अस्पताल है और वर्तमान में इसकी कमान लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकांतन के पास है जो ईएनटी और हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जरी के विशेषज्ञ हैं। मार्च 2022 में, सशस्त्र बलों में श्रवण-बाधित रोगियों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट की नीति को संशोधित किया गया और इसमें एक साथ दोनों कानों में प्रत्यारोपण को शामिल किया गया। चिकित्सा मानकों को विकसित देशों के बराबर लाने वाली यह देश की पहली नीति थी। इस इम्प्लांट की कीमत हमेशा चिंता का विषय रही है, जिससे इसकी पहुंच सीमित हो गई।

सरकार द्वारा वित्त पोषित अधिकांश कार्यक्रमों में बच्चों को केवल एक कॉक्लियर इम्प्लांट दिया जाता है। हालांकि दोनों कानों से सुनने का लाभ इसकी कीमत से कहीं ज्यादा है, जिसे सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा ने इस बात को तत्काल महसूस किया। डीजी सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह और डीजीएमएस (सेना) लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी ने सेना में बधिर लोगों के जीवन में गुणवत्ता जोड़ने के उपाय करने के लिए आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को बधाई दी है और संस्थान को और अधिक सम्मान मिलने की कामना की है। कॉक्लियर इम्प्लांट को एक कान (एकतरफा) या दोनों कानों (द्विपक्षीय) में लगाया जा सकता है। ये प्रत्यारोपण अक्सर दोनों कानों से गंभीर श्रवण (शेष पेज 9)

भर्ती घोटाले में ईडी ने अभिषेक पत्नी, माता-पिता को किया तलब

सौगर सेनगुप्ता । कोलकाता

● अलग अलग तिथियों पर सबको बुलाया, इससे पहले भी प्रवर्तन निदेशालय ने टीएमसी महासचिव को भेजा था समन

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक और कदम से टीएमसी नेतृत्व की चिंता बढ़ गई है। ईडी ने बुधवार को टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी को दूसरी बार समन भेजा है और इस बार एजेंसी ने पत्नी रुजिरा नरुला बनर्जी तथा माता-पिता समेत पूरे परिवार को कोलकाता के सीजीओ कांप्लेक्स में पेश होने को कहा है।

यह समन करोड़ों रुपये के भर्ती घोटाले मामले में बनर्जी परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी लीप्स एंड बाउंडस की भूमिका को लेकर भेजा गया है। कंपनी के मुख्य संचालन अधिकारी सुजय कृष्ण भद्रा पहले से ही जेल में हैं, जबकि अभिषेक बनर्जी कंपनी कार्यकारी अधिकारी, उनकी पत्नी और माता-पिता लता तथा अमित बनर्जी निदेशक हैं। ईडी ने अभिषेक बनर्जी को 9 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा है, अभिभावकों को क्रमशः 6 और 7 अक्टूबर को आने को कहा गया है। इसके अलावा उनकी पत्नी को 10 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा गया है। ईडी ने डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक को तीन अक्टूबर को उसके समक्ष पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। अभिषेक राज्य को उसकी कथित बकाया केंद्रीय निधि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नई दिल्ली में आयोजित पार्टी की रैली में शामिल हुए थे।

राज्य सरकार की बकाया राशि को कथित रूप से रोके रखने के विरोध में केंद्र के खिलाफ इस सप्ताह नई दिल्ली में पार्टी के प्रदर्शन के बाद तृणमूल कांग्रेस ने ईडी के समन को अभिषेक फोबिया और बदले की राजनीति करार दिया। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हमारे प्रदर्शन कार्यक्रम को रोकने के मकसद से प्रदर्शन से पहले अभिषेक बनर्जी को समन भेजा गया था। सारे हथकंडे अपनाने के बाद प्रदर्शन रोकने में नाकाम रहने पर अब वे इस तरह की गंदी चालें चल रहे हैं। बनर्जी को तलब करना बदले की राजनीति और अभिषेक फोबिया (शेष पेज 9)

पॉलिसी बनने के बाद भी नहीं हो रहा इमारतों का निर्माण ऑडिट

● नोएडा सिसमिक जोन-4 में, भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है क्षेत्र

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्राधिकरण की निर्माण ऑडिट पॉलिसी बन चुकी है। इसे अप्रैल से लागू भी कर दिया गया है। लेकिन अब तक इमारतों का स्ट्रक्चर ऑडिट शुरू नहीं किया जा सका है।

प्राधिकरण की ओर से आवेदन करने वालों का कोई सर्वे भी नहीं किया गया। ऐसे में भूकंप का एक तेज झटका नोएडा के लिए घातक होगा। इसकी बड़ी वजह ये है नोएडा सिसमिक जोन-4 में आता है। जो कि भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया सबसे पहले सोसाइटी वाले बिल्डर या एओए को स्ट्रक्चर ऑडिट के लिए बोलेंगे।

इसके बाद एक प्रतिनिधि 25 प्रतिशत निवासियों की सहमति के साथ प्राधिकरण में आवेदन करेगा। प्राधिकरण की एक टीम सर्वे करने सोसाइटी जाएगी। वहां सर्वे की रिपोर्ट को प्राधिकरण की समिति के समक्ष रखा जाएगा। यहां से पास होने के बाद बिल्डर या एओए को बोला जाएगा कि प्राधिकरण के पैनल में सात एजेंसियां है। जिनमें से आप एक का चुनाव कर सकते है। उन्होंने बताया कि अब तक 6 सोसाइटी के एओए की ओर से स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के लिए आवेदन आए है। नोएडा में करीब 100 सोसायटी है। जिनमें 400 हाइराइज इमारत है। सवाल ये है कि इन इमारतों की मजबूती कितनी है।

इनमें से अधिकांश इमारतों को बने हुए पांच साल से ज्यादा हो गए। प्राधिकरण का दावा है यहां बनी इमारत रैक्टर स्केल 7 और 8 तक का झटका झेल सकती है। हालांकि इनके लिए प्राधिकरण ने ऑप्शन दिए है। जिन इमारतों की लाइफपांच साल हो चुकी है। आरडब्ल्यूए या एओए भी इन एजेंसियों से स्ट्रक्चर ऑडिट करवा सकती है। इसका खर्चा उन्हें खुद देना होगा। वहीं प्राधिकरण ने बताया कि पॉलिसी लागू होने से पहले बिल्डर खुद ऑडिट कराता था। इसकी रिपोर्ट आईआईटी से संबंधित कोई प्रोफेसर एप्रुव कर सकता था। इस रिपोर्ट को प्राधिकरण मान्य मानता था। जिसके बाद बिल्डर को ओसी और सीसी जारी कर सकता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

नोएडा सिस्मिक जोन.4 में आता है। यानी ये एरिया भूकम्प के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। इसको लेकर नोएडा में बनाए जा रहे प्रोजेक्ट, सड़क और इमारते सिसमिक जोन.5 के हिसाब से बनाई जा रही है। हालांकि नोएडा के बायर्स की ओर हमेशा स्ट्रक्चर को लेकर शिकायत की जाती रही है। इसके लिए प्राधिकरण ने एक कमेटी का गठन किया है, जो तय करेगी कि इमारत में माइनर इफेक्ट है या मेजर इसकी के बाद ऑडिट होगा और मरम्मत होगी।

बिल्डर ने 5 आवंटियों को लौटाई 62 लाख रुपए

नोएडा। उप्र रेरा के आदेश के बाद दो प्रमोटर ने मिलकर पांच आवंटियों को 62 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि वापस कराई। ये पैसा बिल्डर ने एक अन्य बिल्डर के साथ मिलकर किया। यूपी रेरा के अफसरों ने बताया कि बिल्डर का ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर.10 में वन लीफ ट्राय प्रोजेक्ट है। जो अब तक पूरा नहीं हो सका है। कब्जा नहीं मिलने पर खरीदारों ने यूपी रेरा में शिकायत की थी। इस पर यूपी रेरा की पीठ ने कब्जा देने या ब्याज समेत जमा धनराशि वापस लौटाने का आदेश दिया। बिल्डर ने आदेश का पालन नहीं किया। इस पर यूपी रेरा ने रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किया।

रेरा ने बताया कि बिल्डर निवास प्रमोटर ने एक अन्य बिल्डर रिनाउंड बिल्डकेटेक के सहयोग से पांचों आवंटियों का पैसा वापस किया। ऐसा पहली बार हुआ है।आवंटी दिनेश जोशी, केडी जोशी, नवरतन यादव, निरंजन कुमार व नितिन मोहन को किश्तों में क्रमश: 11.62 लाख, 10.12 लाख, 7.98 लाख, 18.64 लाख और 13.73 लाख वापस किए।

बड़े बकाएदारों पर प्राधिकरण करेगा कार्रवाई

● औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ग्रेनो प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की। मंत्री ने सभी बड़े बकायेदारों को आरसी जारी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि किसी भी अफसर या कर्मचारी को गलत करने की छूट नहीं है। अगर कोई गलती करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री की समीक्षा बैठक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सभागार में ढाई घण्टे तक चली।

इसमें औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ पुलकित खरे, एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ अमनदीप डुली, एसीईओ आशुतोष द्विवेदी और ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव समेत सभी विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे। मंत्री ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में हुए एमओयू को धरातल पर लाने के लिए प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने निवेशकों के साथ जल्द ही ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करने की जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में करीब 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश कराने के साथ अपनी सहभागिता की तैयारी कर रहा है। समीक्षा बैठक में कंप्लीशन और फंक्शनल सर्टिफिकेट जारी करने में अनावश्यक देरी पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए अनावष्यक आपत्ति लगाकर कार्यों को विलंब करने की प्रवृति से बाहर निकलने की हिदायत दी। शहर के रखरखाव कार्यों को और बेहतर करने के निर्देश दिए। खासतौर पर ग्रीनरी और सड़कों के किनारे लगी ग्रिल को दुरुस्त करने को कहा है। औद्योगिक विकास मंत्री ने पानी के बड़े बकाएदारों को नोटिस जारी कर रिकवरी तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने गंगाजल परियोजना की भी समीक्षा की और सभी सेक्टरों तक गंगाजल शीघ्र पहुंचाने को कहा। प्राधिकरण के कार्यों में तेजी लाने के लिए औद्योगिक विकास मंत्री ने हर माह की पांच तारीख तक विभागवार कार्यों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। प्राधिकरण का बकाया पैसा न देने वाले सभी बड़े बकाएदारों को बिना किसी भेदभाव के आरसी जारी कार्रवाई करने और सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मंत्री ने कहा कि पूरा भुगतान हो जाने पर नो ड्यूज सर्टिफिकेट जारी करने के बाद भी आवंटियों को बकाया होने का नोटिस थमा दिया जाता है। इस खामी को तत्काल दूर करने की जरूरत है।

गाजियाबाद में हिन्दू रक्षा दल अध्यक्ष पर लगा गुंडा एक्ट

● फेसबुक पर किया था आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी भैया पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की है। उनके खिलाफ थाना साहिबाबाद में गुंडा एक्ट का नया मुकदमा दर्ज किया गया है।

बीते दो दिन के अंदर उन पर ये तीसरा मुकदमा हुआ है। दरअसल, पिंकी चौधरी पर पुलिस का शिकंजा कसने की शुरुआत 23 सितंबर को शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में नाले में गोवंश के अवशेष मिलने से हुई। अवशेष मिलने की सूचना पर पिंकी चौधरी अपने समर्थकों सहित पहुंचे थे। यहां वे फेसबुक लाइव पर आए और हिन्दुओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने इस मामले में 2 अक्टूबर को पिंकी चौधरी पर एफआईआर दर्ज की। पुलिस द्वारा जय माता दी स्टीकर लगे वाहन का चालान काटने पर हंगामा किया था।

ग्रेटर नोएडा में ग्रैप के उल्लंघन पर 10 प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का उल्लंघन करने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने 10 प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया।

यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी देव कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी पर 50- 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर से ग्रैप लागू किया जा चुका है। इसकी अनुपालना को सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को ग्रेटर नोएडा में कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पाया गया कि गौतम बुद्ध बालक इंटर कॉलेज के पास इकोटेक-तीन के उद्योग केंद्र खंड मे सात रेडी मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) प्लांट में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है, वहां निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी। उन्होंने बताया कि इन पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा एक पैकेजिंग कंपनी और निर्माण सामग्री की दो दुकानों पर भी 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

किसानों को खेती के आधुनिक तरीके सिखाएगा एनसीआरटीसी

● दुहाई डिपो में बनेगा फार्मिंग डेमोंस्ट्रेशन सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली से मेरठ तक बन रहे रैपिड रेल कॉरिडोर के किनारे खेती करने वाले किसानों को एनसीआरटीसी खेतीबाड़ी के अत्याधुनिक तौर-तरीके सिखाएगा। गाजियाबाद के दुहाई डिपो में इसके लिए मॉर्डन फार्मिंग डेमोंस्ट्रेशन सेंटर की स्थापना होगी।

सेंटर के निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। चयनित एजेंसी द्वारा दुहाई डिपो की जमीन पर मॉर्डन फ़ार्मिंग डेमोंस्ट्रेशन हेतु पोली हाउस बनाए जाएंगे। जिनमें हाइड्रोपोनिक्स तकनीक पर आधारित खेती की जानकारी प्रदान की जाएगी।

इस योजना का उद्देश्य फसलों की गुणवत्ता को बेहतर करने के साथ किसानों की आय में बढ़ोतरी करना है। एनसीआरटीसी इसके अलावा किसानों का भविष्य की खेती तैयार करने, क्षमता विकसित करने और कौशल बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रहा है।

पहले चरण में गाजियाबाद और मेरठ जिले के भूड़ बराल, कादराबाद, नंगला मूसा, असालत नगर, काकरा, शाहपुर, सारा, कनौजा, सिकरिखुर्द आदि गांव में सैकड़ों किसानों को अब तक प्रशिक्षित किया जा चुका है। एनसीआरटीसी प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया, किसान आमतौर पर पारंपरिक खेती के तरीके अपनाते हैं, जिससे प्रति इकाई क्षेत्र में कम रिटर्न मिलता है। एनसीआरटीसी ने इसे समझा और किसानों को आधुनिक, उच्च उपज वाली शहरी कृषि तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करने का निर्णय लिया, जो प्रति यूनिट भूमि पर उच्च रिटर्न दे सकती है।

पॉलीहाउस खेती, ड्रिप सिंचाई खेती, रीट्रैक्टेबल ग्रीनहाउस खेती, हाइड्रोपोनिक्स इत्यादि जैसी आधुनिक कृषि पद्धतियां पर्यावरण और सामाजिक रूप से सतत होने के साथ साथ शहरी फार्मिंग तकनीक हैं। पहले चरण में, दिल्ली- गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के किनारे स्थित 50 से ज्यादा गांवों में रहने वाले लगभग 1500 किसानों के लिए 100 से अधिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005.

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	बॉडी ड्रेंच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड/पंकज अरोड़ा/ 000205003505/ 031405006673/ 000255000044	1103 और 1104, 11वीं मंजिल एसएएस टॉवर, टॉवर बी, सेक्टर 38 गुड़गाँव/ सितंबर 29, 2023	फरवरी 23, 2023 रु. 2,64,71,117.00/-	गुड़गाँव

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अक्टूबर 05, 2023
स्थान : गुड़गाँव

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

JM FINANCIAL

जेएम फाइनैंशियल असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड
कार्पोरेट पहचान सं. : U67190MH2007PLC174287
पंजी. कार्यालय पता : 7वां तल, सिनर्जी, अप्पासाहेब मराठे मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई-400 025
फोन : + 91 22 6630 3030 एफ : + 91 22 6630 3223 www.jmfinancialarc.com

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के तहत। पीरामल कैपिटल ऐंड हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (पूर्वतः दीवान हाउसिंग ऐंड फाइनैंस कार्पोरेशन लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध) ने एक ऋण समूह (निम्नलिखित ऋणों सहित) का समनुदेशन उनके संबंध में सृजित अधोवर्णित प्रतिभूति हित सहित तथा उन पर सभी अधिकारों, स्वाम्वि और हित सहित, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("सरफासी ऐक्ट") की धारा 5(1)(बी) के तहत एक समनुदेशन अनुबंध दिनांकित 29 मार्च, 2023 ("समनुदेशन अनुबंध") के माध्यम से जेएमएफएआरसी (जेएम) (इसमें आगे समनुदेशिती के रूप में संदर्भित) के पक्ष में कर दिया है। अधोहस्ताक्षरी समनुदेशिती (जेएम) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("उक्त अधिनियम") के तहत। उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग सूचनाएं जारी की हैं, जिनमें निम्नवर्णित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतद्द्वारा एक बार पुनः, उक्त कर्जदार(रों) से यहां नीचे निदर्शित राशियां, जो कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित ऋण अनुबंध के साथ पठित अन्य प्रलेखों/विलेखों, यदि कोई, के तहत देय हैं, यहां नीचे वर्णित तिथि से भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक उक्त मांग सूचना(ओं) में वर्णित आगे ब्याज के साथ जेएम को इस सूचना के प्रकाशन से 60 दिन के भीतर चुकाने की मांग की जाती है। ऋण के सम्यक् प्रतिभुगतान के लिए, कर्जदार(रों) द्वारा निम्नलिखित आस्तियां जेएम के पास बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) का नाम	मांग सूचना तिथि एवं राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति का वर्णन (अचल सम्पत्ति)
(एलसी नंबर 13300000670 कनॉट प्लेस शाखा) मनमोहन लाखन (कर्जदार) हीरा कुमारी (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 42,25,167/- (रूपए बयालीस लाख पच्चीस हजार एक सौ सड़सठ मात्र) एनपीए (10-04-2023)	मकान नंबर 234, तृतीय तल छत के सहित, पाकेट डी-14, सेक्टर-8, रोहिणी, नई दिल्ली-110085
(एलसी नंबर 01400004788 नई दिल्ली शाखा) तारा चंद (कर्जदार) नेहा एन (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 9,77,766/- (रूपए नौ लाख सतहत्तर हजार सात सौ छियासठ मात्र) एनपीए (09-07-2023)	प्लॉट नंबर सी-9 ए/4, द्वितीय तल, आरएचएस, एसएफ-2, डीएलएफ, अंकुर विहार, सादुल्लाबाद, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201102
(एलसी नंबर 25500001097 नेताजी सुभाष प्लेस शाखा) सुखविंदर सिंह (कर्जदार) समरदीप सिंह (सह कर्जदार 1) मोहिन्दर कौर (सह कर्जदार 2) भरत मनमोहन (गारंटर 1)	29-08-2023 / रू. 37,59,894/- (रूपए सैंतीस लाख उनसठ हजार आठ सौ चौरानवे मात्र) एनपीए (08-11-2022)	सम्पत्ति सं. 8, भू तल, आरएचएस पार्ट तथा प्रथम तल, खसरा नंबर 25/44, मेन रोड, पांडव नगर, शाहदरा, दिल्ली, नई दिल्ली-110092
(एलसी नंबर 19600043286 दिल्ली-सफदरजंग शाखा) निधि सिंह (कर्जदार) आदित्य जुनेजा (सह कर्जदार 1) सुमित कुमार मलूजा (सह कर्जदार 2)	29-08-2023 / रू. 25,34,905/- (रूपए पच्चीस लाख चौंतीस हजार नौ सौ पांच मात्र) एनपीए (31-03-2021)	फ्लैट नंबर एफडब्ल्यू बीएच/सी 305 तृतीय तल टावर सी ब्रीज होम्स, भिवाडी अलवार बाईपास, अलवर, राजस्थान-301001
(एलसी नंबर 01400005114 नई दिल्ली शाखा) खुशबू सागर (कर्जदार) पंकज शाह (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 11,65,601/- (रूपए ग्यारह लाख पैंसठ हजार छह सौ एक मात्र) एनपीए (30-04-2021)	यूनिट-बीएस 1107, 11वां तल, टावर-बीटल सुइट्स-2, कासा ग्रैंड 2, प्लॉट नंबर जीएच-06 सी, सेक्टर-चाई 5, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201308
(एलसी नंबर 09200000536 रोहिणी शाखा) राजेश कुमार (कर्जदार) रचना देवी (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 2,60,605/- (रूपए दो लाख साठ हजार छह सौ पांच मात्र) एनपीए (30-09-2020)	फ्लैट नंबर 53, द्वितीय तल, ब्लॉक-1, शिवजोत एन्क्लेव, खराड़, खराड़, रूपनगर, पंजाब-140301
(एलसी नंबर 26600000642 दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा) अनंत सक्सेना (कर्जदार) नवल सक्सेना (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 1,46,58,425/- (रूपए एक करोड़ छियालीस लाख अट्ठावन हजार चार सौ पच्चीस मात्र) एनपीए (05-03-2020)	फ्लैट नंबर 301, तृतीय तल, टावर बी, अरावली, सेक्टर-79, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
(एलसी नंबर 26600000657 दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा) चंद्र शेखर सक्सेना (कर्जदार) अनंत सक्सेना (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 1,48,12,504/- (रूपए एक करोड़ अड़तालीस लाख बारह हजार पांच सौ चार मात्र) एनपीए (04-04-2020)	फ्लैट नंबर 104, प्रथम तल, टावर बी, अरावली, सेक्टर-79, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
(एलसी नंबर 26600000658 दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा) नवल सक्सेना (कर्जदार) अनंत सक्सेना (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 1,46,30,691/- (रूपए एक करोड़ छियालीस लाख तीस हजार छह सौ इक्यानवे मात्र) एनपीए (05-03-2020)	फ्लैट नंबर 201, प्रथम तल, टावर बी, अरावली, सेक्टर-79, गुरूग्राम, हरियाणा-122001
(एलसी नंबर 07100000910 रेवाड़ी शाखा) ज्ञानवेन्द्र सिंह (कर्जदार) रजनी सिंह (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 16,08,701/- (रूपए सोलह लाख आठ हजार सात सौ एक मात्र) एनपीए (04-08-2019)	फ्लैट नंबर एल-3 213, द्वितीय तल, ब्लॉक एल 3 टावर के (प्लान के अनुसार) कृष सिटी फेज 2 एवं 3, अलवर बाईपास रोड, भिवाडी, राजस्थान-301019
(एलसी नंबर 19700043112 गुरूग्राम - सोहना रोड शाखा) अजय कुमार खुराना (कर्जदार) विजय खुराना (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 21,67,563/- (रूपए इक्कीस लाख सड़सठ हजार पांच सौ तिरेसठ मात्र) एनपीए (06-06-2018)	फ्लैट नंबर बी-506, 5वां तल, जेनेसिस लोरा, अलवर बाईपास रोड, भिवाडी, राजस्थान-301001
(एलसी नंबर 19700043157 गुरूग्राम - सोहना रोड शाखा) अजय कुमार खुराना (कर्जदार) विजय खुराना (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 26,55,611/- (रूपए छब्बीस लाख पचपन हजार छह सौ ग्यारह मात्र) एनपीए (06-06-2018)	फ्लैट नंबर सी-506, 5वां तल, टावर सी ब्लॉक बी, जेनेसिस स्काई हाइट्स ग्राम नौगवां तहसील तिजारा, भिवाडी, राजस्थान-301001
(एलसी नंबर 01400003249 नई दिल्ली शाखा) राजीव दास गुप्ता (कर्जदार) दीपाली दास गुप्ता (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 45,90,022/- (रूपए पैंतालीस लाख नब्बे हजार बाईस मात्र) एनपीए (04-12-2017)	यूनिट-802, 8वां तल, टावर/ब्लॉक ए ला गैलेक्सिया, प्लॉट नंबर एच आर ए -11, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201308
(एलसी नंबर 196डीईएल36255 दिल्ली-सफदरजंग शाखा) गोपाल कृष्ण गुप्ता (कर्जदार)	29-08-2023 / रू. 22,26,027/- (रूपए बाईस लाख छब्बीस हजार सत्ताईस मात्र) एनपीए (06-06-2017)	एच/फ्लैट नंबर पीआर4 405, चतुर्थ तल, प्लॉट नंबर प्राइम रोज, कृष सिटी 2, सेक्टर, भिवाडी, राजस्थान-301019
(एलसी नंबर 13100002057 नोएडा 1 राजेन्द्र प्लेस शाखा) जतिन डावर (कर्जदार) मुकेश डावर (सह-कर्जदार 1) कमलेश डावर (सह-कर्जदार 2)	29-08-2023 / रू. 20,38,277/- (रूपए बीस लाख अड़तीस हजार दो सौ सतहत्तर मात्र) एनपीए (10-04-2023)	सम्पत्ति सं. एम-12, तृतीय तल (टेरेस अधिकारों सहित), एम ब्लॉक, कालकाजी मेन रोड, कालकाजी, नई दिल्ली - 110019
(एलसी नंबर 26600000425 दिल्ली राजौरी गार्डन शाखा) सुरजीत सिंह (कर्जदार) अमरजीत सिंह (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 12,64,374/- (रूपए बारह लाख चौंसठ हजार तीन सौ चौहत्तर मात्र) एनपीए (08-06-2023)	सम्पत्ति सं. डब्ल्यूजैड-59-सी एवं नया प्लॉट नंबर 189, प्रथम तल, छत के अधिकार नहीं, ग्राम ख्याला, चांद नगर, नई दिल्ली-110018
(एलसी नंबर 07700002094 गाजियाबाद शाखा) इंदर मोहन ठाकुर (कर्जदार) राज कुमारी (सह कर्जदार 1)	29-08-2023 / रू. 10,93,730/- (रूपए दस लाख तिरानवे हजार सात सौ तीस मात्र) एनपीए (25-04-2023)	फ्लैट नंबर एसएफ-6, द्वितीय तल, फ्रंट साइड, छत के अधिकारों सहित, प्लॉट नंबर बी-111, ब्लॉक बी, जिंदल रोड, सुकर बाजार, एसएलएफ वेद विहार, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001

यदि उक्त कर्जदार जेएम को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, जेएम अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण जेएम की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है अथवा उस हेतु अभिप्रेरित करता है, अधिनियम के अधीन दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

तिथि : 05-10-2023
स्थान : दिल्ली

हस्ता./- (प्राधिकृत अधिकारी)
जेएम फाइनैंशियल असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड, अरण्य - ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री बालमुकंद, श्री सत्य प्रकाश और श्री राजकुमार, उक्त सम्पति Entire Property Bearing No. 514(New), with Roof/Terrace right, area measuring 146.5 Sq Yds., (i.e., 122.54 Sq. Mtrs.,) situated at Ward No. XV, Gali Ghosiyam, Mohalla Mantola, Pahar Ganj, New Delhi-110055, के विक्रय पत्र दिनांक 05.09.1970, प्रपत्र संख्या 5557, व वसीयतनामा दिनांक 19.09.1981, प्रपत्र संख्या 3684, मालिक थे ! तथा श्री बालमुकंद, श्री सत्य प्रकाश और श्री राजकुमार की मृत्यु हो चुकी थी। उपरोक्त संपत्ति मेरे मुवक्किल यानि मेसर्स टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है और स्व० श्री बालमुकंद, स्व० श्री सत्य प्रकाश स्व० श्री राजकुमार के विधिक उत्तराधिकारी (1) श्री सुनील कुमार शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री सत्य प्रकाश, (2) श्री आशुतोष शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री सत्य प्रकाश, (3) श्रीमती मधु भूषण पुत्री स्वर्गीय श्री सत्य प्रकाश, (5) श्रीमती वीना शर्मा पत्नी स्वर्गीय श्री राज कुमार, (6) श्री कुनाल भरद्वाज पुत्र स्वर्गीय श्री राज कुमार और (7) श्रीमती अपर्णा शुक्ल पुत्री स्वर्गीय श्री राज कुमार है। यदि किसी व्यक्ति (ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें।अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।

राघव तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

PUBLIC NOTICE

This is to inform to all general public that my clients Sh. Rajan Malik & Deepika Malik R/o 26A, Single Story, Ramesh Nagar, New Delhi-110015 have disowned & debarred their son Karan Malik & daughter in law Mrs. Kanika Dhaiya from all their moveable & immovable properties and severed all relations due to their misdeeds and bad habits. Any body dealing with them in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibilities. My clients will not be responsible for any of their act.

AMIT KUMAR KHANDELWAL (ADVOCATE)
Bar Room 1, Civil Wing, Tishazari, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client stating that Mr. Gurteg Singh Garcha is the owner of Property bearing No. 20-B & New No. S-378, area measuring 50 sq. yds., out of Khasra No. 305, situated in the abadi of S-Block, School Block, in the area of Village Shakarpur Khas, illaqa Shahdara, Delhi-110092, by virtue of a Relinquishment Deed dated 31.03.2023, Doc. No.664, All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to mortgage the said property & intend to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Gurteg Singh Garcha over the said property, its mortgage/ litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड

पंजी.त कार्यालयः 118, प्रथम तल, 12 गगनदीप बिल्डिंग, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008
सीआईएनः L70102DL1992PLC047399 दूरभाषः +91 11 45108609
ई-मेल आईडीः cs@himalyainternational.com | वेबसाइटः www.himalayafoodcompany.com

अ-साधारण सामान्य बैठक की सूचना एवं ई-वोटिंग की जानकारी

एतद्द्वारा हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड ("कंपनी") के सदस्यों को सूचना दी जाती है कि कारपोरेट कार्य मंत्रालय तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा जारी लागू परिपत्रों (सर्कुलर्स) का अनुपालन करते हुए अ-साधारण सामान्य बैठक ("ईजीएम") शुक्रवार, 27 अक्तूबर, 2023 को शाम 05:00 बजे (आईएसटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो-विजुअल साधनों ("ओएवीएम") के माध्यम से आयोजित की जाएगी। ईजीएम के लिए मान्य स्थान कंपनी का पंजी.त कार्यालय होगा।

ईजीएम के दौरान निष्पादित किए जाने वाले व्यवसाय के निर्धारण की सूचना उन सदस्यों को ईमेल के माध्यम से भेजी गई है, जिनकी ईमेल आईडी रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट ("आरटीए")/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट ("डीपी") के साथ पंजी.त हैं।

ईजीएम की सूचना कंपनी की वेबसाइट https://himalayafoodcompany.com/ स्टॉक एक्सचेंज अर्थात् बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com और ई-वोटिंग का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली एजेंसी अर्थात् सीडीएसएल की वेबसाइट https://www.evotingindia.com/ पर उपलब्ध है।

ईजीएम के दौरान रिमोट ई-वोटिंग और ई-वोटिंग हेतु निर्देश

कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 एवं सूचीबद्ध विनियमों के विनियम 44 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के प्रावधानों और अन्य लागू प्रावधानों (यदि कोई हो) के अनुसार, कंपनी को शेयरधारकों को रिमोट ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करते हुए खुशी है, जिसके द्वारा वे ईजीएम में पारित होने वाले प्रस्तावित प्रस्तावों पर अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने में सक्षम होंगे। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली का उपयोग करके सदस्यों द्वारा वोट डालने तथा ईजीएम के दौरान ई-वोटिंग सहित वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से ईजीएम में भाग लेने की सुविधा सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ("सीडीएसएल") द्वारा प्रदान की जाएगी।

ई-मेल एड्रेस को पंजी.त (रजिस्टर) / अद्यतन (अपडेट) करने की विधि

क) भौतिक रूप (फिजिकल मोड) में शेयर रखने वाले सदस्यों हेतुः .पया आवश्यक दस्तावेजों सहित पूर्ण रूप से भरे गए फॉर्म आईएसआर-1 को कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट अर्थात् मेसर्स बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (पी) लिमिटेड को तीसरी मंजिल, बीटल हाउस, 99, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, मदनगीर गांव, मदनगीर, नई दिल्ली, दिल्ली 110062 के पते पर भेजे। फॉर्म आईएसआर-1 कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और आप इसे https://himalayafoodcompany.com/pages/forms-for-investors लिंक पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

ख) डीमैट मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों हेतुः .पया अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट ("डीपी") के साथ अपने ईमेल एड्रेस तथा/अथवा बैंक अकाउंट के विवरणों को पंजी.त/अपडेट करें।

सभी सदस्य .पया निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेंः

क) ईजीएम के दौरान केवल वे सदस्य ही रिमोट ई-वोटिंग या ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने के हकदार होंगे, जिनका नाम शुक्रवार, 20 अक्तूबर, 2023 की विशिष्ट (कट-ऑफ) तिथि पर सदस्यों के रजिस्टर/लाभार्थी ओनरों की सूची में शामिल होगा। सदस्यों के वोटिंग के अधिकार विशिष्ट (कट-ऑफ) तिथि पर कंपनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी में उनके हिस्से के अनुपात में होंगे।

ख) रिमोट ई-वोटिंग अवधि सोमवार, 23 अक्तूबर, 2023 (सुबह 9:00 बजे) से आरंभ होगी तथा गुरुवार, 26 अक्तूबर, 2023 (शाम 5:00 बजे) को समाप्त होगी, इसके पश्चात् सीडीएसएल द्वारा 'रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से वोटिंग' को डिसेबल कर दिया जाएगा।

ग) इसके अतिरिक्त, ईजीएम के दौरान ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से वोटिंग करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। ईजीएम में भाग लेने वाले वे सदस्य जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे ईजीएम के दौरान ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट डालने के हकदार होंगे। जिन सदस्यों ने ईजीएम से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल दिया है, वे ईजीएम में भाग ले सकते हैं, लेकिन वे दोबारा वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

घ) सदस्यों द्वारा किसी प्रस्ताव पर वोट दिए जाने के पश्चात् सदस्यों को बाद में इसे संशोधित करने या दोबारा वोट डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ङ) डीमैटरियलाइज्ड (डीमैट) मोड और फिजिकल मोड (भौतिक रूप) में शेयर रखने वाले सदस्यों के साथ-साथ जिन सदस्यों ने अपनी ईमेल आईडी पंजी.त नहीं की है, उनके लिए रिमोट ई-वोटिंग की विधि ईजीएम की सूचना में प्रदान की गई है।

च) ऐसा कोई भी व्यक्ति, जो ईजीएम की सूचना प्रेषित किए जाने के पश्चात् कंपनी का सदस्य बना है तथा विशिष्ट (कट-ऑफ) तिथि पर शेयर का हिस्सा अपने पास रखता है, तो वह व्यक्ति ईजीएम की सूचना में उल्लिखित एड्रेस cs@himalyainternational.com पर ईमेल अनुरोध भेजकर यूज़र आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है।

छ) निदेशक मंडल ने कंपनी के सदस्यों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से वोटिंग एवं रिमोट ई-वोटिंग प्रक्रिया की जांच की सुविधा प्रदान करने के लिए श्री राहुल शर्मा, पार्टनर (सीपी सं. 18610) द्वारा प्रतिनिधित्वकृत मैसर्स आरबीएस, व्यवसायरत कम्पनी सचिव को जांचकर्ता (स्क्रूटिनाइज़र) के रूप में नियुक्त किया है।

यदि ईजीएम में भाग लेने एवं सीडीएसएल ई-वोटिंग प्रणाली के माध्यम से ई-वोटिंग करने से संबंधित आपके कोई प्रश्न या समस्या है, तो आप helpdesk.evoting@cdslindia.com पर एक ईमेल भेज सकते हैं अथवा टोल फ्री नंबर 1800 22 55 33 पर संपर्क कर सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा वोटिंग की सुविधा से संबंधित सभी शिकायतें श्री राकेश दलवी, वरिष्ठ प्रबंधक, (सीडीएसएल) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, ए विंग, 25वीं मंजिल, मैराथन फ्यूचरेक्स, मफतलाल मिल कंपाउंड्स, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - 400013 को प्रेषित की जा सकती है अथवा इसके लिए helpdesk.evoting@cdslindia.com पर ईमेल करें या टोल फ्री नंबर 1800 22 55 33 पर संपर्क करें।

कंपनी की ईजीएम के संबंध में किसी अन्य प्रश्न अथवा जानकारी हेतु, .पया सभी सदस्य कंपनी सचिव को cs@himalyainternational.com पर ईमेल करें।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता./-
मन मोहन मलिक
प्रबंध निदेशक
(डीआईएनः 00696077)

तिथिः 5 अक्तूबर, 2023
स्थानः नई दिल्ली

संक्षिप्त समाचार

अभियान को हरी झंडी दिखाते नोएडा के सांसद महेश शर्मा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सांसद ने दिखाई झंडी

नोएडा। जनपद वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉक्टर महेश शर्मा ने जिला अस्पताल सेक्टर-39 से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रेनू अग्रवाल, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ललित कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को लेकर जन जागरूकता के उद्देश्य से रैली निकाली गई, जिसमें नोएडा विकास प्राधिकरण, आंगनवाड़ी, आशा, ब्रीडिंग चेकर्स के द्वारा प्रतिभाग किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सूचना विभाग के माध्यम से एलईडी वैन के द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

सलाम नमस्ते में इंडियन स्वच्छता लीग का समापन

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते ने इंडियन स्वच्छता लीग 2023 का आयोजन किया। 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में देश के 7 शहरों के 107 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान बेहतरीन स्वच्छता आइडिया के लिए प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। बुधवार को कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने कहा कि सामुदायिक रेडियो ने आईपीसीए के संयुक्त तत्वाधान में इंडियन स्वच्छता लीग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान लोगों से स्वच्छता आईडिया मागें गए, जिसमें देश के 7 शहरों के 107 प्रतिभागियों ने अपने आईडिया शेयर किए। सलाम नमस्ते ने इन सभी आईडिया को संकलित कर, 10 सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता आइडिया को बुधवार को पुरस्कृत किया।

लिव-इन में रह रही महिला की छत से गिरकर मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में लिव-इन में रह रही एक महिला की छत से गिरकर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले में साथी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला छत से गिर गई है। उन्होंने बताया कि उसे नवीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम को जांच में पता चला की पीड़िता दो साल से कपिल नाम से व्यक्ति के साथ लिव-इन में रह रही थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात साथी कपिल से शराब पीने की बात को लेकर झगड़ा हो गया और इसी बीच वह छत से गिर गई।

तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार 12 बाइक बरामद

नोएडा। थाना बीटा-दो पुलिस ने बीती रात को गस्त के दौरान तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की 12 मोटरसाइकिल बरामद किया है। अपर पुलिस उपायुक्त अशोक कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को गस्त पर निकली थाना बीटा.दो पुलिस ने एक सूचना के आधार पर तीन शातिर वाहन चोरों कर्म सिंह राहुल तथा कुणाल को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी की गई 12 मोटरसाइकिल, तीन फर्जी नंबर प्लेट, दो मास्टर चाबी आदि बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाशों ने वाहन चोरी की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार की है।

संजय सिंह की गिरफ्तारी पर भड़के केजरीवाल

कहा- ईडी की छापेमारी एक हारते हुए आदमी की आखिरी कोशिश, विपक्ष के खिलाफ जारी रहेगी छापेमारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के घर पर बुधवार को प्रर्वतन निदेशालय की छापेमारी और गिरफ्तारी पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संजय के घर पर ईडी की छापेमारी एक हारते हुए आदमी की आखिरी कोशिश है। ये लोग 2024 का लोकसभा चुनाव हार रहे हैं इसलिए मंगलवार को पत्रकारों के यहां छापेमारी की और आज सिंह के ऊपर हो रही है।

चुनाव तक अभी और कई लोगों के यहां छापेमारी होगी। उन्होंने कहा कि इस तथाकथित शराब घोटाले में अब तक एक भी पैसा इनको नहीं मिला है, जबकि एक हजार से ज्यादा रेड हो चुकी हैं और कई लोगों को गिरफ्तार भी कर चुके हैं। ऐसे ही सिंह के घर से भी कुछ नहीं मिलेगा।

केजरीवाल ने कहा कि पिछले एक साल से देख रहे हैं कि इन्होंने तथाकथित शराब घोटाला शोर कर रखा है। कहीं से कुछ नहीं मिला है। हमारे खिलाफ ये बहुत सारे आरोप लगा चुके हैं। कभी कहते हैं कि क्लासरूम घोटाला हो गया है, कभी बसों की खरीद में घोटाला होने की बात कहते हैं, तो कभी कहते हैं कि ानी में घोटाला हो गया है। हर चीज में में इन्होंने जांच करा ली है। उच्चतम न्यायालय से सिसोदिया को जमानत मिलने की संभावना पर आम

● पिछले एक साल से चल रहे तथाकथित शराब घोटाले में अब तक कुछ नहीं मिला है, संजय के घर से भी कुछ नहीं मिलेगा

आदमी पार्टी के संयोजक ने कहा कि सिसोदिया के साथ करोड़ों बच्चों, अभिभावकों की दुआएं हैं। पूरी उम्मीद है कि शीर्ष अदालत से न्याय होगा। उधर, कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले 15 महिनों से ईडी-सीबीआई की जांच, छापेमारी चल रही है। लेकिन आज तक एक चवन्नी नहीं मिली। यह इस बात का संकेत दे रहा है कि भाजपा और प्रधानमंत्री अगला चुनाव हार रहे हैं।

वहीं, शिक्षा मंत्री आतिशी का कहना है कि पिछले 15 महीने से तथाकथित आबकारी घोटाले में सीबीआई-ईडी जांच कर रही है। इन्होंने सैकड़ों अधिकारी लगा दिए, कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अभी तक एक रुपए का भ्रष्टाचार केंद्र सरकार और उसकी सारी एजेंसियां साबित नहीं कर पाई हैं और उसका सबूत नहीं दे पाई हैं। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भीप्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक ऐसा काल्पनिक घोटाला है। इनके सूत्र अवश्य कहेंगे कि काफी कुछ मिला है, लेकिन कोर्ट के सामने जब जाएंगे तो कहेंगे कि कुछ नहीं मिला है। यह एक सच्चाई है कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव हार रही है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी की यह एक आखिरी कोशिश है कि किसी भी तरह से वह एक बार फिर पीएम बन जाएं, लेकिन आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार से सवाल पूछती रहेगी।

आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो: रंजन डिमरी

भाजपा का आप कार्यालय के पास प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े ताजा घटनाक्रम को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मांगा इस्तीफा

प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े ताजा घटनाक्रम को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे एवं मनीष सिसोदिया को आम आदमी पार्टी से निष्कासन की मांग करते हुए बुधवार को आम आदमी पार्टी के कार्यालय के पास प्रदर्शन किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि सिंह के आवास पर छापे ने राष्ट्रीय राजधानी में आप सरकार के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है। शराब घोटाले में शामिल सभी लोग जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे।

प्रदर्शनकारी आईटीओ से दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर आप कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तभी पुलिस ने अवरोधक लगाकर उन्हें रोक दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सांसद मनोज तिवारी, प्रवेश साहिब सिंह एवं रमेश बिधूड़ी की उपस्थिती में किया।

इस मौके पर बिधूड़ी ने कहा कि शराब घोटाले में जो दोषी थे वही सरकारी गवाह बन गए हैं। विधानसभा में कहा था कि नई शराब नीति में घोटाला हुआ है, कमीशन बढ़ाए गये ताकि उसका निजी फायदा हो और शराब घोटाले में सीधे सीधे 2000 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है, लेकिन केजरीवाल ने उसका कोई जवाब नहीं दिया था और रिहायशी क्षेत्रों में, स्कूल और मंदिरों के बगल में शराब के ठेके खोलकर मास्टर प्लान का उल्लंघन किया लेकिन आज जांच एजेंसियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब केजरीवाल या उनके किसी भी नेता के पास नहीं है। वह दिन दूर नहीं जब केजरीवाल की जगह ना ही विधानसभा, सचिवालय में और ना ही शीशमहल में होगी बल्कि उनकी जगह तिहाड़ जेल में होगी।

मनोज तिवारी ने कहा कि पिछले 15 महीनों से पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन जेल में बंद हैं और वहीं हाल पूर्व शराब मंत्री मनीष सिसोदिया के साथ है जो 6 महीनों से ज्यादा वक्त से जेल के अंदर हैं, उन दोनों को बेल नहीं मिल रही है। मतलब साफ है कि न्यायालय को भी लगता है कि यह दोनों भ्रष्टाचारी हैं और साथ ही ईडी के पास इसके तमाम सबूत हैं।

ओखला लैंडफिल से कचरा हटाने का काम लक्ष्य से पीछे : सीएम

● अब तक 18 लाख टन हटाया जाना था, पर 12 लाख टन ही हटाया जा सका है, अब एक और एजेंसी को दिया जाएगा काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को ओखला लैंडफिल साइट का दौरा कर कूड़े के निपटान की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। सीएम ने पाया कि यहां कचरा हटाने का काम लक्ष्य से पीछे चल रहा है।

इस पर उन्होंने कहा कि कूड़ा हटाने के काम में तेजी लाने के लिए एक और एजेंसी हायर की जाएगी। अब तक यहां से 18 लाख टन कचरा हटा दिया जाना चाहिए था, लेकिन अभी केवल 12 लाख टन ही हटाया जा सका है। दूसरी एजेंसी हायर करने की कार्रवाई लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन एमसीडी में स्टैंडिंग कमेटी का गठन नहीं होने की वजह से इसमें देरी हो रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है जैसे ही कोर्ट का आदेश आएगा, कमेटी गठित कर दूसरी एजेंसी हायर कर ली जाएगी।

उम्मीद है कि दोनों एजेंसी मिलकर काम करेंगी तो मई 2024 तक 30 लाख टन कूड़ा हटाने के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा।

ओखला लैंडफिल साइट का जायजा लेने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ओखला लैंडफिल साइट पर कुल 45 लाख टन कूड़े का पहाड़ था। 7 नवंबर 2022 से ओखला लैंडफिल साइट से कूड़े के पहाड़ को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। लक्ष्य रखा गया था कि मई 2024 तक यहां से 30 लाख टन कचरा हटा लिया जाएगा। लेकिन ओखला लैंडफिल साइट पर काम लक्ष्य से पीछे चल रहा है।

नैनो पार्टिकल से प्रदूषण होने पर सहमति जताई

अरविंद केजरीवाल ने सड़कों से निकलने वाले नैनो पार्टिकल से प्रदूषण होने पर सहमति जताई और कहा कि पीडब्ल्यूडी की 1480 किलोमीटर सड़कें हैं। योजना है कि पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कों पर मैकेनिकल स्वीपिंग की जाएगी तो कूड़ा उपर नहीं उठेगा। सड़कों की धुलाई भी की जाएगी। पहले मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनें दिल्ली सरकार द्वारा खरीदे जाने का प्लान था। लेकिन अब ये काम एमसीडी को दिया जा रहा है। इसका कैबिनेट नोट तैयार है। एक-दो हफ्ते में हो जाएगा। इसके बाद एमसीडी स्वीपिंग का काम शुरू करेगी। हम पहले पीडब्ल्यूडी की सडकों से शुरूआत करेंगे। इसके बाद एमसीडी की सड़कों पर पर भी करेंगे।

कूड़े के पहाड़ों की ऊंचाई कम हुई : शैली

महापौर शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली को कचरा मुक्त करने के लिए दिन-रात काम चल रहा है। कचरे के पहाड़ों को अब कोई भी देखे तो कह सकते हैं कि अब ऊंचाई काफी कम हो गई है। कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए चौबीस घंटे लगातार काम चल रहा है। तीनों कूड़े के पहाड़ों पर जल्दी दो-दो एजेंसी काम करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर निदेशक व अन्य।

योग पर साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान एवं अंतरविश्वविद्यालय योग विज्ञान केंद्र, बेंगलुरु के संयुक्त संयोजन में बुधवार को पातंजल योग सूत्र समाधि पाद पर छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत निदेशक विक्रम सिंह ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. कृष्णकांत शर्मा, वैदिक विभाग के पूर्व प्रोफेसर, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने शिरकत की। कार्यशाला में प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, नई दिल्ली और अंतर विश्वविद्यालय योग विज्ञान केंद्र, बेंगलुरु तथा प्रो. ओम नाथ बिमली, निदेशक, हिन्दू अध्ययन केंद्र एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्विद्यालय, विशेष रुप से आमंत्रित थे।

नुक्कड़-नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

नई दिल्ली। द्वारका में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया गया। दिल्ली नगर निगम, नजफगढ़ क्षेत्र और वेगस मॉल के सहयोग से कार्यक्रम का आयेजन किया गया। इस मौके पर नजफगढ़ क्षेत्र की उपायुक्त विशेष रूप से मौजूद थीं। इस अवसर पर एमसीडी की ब्रांड एंबेसडर गायिका मैथिली ठाकुर और 5 वर्षीय कुशाग्र जोशी और अंकिता सहित युवाओं ने जीवंत कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने में व्यक्तियों और संगठनों के उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एसीपी ने गोली मारकर की आत्महत्या

● तीन दिन पहले हुई थी पत्नी की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जंगपुरा में दिल्ली पुलिस के एसीपी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। पड़ोसियों ने गोली की आवाज सुनकर घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई देखा के एसीपी अनिल दहिया खून से लथपथ पड़े थे।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रख दिया है। पुलिस का कहना है कि अनिल ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया है इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीन दिन पहले अनिल सिसोदिया की पत्नी की मौत हुई थी।

अनिल साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में तैनात थे। उन्होंने जिस घर पर सुसाइड की, वह जंगपुरा में है। उन्होंने अपनी सर्विस रिवाल्वार खुदकुशी की है। एसीपी की सुसाइड की खबर सुनकर पड़ोसी हैरान हैं। कोई समझ नहीं पा रहा है कि एसीपी ने ऐसा कदम क्यों उठाया।

मौके पर पहुचीं पुलिस जांच करती हुई।

वैकल्पिक वन के लिए भूमि की पहचान को लेकर खिंचाई

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वैकल्पिक वन क्षेत्र के निर्माण के लिए केवल 0.23 एकड़ भूमि चिह्नित किए जाने को लेकर बुधवार को शहर के सरकारी अधिकारियों की खिंचाई की और संबंधित प्रमुख सचिव को अगली तारीख पर कार्यवाही में शामिल होने को कहा।

न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने पूछा कि क्या अधिकारियों ने समस्या की गंभीरता को नहीं समझा है। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि अदालती कार्यवाही कोई मजाक नहीं है और अधिकारी व्यवस्था का मखौल उड़ा रहे हैं और फिर भी अदालत उदार रही है।

न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, क्या यह एक मजाक है, आपने केवल 0.23 एकड़ की पहचान की है।

महापौर शैली ओबरॉय को आस्ट्रेलिया यात्रा की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उन्हें एक कार्यक्रम के लिए ब्रिस्बन यात्रा की राजनीतिक मंजूरी केंद्र से मिल गई है।

ओबेरॉय की ओर से पेश हुए वकील ने न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद को बताया कि याचिका दायर करने के बाद महापौर को मंगलवार को राजनीतिक मंजूरी मिल गई। हालांकि, केंद्र की ओर से पेश हुए वकील ने इसका विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि याचिका दायर करने के पहले यह मंजूरी दे दी गई थी। ओबेरॉय के वकील ने दलील दी, याचिका दायर करने के बाद मुझे कल अनुमति मिली। मैंने दोपहर 12 बजे मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष इस मामले का जिक्र किया था और इसके बाद राजनीतिक मंजूरी मिली।

अदालत मेरा बयान रिकॉर्ड में रख सकती है। न्यायाधीश ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की शिकायत पर अब सुनवाई की जरूरत नहीं है। ओबेरॉय ने ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में आयोजित होने वाले 2023 एशिया प्रशांत नगर शिखर सम्मेलन एवं महापौर मंच कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी। कार्यक्रम 11 से 13 अक्टूबर के बीच होने वाले हैं।

प्रदेश कांग्रेस झंडा लगाओ-सामने आओ अभियान शुरु करेगी : लवली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस जल्द राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर झंडा लगाओ-सामने आओ अभियान शुरु करेगी।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली बुधवार को चॉदनी चौक लोकसभा के अंतर्गत आने वाले दोनो जिला चॉदनी चौक व आदर्श नगर जिला कांग्रेस कमेटी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, ब्लाक अध्यक्षों की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झंडा लगाओ सामने आओ अभियान की शुरुआत वह खुद अपने घर से करेंगे और उसी दिन सभी पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक भी इस अभियान के तहत अपने-अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाऐंगे।

लवली ने कहा कि कांग्रेस शासन में दिल्ली सरकार द्वारा हमेशा से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी की जयंती पर खादी पर दी जाने वाली 10 प्रतिशत छूट को खत्म करने की नीति की कड़ी आलोचना करते हुए मांग की कि आप सरकार तुरंत खादी पर 10 प्रतिशत छूट को बहाल करे।

उन्होंने कहा कि इससे न केवल खादी के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ेगा, बल्कि मध्यम वर्ग व गरीब वर्ग को लाभ भी पहुंचेगा।

आबकारी नीति में लाभार्थी 'आप' आरोपी क्यों नहीं : अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से यह बताने को कहा कि राजनीतिक दल (आम आदमी पार्टी) जो कथित तौर पर दिल्ली आबकारी नीति घोटाले का लाभार्थी है, उसे धन शोधन मामले में आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है।

ईडी ने दावा किया है कि आप ने 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में अपने प्रचार अभियान के लिए विभिन्न हितधारकों से रिश्वत के रूप में प्राप्त 100 करोड़ का इस्तेमाल किया। पीठ ने यह सवाल तब उठाया, जब सिसौदिया की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की।

केजरीवाल के खिलाफ सुकेश चंद्रशेखर की शिकायत गृह मंत्रालय को भेजी गई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उपराज्यपाल ने कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय से की सिफारिश

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने गृह विभाग की सिफारिश पर सुकेश चंद्रशेखर द्वारा उन्हें भेजी गई शिकायत को जरूरी कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के पास भेज दिया है।

सुकेश ने 8 जुलाई को अपने वकील के माध्यम से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उपराज्यपाल को पत्र लिखकर आरोप लगाया गया था कि उनके वकील अनंत मलिक को केजरीवाल और पूर्व गृह मंत्री सत्येन्द्र जैन की ओर से बोलने का दावा करने वाले लोगों से धमकी भरे फोन आ रहे थे। फोन करने वाले की पहचान दिनेश मुखिया के रूप में हुई है, जिस पर आरोप है कि उसने सुकेश को धमकी दी थी कि अगर उसने केजरीवाल और जैन के खिलाफ अपने बयान वापस नहीं लिए तो आप के नियंत्रण वाली मंडोली जेल में उसके खाने में जहर मिला दिया जाएगा। सुकेश ने अपने पत्र में यह भी अनुरोध किया है कि उन्हें मंडोली जेल से दिल्ली से बाहर की अन्य स्थानांतरित कर दिया जाए।

सुकेश के वकील अनंत मलिक, अनंतम लीगल, एडवोकेट्स और सॉलिसिटर का पत्र आठ जुलाई को सुकेश द्वारा लिखित शिकायत के साथ, उपराज्यपाल सचिवालय द्वारा आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु दिल्ली सरकार के गृह विभाग को भेजा गया था।

पिछले साल दिल्ली भारत का सबसे प्रदूषित शहर रहा

● प्रतिघन मीटर में पीएम 2.5 की सांद्रता 100.01 माइक्रोग्राम रही जो सुरक्षित सीमा से तीन गुना अधिक है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में वैसे तो आंशिक सुधार आया है लेकिन 30 सितंबर को समाप्त हुए वर्ष में दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रही तथा यहां प्रति घन मीटर में पीएम 2.5 की सांद्रता 100.01 माइक्रोग्राम रही जो सरकार द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा का तीन गुना है। नए विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया है। स्वतंत्र विचारक संस्था क्लाइमेट ट्रेंड्स और प्रौद्योगिकी फर्म रेस्पिरर लिविंग साइंसेज द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला है कि आइजोल और मिजोरम में पीएम2.5 स्तर केवल 11.1 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के साथ भारत की सबसे स्वच्छ हवा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के चार और शहर - फरीदाबाद (89 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर), नोएडा (79.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर), गाजियाबाद (78.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) और मेरठ (76.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) भी शीर्ष 10 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। यह रिपोर्ट एक अक्टूबर, 2022 से 30 सितंबर, 2023 तक सरकार के पीएम2.5 डेटा के विश्लेषण पर आधारित है और राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत शामिल किए गए शहरों पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य 2026 तक पार्टिकुलेट मैटर(पीएम) में 40 प्रतिशत की कमी हासिल करना है।

विश्लेषण से पता चला कि इस अवधि में पटना 99.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की औसत पीएम2.5 सांद्रता के साथ दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा। पटना में पिछले वर्ष की तुलना में वायु गुणवत्ता में 24 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष सात प्रदूषित शहर - दिल्ली, पटना, मुज फरपुर, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ -सभी सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों का हिस्सा हैं।

विश्लेषकों ने हालांकि कहा कि अध्ययन अवधि के दौरान दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में पीएम2.5 की सांद्रता क्रमश: चार प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 25 प्रतिशत और 11 प्रतिशत कम हो गई। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने कहा, विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में सिंधु-गंगा के मैदानी शहरों में (वायु गुणवत्ता में) सुधार हुआ है। हालांकि, भारी प्रदूषण के चलते इन शहरों में सबसे अधिक पीएम स्तर बना हुआ है।

राजधानी में सामान्य से 4 डिग्री कम रहा न्यूनतम तापमान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार की सुबह ठंडक भरी रही और न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने के साथ अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने का पूर्वानुमान व्यक्त किया।

शहर में सापेक्षिक आद्रर्ता सुबह साढ़े आठ बजे 70 प्रतिशत दर्ज की गई। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा था जबकि अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। सुबह के समय ठंडक से दिल्ली फिजा में काफी बदलाव आ गया है। मॉनिग वॉक वालों की तादाद बढ़ी है।

डॉ. तौकीर रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन के फेलो नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डॉ. तौकीर अहमद

डॉ. तौकीर अहमद को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री लंदन ने फेलो नियुक्त किया है। सोसाइटी यह सम्मान उन विशेषज्ञों को देती है जो रसायन विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। अहमद जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर पद पर तैनात हैं।

उन्होंने सतत हरित हाइड्रोजन ऊर्जा के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है, जिसके लिए लंदन की रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी) यूके उन्हें अपना फेलो नियुक्त किया है। रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री यह सम्मान विश्व में रसायन विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले विशेषज्ञों को देती है। डॉ. तौकीर अहमद ने बताया कि वह इस सम्मान को पाकर बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री 1841 में स्थापित हुई थी। यह रासायनिक विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले विशेषज्ञों यह सोसाइटी फेलो नियुक्त करती है।

मानेसर की महापंचायत में नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान की रिहाई का किया विरोध

मानेसर में भीष्म मंदिर में आयोजित की गई महापंचायत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के मानेसर में नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान की रिहाई के विरोध में पंचायत करते लोग।

नूंह हिंसा के आरोपी कांग्रेसी विधायक मामन खान की रिहाई के विरोध में बुधवार को मानेसर में महापंचायत आहुत की गई। बताया जा रहा है कि महापंचायत में ग्रामीणों ने मोनू मानेसर की गिरफ्तारी का भी विरोध किया है। कुछ दिन पूर्व विश्व हिंदू परिषद की बैठक में इमरान नामक संदिग्ध युवक मिलने के बाद यहां की महापंचायत में पत्रकारों और बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं करने दिया गया। मानेसर के भीष्म मंदिर में हुई महापंचायत में नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान को लेकर लोगों में रोष दिखा। महापंचायत में शामिल हुए क्षेत्र के लोगों ने कहा कि विधायक मामन खान के एसआईटी को नूंह हिंसा में संलिप्त होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। उन्होंने हिंसा को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। खून-खराबा कराया। एक जनप्रतिनिधि के रूप में मामन खान ने बहुत ही नकारात्मक भूमिका निभाई है। महापंचायत में मामन खान की जमानत के विरोध के बीच यह तय किया गया कि आगामी 7 अक्टूबर को बैठक करके अगली रणनीति तय की जाएगी।

बता दें कि कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह हिंसा में एसआईटी ने आरोपी बनाया है। इस आरोप में उसे राजस्थान से एसआईटी ने गिरफ्तार किया था। उन पर चार केस दर्ज किए गए। दो केसों में उन्हें पहले जमानत मिल गई थी और दो केसों में मंगलवार की शाम को जमानत मिली। मामन खान के लिए यह राहत है, लेकिन लोगों ने इसका खुलकर विरोध किया है। जिस मोनू मानेसर के नाम से विधायक मामन खान ने हरियाणा विधानसभा में जिस तरह से धमकी दी थी, उसे भी नूंह हिंसा से जोड़कर देखा गया। हालांकि मोनू मानेसर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसे राजस्थान में नासिर, जुनैद हत्याकांड में राजस्थान पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई। पंचायत में कहा गया कि जब मामन खान को इतनी बड़ी हिंसा के आरोप होने के बाद भी जमानत मिल सकती है तो मोनू मानेसर को जमानत क्यों नहीं दी जा रही।

मालिबू टाउन में मनाया गया सीनियर सिटीजन दिवस

गुरुग्राम। मालिबू टाउन में समाजसेवी अलका दलाल एवं वरिष्ठ नागरिक सोसाइटी के द्वारा सीनियर सिटीजन दिवस मनाया गया। जिसमें लाफ्टर क्लब सेक्टर-45 द्वारा लाफ्टर योगा करवाया। इसके बाद तंबोला इत्यादि खेल भी खिलवाए गए। सभी ने बहुत आनंद लिया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी अलका दलाल का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक सोसाइटी से अश्वनी टंडन, वीके खन्ना, अनीश कोहली, मोनिका मित्तल, रोहित व विनी सचेदवा आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेफिल्ड गार्डन के प्रधान कर्नल आरके शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए।

गुरुग्राम व रेवाड़ी में बस स्टैंड, सिविल अस्पताल समेत कई परियोजनाएं की केंद्रीय मंत्री ने की समीक्षा

अधिकारियों के साथ की विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में लघु सचिवालय में संसदीय क्षेत्र की विकास परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक करते केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह।

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। मुख्य सचिव संजीव कौशल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी चण्डीगढ़ से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। डीसी निशांत कुमार यादव ने केंद्रीय राज्य मंत्री का लघु सचिवालय पहुंचने पर स्वागत किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने गुरुग्राम जिला में बनने वाले नए सिविल अस्पताल, बस स्टैंड को शिफ्ट करने, नगर निगम गुरुग्राम के लिए सुपर सकर मशीनें व अन्य परियोजनाएं, रेवाड़ी जिला गांव माजरा में एम्स, रेवाड़ी शहर में बस स्टैंड, धारूहेड़ा बस स्टैंड, सिविल अस्पताल, झज्जर बाइपास आदि, नूंह जिला के इंडरी में आरएएफ सेंटर, गुरुग्राम-अलवर मार्ग, नगीना-तिजारा मार्ग व विभिन्न सडक़ परियोजनाएं तथा महेंद्रगढ़ जिला के गांव नसीबपुर में बनने वाले शहीद स्मारक से जुड़े प्रशासनिक कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में अनेक मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणाएं हैं। इन पर जल्दी काम शुरू हो। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने केंद्रीय राज्य मंत्री को विभिन्न परियोजनाओं की मुख्यालय स्तर पर जारी कार्यवाही से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृतिक विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल ने महेंद्रगढ़ जिला के नसीबपुर में बनने वाले शहीदी स्मारक की प्रगति के बारे में बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम की स्मृति में इस स्मारक के निर्माण की घोषणा की थी। इस स्मारक के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई।

रेवाड़ी के गांव माजरा में एम्स के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में प्रस्तावित एम्स के लिए टेंडर प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। पीएम मोदी द्वारा इस संस्थान की आधारशिला रखने का कार्य प्रस्तावित है। उन्होंने नूंह जिला के गांव इंडरी में आरएएफ सेंटर के लिए प्रस्तावित स्थल पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि इंडरी में सीआरपीएफ के आरएएफ सेंटर के लिए बिजली की लाइन स्वीकृत हो चुकी है और पीने के पानी के लिए नई लाइन भी बिछाई जाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने एचएसआईआईडीसी द्वारा गांव फाजलवास, कुकड़ोला, सहरावण, मानेसर, नाहरपुर, नखड़ौला, नौरंगपुर व नवादा आदि में जमीन अधिग्रहण से जुड़े विषय को भी मुख्य सचिव के समक्ष रखा। मुख्य सचिव ने बताया कि गुरुग्राम शहर में जीएमडीए के माध्यम से मोबिलिटी प्लान तैयार किया जा रहा है। साथ ही मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के समीप बसों के लिए इंटरचेंज व रेवाड़ी शहर में भी मुख्य बस स्टैंड के साथ-साथ सिटी के लिए भी बस स्टैंड की योजना प्रस्तावित है।

गुरुग्राम में हुआ पुरानी पेंशन बहाली रथ का स्वागत

पांच अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस पर दिल्ली के फोर्ट ऑडिटोरियम में पहुंचेगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पुरानी पेंशन बहाली रथ के स्वागत के बाद बैठक करते शिक्षक।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए चार रथ यात्राएं चला रखे हैं। जिनमें से एक रथ बुधवार को गुरुग्राम पहुंचा। पांच सितंबर 2023 शिक्षक दिवस पर सिलचर, सोमनाथ, गुवाहाटी और वाघा बार्डर से शुरू हुई यह यात्रा कल 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस पर दिल्ली के श्री फोर्ट ऑडिटोरियम में पहुंचेगी।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महासचिव अशोक प्रजापति और कोषाध्यक्ष बलविंदर धारीवाल ने बताया कि बुधवार को चार यात्राओं में से दो पेंशन बहाली रथ यात्राओं का राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा-421 जिला गुरुग्राम की पूरी कार्यकारिणी व सेंकड़ों प्राथमिक शिक्षकों ने जोरदार स्वागत किया। सोमनाथ से चलने वाली यात्रा अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद ठाकरान और गुजरात प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह जडेजा के नेतृत्व में गुरुग्राम पहुंची। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य महासचिव तरुण सुहाग ने बताया की दूसरी रथ यात्रा गोहाटी से चली थी, जिसका नेतृत्व अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ उप-प्रधान रामचंद्र डबास जी कर रहे हैं।

दोनों यात्रा का विवेक हाई स्कूल झाड़सा में भव्य स्वागत किया गया। रामचंद्र डबास वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षा संघ और दिग्विजय सिंह जाडेजा राज्य अध्यक्ष गुजरात प्राथमिक शिक्षक संघ ने सभी उपस्थित अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बंद की है, वह किसी भी तरीके से न्यायसंगत नहीं है। किसी भी कर्मचारी का बुढ़ापे में जो सहारा होता है, वह पुरानी पेंशन होती है। इसको पूरे भारतवर्ष में लागू करवा कर ही रहेंगे। सभी को पुरानी पेंशन को शुरू करवाने वाले सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढक़र भाग ले। कार्यक्रम में सुशील कटारिया, रत्न लाल, सुनील कन्होरी, संजीत रोहिला, मनोज गुलिया, रवि दहिया, नरेंद्र शर्मा, योगेश, सतीश नैनवाल, विवेक जैमिनी, परवीन मुदगिल, सुनील दहिया, मोनिका शर्मा, स्नेहलता, चंपा कौशिक, दोनों यात्रा में शामिल प्रभासी खांट, जैमिन पटेल, भरत पटेल, विक्रम गहलोत, देवेंद्र नैन, नरेश भारद्वाज और कर्मवीर, शिव कुमार, सुनील, शीला, गीता मान, विम्मी आदि थे।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन गुरुग्राम की बैठक में लिए कई अहम निर्णय

एसोसिएशन कार्यालय में हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन गुरुग्राम की बैठक के दौरान मौजूद सदस्य।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन गुरुग्राम (जग) की बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक एसोसिएशन के कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों के बीच कई विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक में एसोसिएशन के प्रधान संजय यादव, उपप्रधान राज वर्मा, बागीश झा, महासचिव सोनू यादव, प्रवक्ता संजय कुमार मेहरा, देवेंद्र भारद्वाज, अभिषेक अग्रवाल, ईश्वर शर्मा, धर्मबीर शर्मा, दिनेश सैनी, गौरव ढुल, राजेश यादव, बलराज दायमा, नीरज अम्बावता, दीपक आहुजा, प्रवीन वत्स, प्रवेश चौहान, संजय चौहान, गौरव तिवारी, उमेश गर्ग, योगेंद्र कुमार, मनोज गुडियानी, मनोज कुमार, प्रदीप निराला, कृष्ण जांगड़ा, हिमांशु नायक, मनोज, अशोक सारस्वत, योगेंद्र सारस्वत, राजू चित्रा, संजय राठौर, बिजेंदर कुमार आदि समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रधान संजय यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से दो नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। दीपक आहुजा को वरिष्ठ उप-प्रधान और देवेंद्र भारद्वाज को सह-सचिव चुना गया। बैठक में प्रेस क्लब के लिए कार्यालय पर भी चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि जल्द ही इस विषय पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की जाएगी। मुख्यमंत्री को मांग पत्र देकर प्रेस क्लब के लिए जगह देने का आग्रह किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के ओएसडी जवाहर यादव से भी मिलेंगे।

प्रधान संजय यादव ने कहा कि पंचकूला की तर्ज पर गुरुग्राम के पत्रकारों को भी आवास की सुविधा सरकार द्वारा मुहैया कराई जानी चाहिए। गुरुग्राम हरियाणा की आर्थिक राजधानी है और यहां केंद्र और राज्य सरकार के हर बड़े आयोजन प्रमुखता पर होते हैं। दुनियाभर में गुरुग्राम का नाम है। ऐसे में यहां के मीडिया कर्मियों के लिए सरकारी स्तर पर आवास और प्रेस क्लब हो, यह जरूरी है और इसके लिए एसोसिएशन निरंतर प्रयासरत है।

हनुमान चालीसा के पाठ का आंकड़ा 3 लाख 66 हजार के पार

समाजसेवी बोधराज सीकरी के प्रयासों से जारी है हनुमान चालीसा पाठ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-40 में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान पूजा करते श्रद्धालु।

बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा पाठ मुहिम में औषध निर्माता जगदीश बंसल ने यजमान के नाते शक्ति पीठ मंदिर सेक्टर-40 में भव्य आयोजन किया। पिछले सात महीने और 12 दिन से निरन्तर हर मंगलवार को किसी न किसी स्थान पर 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा जा रहा है।

अभी तक 3 लाख 57 हजार 823 पाठ, 25860 श्रद्धालुओं द्वारा 130 स्थानों पर किये जा चुके हैं। अब तक कुल साधकों की संख्या 26 हजार पार कर गई है। हनुमान चालीसा मुहिम के तहत अब तक कुल 366473 हो चुके हैं। यह पाठ कुल 26310 साधकों द्वारा किया गया है। मंगलवार के कार्यक्रम में 400 से अधिक श्रद्धालुओं, भक्तजनों ने हिस्सा लिया। बड़े प्रेमपूर्वक गजेंद्र गोसाई द्वारा संगीतमय तरीके से जोश के साथ गाये गए हनुमान चालीसा पाठ का आनंद उठाया और इसमें दमन दीवान ने सहयोग दिया। 21 बार पाठ होने के बाद बोधराज सीकरी ने युवा पीढ़ी को बताया कि पितृ पक्ष चल रहा है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि यह कोई गलत परिपाटी नहीं है। सीकरी ने कहा कि, जो युवा अपने भूतकाल को भूल जाता है, उसका भविष्य कभी भी उज्ज्वल नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि श्राद्ध का मतलब श्रद्धा से है। जो भी आप काम करें, चाहे यज्ञ करें, चाहे अनुष्ठान करें, चाहे ब्राह्मण को बुलाकर कर्मकांड द्वारा कुछ भी करें, करें अवश्य। बोधराज सीकरी ने घोषणा की कि आने वाली 17 तारीख मंगलवार को पालम विहार जे-ब्लॉक में शेखर तनेजा और उनके सहयोगियों द्वारा भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसमें हनुमान चालीसा पाठ के साथ-साथ पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव जन्मदिन भी मनाया जाएगा। इस अवसर पर तिलक मेहता, डॉ. सुधा यादव की बेटी सौम्या जैन, दामाद अतीक जैन, पूनम जुनेजा, राम लाल ग्रोवर, धर्मिंदर बजाज, सुभाष अरोड़ा, संजय टन्डन, महिला वर्ग में सुरेश सीकरी, ज्योत्सना बजाज, मीनू छाबड़ा, नीलिमा मिश्रा, ऊष्मा सचदेवा, मोनिका स्वामी, पॉवेल आदि थे।

कांग्रेस नेता पंकज डावर ने कर्मचारियों की मांगों का किया समर्थन

हड़ताली सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते पंकज डावर।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बीते 15 दिनों से सफाई कर्मचारियों का शहर में प्रदर्शन जारी है अब सफाई कर्मचारियों की सुनवाई नहीं होने पर बुधवार को सेंकड़ों की संख्या में सफाई कर्मचारी गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला के बर्फखाना स्थित मकान पर पहुंचे। विधायक के नहीं मिलने के कारण सभी कर्मचारियों ने विधायक निवास का घेराव करते किया।

इस मौके पर कर्मचारियों का समर्थन करने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर पहुंचे। उनके साथ कांग्रेसी नेता अधिवक्ता सूबे सिंह यादव, सुनील प्रकाश, विपिन तनेजा, मनोज आहूजा, रमन वर्मा समेत अनेक कांग्रेस नेता मौजूद रहे। इस मौके पर पंकज डावर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर भड़ास निकाली और कहा कि इस सरकार में कर्मचारियों की कोई भी सुनवाई नहीं है। इस सरकार में किसान व्यापारी मजदूर सभी वर्ग के लोग परेशान हैं। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि आगामी 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनते ही कर्मचारियों की सभी मांगे पूरी की जाएगी।

पंकज डावर ने कहा कि निगम के सभी कर्मचारी अपनी जायज मांग निगम प्रशासन के सामने रख रहे हैं, लेकिन यह सरकार गूंगी और बहरी बनी हुई है। इससे पहले भी कई बार निगम कर्मचारी धरने पर बैठ चुके हैं।

लूम सोलर ने आरईआई एक्सपो 2023 में भारत के सौर समाधानों का सबसे बड़ा संग्रह पेश किया

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

भारत के अग्रणी सौर टेक स्टार्ट-अप, लूम सोलर ने आज आरईआई एक्सपो 2023 में अपने मिशन-जीरो एमिशन अभियान के अंतर्गत इनोवेटिव और भारत के पहले सौर समाधान पेश किए। इनमें डिजाइन एस्थेटिक की जरूरत वाले डीआईवाई प्रोजेक्ट्स और सरकार के लिए कस्टमाइजेबल छोटे सौर पैनल्स के साथ भारत के सर्वाधिक क्षमता के सौर मॉड्यूल शार्क 575-700 W TOPCon बाईफेशियल 16 बस बार, आईओटी बेस्ड एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशन अटलांटा 5kWh-45 kWh, हाई फ्रीक्वेंसी सौर इन्वर्टर फ्यूजन 3kW - 100kW शामिल हैं।

ये सॉल्यूशन आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, कृषि एवं अन्य उपयोगों के लिए उद्योग के सर्वश्रेष्ठ सौर समाधान प्रदान करने के लूम सोलर के उद्देश्य के अनुरूप हैं। लूम सोलर वैश्विक मानकों के अनुरूप ग्रीन पॉवर टेक्नोलॉजी के शोध एवं विकास के लिए निरंतर काम कर रहा है, ताकि तकनीकी रूप से आधुनिक व इनोवेटिव सौर समाधानों की मदद से ग्रिड और डीजल जनरेटर आदि वैकल्पिक बिजली उत्पादन के स्रोतों पर निर्भरता कम हो सके। अपने जीवनकाल में 2,25,000 GW+ यूनिट का उत्पादन करने की कंपनी की मौजूदा स्थापित क्षमता के साथ यह भारत को अपने नेट ज़ीरो लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए लचीलापन प्राप्त करने की ओर एक कदम है। सोलर एडॉप्शन बढ़ाने के लिए लूम सोलर ने अपने मौजूदा मिशन- जीरो उत्सर्जन के अंतर्गत 3 मुख्य ढांचे चुने हैं, पहला तीव्र सौर लोन या सौर सब्सिडी की सुविधा, दूसरा उत्पाद और समाधान के स्तर पर इनोवेशन, और तीसरा वितरण-पहुंच एवं टचप्वाइंट। इस अवसर पर लूम सोलर के हेड मार्केटिंग, निशी चंद्रा ने कहा, भारत आज ऐसे ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशंस का विकास और वितरण कर रहा है, जिनमें कार्बन फुटप्रिंट और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने की क्षमता है।

सेक्टर-10ए में आज से शुरू होगा 15 दिवसीय सहयोग प्रशिक्षण शिविर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट व पतंजलि योग समिति की ओर से गुरुवार से 15 दिवसीय सह योग प्रशिक्षण शिविर लगाया गया जा रहा है। यह शिविर 5 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। प्रशिक्षण के बाद योग प्रशिक्षकों की परीक्षा भी ली जाएगी। शिविर के शुभारंभ अवसर पर कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. डीपी गोयल, पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा के प्रमुख एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी के प्रदेश सह-संयोजक नवीन गोयल मुख्य अतिथि होंगे।

मुख्य योग शिक्षक व सह प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट जिला गुरुग्राम साहब सिंह सोलंकी ने बताया कि सेक्टर-10ए के राव तुलाराम पार्क में यह सह शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में पतंजलि के मुख्य योग शिक्षकों द्वारा योगिक क्रियाओं, एक्यूप्रेशर, पंच कर्म, षट कर्म, ध्यान, मेडिटेशन, यज्ञ विज्ञान, आयुर्वेदिक आदि विषयों का ज्ञान दिया जाएगा। रोजाना सुबह 5:30 बजे से यह शिविर शुरू होगा। शिविर के अंतिम दिन योग प्रशिक्षकों को पतंजलि योग समिति द्वारा योग प्रशिक्षक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। साहब सिंह सोलंकी ने कहा कि सह योग शिक्षक बनने से अनेक फायदे होंगे। स्वस्थ तन स्वस्थ मन के साथ गुस्सा शांत होगा। अच्छी सोच के साथ काम कर सकेंगें। नेगेटिव विचार समाप्त होंगे।

विधायक सिंगला ने चकरपुर व राजेंद्रा पार्क में किया विकास कार्यों का शुभारंभ

चकरपुर गांव में 1.08 करोड़ से बनेगी सड़क राजेंद्रा पार्क में 68 लाख में बनेगी गली

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के चकरपुर व राजेंद्रा पार्क में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने बुधवार को शहर में दो स्थानों पर सडक़ व गली निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। उन्होंने तय समय में यह कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं करने के भी आदेश दिए।

चकरपुर गांव में 1.08 करोड़ रुपये में सड़क का निर्माण कार्य होगा। लोगों को विकास के कार्य में सहयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि किसी भी विकास के काम में आमजन को सहयोग करना चाहिए। सरकार द्वारा आमजन की सुविधाओं के लिए सदा कार्य किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की किसी भी क्षेत्र में कोई कमी नहीं है। शहर के हर कोने में विकास के कार्य जारी हैं। चकरपुर के कार्यक्रम में सरस्वती मंडल के अध्यक्ष अभिषेक गुलाष्टी, राव रणधीर सिंह, जिला सिंह, जयभगवान, महेश यादव (टिन्नी) जेके शर्मा, रामनिवास, अश्वनी, वीर सिंह, दीपक यादव, हरविंदर यादव, प्रवीण यादव, जयपाल नंबरदार, सुनील नंबरदार, मान सिंह यादव, रोहतास यादव, विजय गुप्ता, दीपक शर्मा, पीतांबर शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विधायक सुधीर सिंगला ने बताया कि राजेंद्रा पार्क में एकता वाली गली में 68 लाख में गली बनकर तैयार होगी। जनता की समस्या को देखते हुए इस गली का प्रमुखता से निर्माण कराया जा रहा है।

अंश कुमार बने भारत योग सम्राट व विधि बनी योग सम्राज्ञी

पलवल की जाट धर्मशाला में तीन दिवसीय राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन व महर्षि पतंजलि योग संस्थान पलवल हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल योगासन स्पोर्ट्स कप का आयोजन योगाचार्य गुरुमेश सिंह के सानिध्य में जाट धर्मशाला में हुआ। जिसमें विपुल गोयल पूर्व केबिनेट मंत्री, दीपक मंगला विधायक पलवल, हरेंद्र पाल राणा, रणधीर सिंह मान, सतवीर पटेल, मंच संयोजक पंडित दशरथ रिटायर थानेदार, धीरज भगत समाजसेवी, विजयपाल डीएसपी सिटी पलवल, आयोजन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा ने शिरकत की। प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ योगी का खिताब अंश कुमार को मिला तथा नैतिक उप विजेता बना। इसी प्रकार लड़कियों में कुमारी विधि विजेता, आसाना पाहुजा उपविजेता रही। निर्णायक की भूमिका लक्ष्मण सिंह देशवाल, राजबाला योग कोच, नीरज योग कोच, प्रशांत, मुकेश, वंदना, नवीन, चंद्रपाल माहौर आदि ने निभाई। लड़कों में पांच से आठ आयुवर्ग में अभिनव, ईश्वर, समर, सूर्य प्रकाश विजेता रहे। लड़कियों में कृष्टी, रीना, निष्ठा, खुशबू विजेता रहे। आठ से 12 आयुवर्ग लड़कों में जगत सिंह, मानव, अर्जुन, अंकित, लड़कियों में आरणा आहूजा, उन्नति, अन्वी, ख्वाहिश विजेता रही। 12 से 15 लड़कों में नीरज, हर्ष कुमार, आशीष, वीर प्रताप, लड़कियों में जसप्रीत, राईसा तनेजा, पायल, खुशी विजेता रही। 15 से 18 आयुवर्ग लड़कों में अनिरुद्ध चोपड़ा, प्रशांत, अर्जुन, साहिल, 15 से 18 आयुवर्ग लड़कियों में प्राची, आसाना पाहुजा, संजना, रिया विजेता रहे। 18 से 21 लड़कों में अंश कुमार, वंश कुमार, हिमांशु, अजय, लड़कियों में गुंजन, रिया, तेजेंद्र कौर विजेता रहे। 21 से 24 लड़कों में तुषार, रंधावा, संजाल, गणेश, लड़कियों में दिलप्रीत, संध्या, मनीषा, 24 से 30 लड़कों में विशाल, योगेश, नेम सिंह, प्रवेश, लड़कियों में तान्या, आरुषि, पूजा नारायण, 30 से 40 आयुवर्ग पुरुषों में सोनू, रवि कुमार, महेश कुमार, नवीन, महिलाओं में आराधना, तनु, उर्मी यादव, आकांक्षा 40 से 50 में सुदेश देवी, सीमा सिंह, रश्मि, पुरुष वर्ग में अमित कुमार, संदीप यादव, नितिन कुमार, 50 से 60 पुरुष वर्ग में गुलशन, मदन मोहन आर्य, शेर सिंह, 60 से 70 महिला वर्ग में विमला, संतोष कुमारी, सुशीला, 70 से ऊपर वर्ग पुरुष वर्ग में ईलम चंद, गुलशन और राजेंद्र विजेता रहे। इस अवसर पर विशेष रूप से रणवीर सिंह चौहान, ललित मित्तल, सतवीर शर्मा पतंजलि, शेर सिंह एडवोकेट, गंगाराम आर्य, राजेंद्र सिंह हुड्डा, पंडित धर्मवीर, ललित आर्य, सतीश कौशिक, रवि शास्त्री, जगदीश रावत, मास्टर हेमदत्त होडल आदि मौजूद रहे।

आरडब्ल्यूए ने की सूखा व गीला कचरा अलग करने की पहल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ब्लॉक डी/2 सेक्टर-10 में आरडब्ल्यूए ने नई पहल करते हुए डस्टबिन के दो कूड़ेदान घरों के सामने रखकर फरीदाबाद में नई पहल की शुरुआत की। एक डस्टबिन में सूखा कचरा, दूसरे डस्टबिन में गीला कचरा डालने के लिए ब्लॉक के लोगों को प्रेरित किया। इसकी शुरुआत पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह बीसला ने की। उन्होंने कहा कि इससे पहले लोग अपने घरों का खाने पीने का कचरा एक ही डस्टबिन के डब्बे में डालते थे। जिसकी वजह से कूड़े ले जाने वालों को बड़ी परेशानी होती थी। इन दो डस्टबिन का सुझाव आरडब्ल्यूए के प्रधान जगजीत सिंह नैन ने देते हुए कहा भारत देश में स्वच्छता पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में शुरुआत की है। देश और प्रदेश को साफ सुंदर बनाने की तरफ अच्छा कदम है। फरीदाबाद में ईको ग्रीन एनर्जी को निगम ने ठेका दिया हुआ है, उनकी गाड़ी आती है। उसमे गीला कूड़ा और सूखे कूड़े के लिए अलग अलग केबिन बने हैं। इसको प्रोसेस करने में बहुत आसान हो जाएगा और इससे देश जीरो वेस्ट की तरफ बढ़ेगा। फरीदाबाद में यह पहली शुरुआत है, इसको पूरे देश को अपनाना चाहिए, तभी हमारा देश दोबारा सोने की चिड़िया कहलाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि सूखे व गीले कचरे के लिए अभी 120 लीटर के कुछ डस्टबिन मंगाए गए हैं, जैसे जैसे जरूरत होगी, ब्लॉक के हर घर के लिए उपलब्ध करा दिए जाएंगे। हरियाणा सरकार की पहल है कि हर व्यक्ति को अपने आवास व आवास के बहार गली मोहल्लों व शहरों की स्वच्छता के लिए सामाजिक रूप से अभियान चलाने का संकल्प लेना चाहिए।

बलॉक के महासचिव इंजीनियर अनूप वशिष्ठ एडवोकेट वशिष्ठ ने कहा कि सभी लोगों को मिलकर हर एक दिन एक घंटा सुबह 10 से 11 बजे तक सभी ब्लॉक व वार्डों में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन करना चाहिए। इस मौके पर उपाध्यक्ष आरपी नागर, उपाध्यक्ष रशमी महाजन, सुभाष चौहान, कर्ण नैन, अनिल चौहान, सीमा वशिष्ठ, सुरेंद्र कुमार, किशन सिंह, देशराज आदि मौजूद थे।

विवाहिता को जहर देकर मारा पति सहित चार नामजद

दहेज में कार और पांच लाख मांग रहे थे ससुराली

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दहेज में कार और पांच लाख नकद न मिलने पर ससुरालियों ने बहू को जहर देकर मार दिया। गदपुरी थाना पुलिस ने मृतका के भाई की शिकायत पर पति सहित चार के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गदपुरी थाना प्रभारी राजबीर के अनुसार, नंगला एन्क्लेव पार्ट-1 फरीदाबाद निवासी रवि ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी छोटी बहन मानसी का विवाह 29 जून 2020 को पृथला गांव निवासी मोनू के साथ हुआ था। शादी के बाद से ससुराल वाले उसकी बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। 25 जुलाई 2021 को दहेज की मांग को लेकर पति मोनू, सास शांति, ससुर किरण पाल व ननद सोनू ने बहन के साथ मारपीट की।

उसे जबरन जहर देकर मारने की कोशिश की। हालांकि इस दौरान जब बहन बच गई तो कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके चलते उसकी बहन ने घर बसाने की नीयत से कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की। उसके बाद भी आरोपी अपनी आदतों से बाज नहीं आए। दहेज में कार और पांच लाख रुपए की मांग को लेकर उसकी बहन को परेशान करने लगे।

पीड़ित का आरोप है कि उनके पास मानवता अस्पताल से डॉक्टर का फोन आया कि तुम्हारी बहन मानसी की मौत हो चुकी है। सूचना मिलते ही पीड़ित परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचा तो मानसी का पूरा शरीर नीला पड़ चुका था। पीड़ित का कहना है कि उसने अस्पताल से ही पुलिस को फोन कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर भाई के बयान पर 174 की कार्रवाई की।

बीके अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मानसी का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के बोर्ड द्वारा कराया। बिसरा प्राप्त कर जांच के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में रवि की शिकायत पर मानसी के पति मोनू, सास शांति, ससुर किरण पाल और ननद सोनू के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

उधार के पैसे मांगने पर दुकानदार पर हमला

शिकायत पर 10 के खिलाफ केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

उधार के पैसे मांगने पर युवकों ने दुकानदार पर हमला कर दिया।चांदहट थाना पुलिस ने पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर पांच नामजद सहित 10 के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर है।

चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद भड़ाना के अनुसार, कुलैना गांव निवासी नरेश ने दी शिकायत में कहा है कि उसने कार धुलाई सेंटर व स्टेयरिंग की दुकान खोली हुई है। आरोप है कि उसके नरियाला गांव निवासी चिंटू पर स्टेयरिंग के 12 हजार 700 रुपए बकाया थे। जिसका वह बार-बार उससे तगादा करता तो वह टालमटोल कर जाता था।

पीड़ित 29 सितंबर को जब घर से दुकान की तरफ जा रहा था, तभी रास्ते में कुलैना गांव निवासी बिशन, विनोद, सचिन व नरियाला गांव निवासी चिंटू, पनहैड़ा गांव निवासी सोनू, मोहना गांव निवासी लाला व शेखपुर गांव निवासी सोनू की बुआ का लड़का खड़े मिले। आरोप है कि उन्होंने उसे रोक लिया और कहा कि तेरा हमारे पास कोई पैसा नहीं है। यदि अब भी है तो सुबह नौ बजे हिसाब चुकता कर देंगे।

जिसके बाद वह 30 सितंबर को दुकान पर बैठा हुआ था। उसी समय उसके पास कुलैना गांव निवासी उमेश आया और कहने लगा कि अमरपुर बस स्टैंड पर जूस पीकर आते हैं, लेकिन उन्होंने हमला कर दिया।

महाविद्यालय में मनाया गया अहिंसा दिवस

पलवल। बुधवार को सरस्वती महिला महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक फिल्म दिखाई गयी। जिसका शीर्षक गांधी और गोडसे था। इस फिल्म को दिखाने का उदेश्य छात्राओं को गांधी जी की अहिंसावादी विचारधारा से अवगत कराना तथा उस विचारधारा को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वंदना त्यागी प्राचार्या की देखरेख में किया गया। उन्होंने छात्राओं से महात्मा गांधी के संदेश पर ध्यान देते हुए पूरी मानवता के लिए एक बेहतर व ज्यादा शांतिपूर्ण भविष्य बनाने के काम पर लग जाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के अंत में डॉ. शुचि दीवान, विभागाध्यक्षा पीजी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस न केवल महात्मा गांधी के जन्म का जश्न मनाने के लिए है, बल्कि उनके द्वारा अपनाए गए शाश्वत सिद्धान्तों का जश्न मनाने के लिए भी है। ऐसे सिद्धांत जिसमें निष्पक्षता, दूसरों के लिए सम्मान और अहिंसा शामिल हो। इस अवसर पर पारूल जैन, सुमन मोर, अदिति व निर्मल मौजूद रहे।

डीजी सेट चलाने पर प्रदूषण बोर्ड की टीम ने चेतावनी देकर छोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

औद्योगिक नगरी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू होने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान ग्रैप के नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं इसकी जांच की गई। हालांकि जांच के दौरान कहीं कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इस दौरान टीम ने उद्यमियों के साथ बैठक कर उन्हें नियमों का पालन करने के आदेश दिए। कुछ जगहों डीजी सेट चलने पर बंद कराया और ठेकेदार को दूसरा इंतजाम करने को कहा। वहीं निर्माण कार्य होते मिलने पर ठेकेदार को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

जिले में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की तरफ से आपातकालीन सेवाओं को छोड़ कर किसी को भी ग्रैप में छूट नहीं दी गई है। ग्रैप के दौरान डीजी सेट चलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। जांच के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम डीएलएफ और आईएमटी औद्योगिक क्षेत्र पहुंची। इस दौरान टीम ने डीजी सेट के इस्तेमाल की जांच की। हालांकि बिजली कट काफी कम लगने से उद्यमियों ने राहत की सांस ली। कुछ जगह कुछ जगह निर्माण कार्य होते मिले। उन्होंने टीम ने तुरंत बंद करवा दिया और ठेकेदार को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की क्षेत्रीय अधिकारी आकाश तंवर ने कहा कि ग्रैप को लेकर सभी टीम अलग-अलग इलाकों में जांच कर रही है। पहले दिन लोगों को केवल चेतावनी देकर छोड़ा गया है।

भारती चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। भारती चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नंगला एनक्लेव पार्ट टू स्थित पंचशील पब्लिक स्कूल में एक रक्तदान शिविर, नेत्र जांच शिविर व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर संतो के गुरुद्वारे, नेत्र जांच शिविर केवल प्रेम आंखों के अस्पताल द्वारा तथा स्वास्थ्य जांच शिविर पवन अस्पताल द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारती चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान डा. धर्मेंद्र नांदल ने बताया कि आज ट्रस्ट के पांच वर्ष पूर्ण हुए है तथा ट्रस्ट के सदस्य मामचंद प्रधान के जन्मदिवस पर जरूरतमंदों को सामग्री वितरित की गई है। इस अवसर पर शिविर का शुभारंभ भाजपा जिला महामंत्री डॉ. आरएन सिंह, पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौजूद थे।

बीजेपी को झटका, दर्जनभर युवा नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल ने रसूलपुर मार्ग स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर बुधवार को दर्जनभर बीजेपी के युवा नेताओं को कांग्रेस की पटका पहनाकर कांग्रेस में शामिल कराया। जिनमें अक्षय कौशिक, नवनीत, चिराग, अनिल शर्मा, पवन कुमार, रविंद्र, हर्ष, उदयभान, आयुष्मान, अन्नू शर्मा आदि शामिल थे। इस अवसर पर एसके शर्मा, राजेश्वर गर्ग, प्रेरणा कालड़ा आदि भी मौजूद थे।

करण दलाल ने कहा कि चुनाव के नजदीक आते ही बीजेपी से नेताओं का भागना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की जनविरोधी नितियों के कारण आज हर रोज दर्जनों लोग बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में आ रहे है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जो चुनावी वायदे किए थे, वे पूरी नहीं किए हैं। इस अवसर पर बीजेपी छोड कर कांग्रेस में आने वाले नेताओं का जोरदार ढंग से स्वागत और अभिनंदन किया। उहोंने कहा कि सता में आने पर इन नेताओं का विशेष ध्यान ररखा जाएगा। कांग्रेस सरकार आने पर बेरोजगार को रोजगार दिया जाएगा।

निगम के तीनों जोन में दो-दो ट्रैक्टर-टैंकर पानी छिड़काव के लिए दिए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम ने तीनों जोनों में दो-दो ट्रैक्टर-टैंकर पानी छिड़काव करने के लिए दिए गए हैं। वहीं, बड़ी एंटी स्मांग गन में कुछ कमियां आने पर उसे ठीक कराया जा रहा है। निगम ने पिछले साल पानी छिड़काव पर 40 लाख खर्च किया था।

नगर निगम के पास पांच छोटी और दो बड़ी एंटी स्मॉग गन है। बड़ी एंटी स्मॉग में गड़बड़ी होने से पानी का छिड़काव नहीं हो पा रहा है। इसे निगम ने कंपनी को ठीक करने को कहा है। दूसरी ओर एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और बल्लभगढ़ जोन में दो-दो ट्रैक्टर-टैंकर पानी के छिड़काव के लिए दिए हैं। इनके माध्यम से टूटी सड़कों के अलावा अन्य सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। पिछले साल नगर निगम ने टैंकरों पर करीब 40 लाख रुपये खर्च किया था।

निगम ने इस साल पानी छिड़काव के लिए ठेके पर टैंकर नहीं लिया है। निगम अपने ससांधनों को प्रयोग करने पर जोर दे रहा है। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता नितिन कादियान ने बताया कि प्रदूषण को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए एंटी स्मॉग गन के साथ टैंकर से सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाएगा।

धर्म पब्लिक स्कूल में गुरुवंदन एवं छात्र अभिनंदन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

भारत विकास परिषद शाखा पलवल के तत्वावधान में आयोजित भारत को जानो जिला स्तरीय प्रतियोगिता में धर्म पब्लिक स्कूल, पलवल के विद्यार्थियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन को देखते हुए गैर सरकारी संगठन भारत विकास परिषद की पलवल शाखा के अध्यक्ष एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया।

इस समारोह में विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों नौवीं कक्षा से कीर्ति एवं मनोज सैनी, दसवीं कक्षा से विदिशा जैन एवं स्पर्श, ग्यारहवीं कक्षा से हिमांशु, लक्षिता धींगरा एवं प्रशांत, बारहवीं कक्षा से भूमिका भाटी एवं कृश गुप्ता को मंच पर भारत विकास परिषद की टीम द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

टिपर चंद शर्मा ने विकास कार्यों का अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों की एक और कड़ी में जल्द ही प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा बल्लभगढ़ के ऊंचा गांव और आर्य नगर के लोगों को विकास कार्यों की सौगात देने जा रहे हैं। जिसके लिए बल्लभगढ़ के नगर निगम के कार्यकारी अभियंता ओपी कर्दम के साथ परिवहन मंत्री के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा, पूर्व पार्षद दयाचंद यादव और निगरानी कमेटी के पूर्व चेयरमैन महावीर सैनी सहित गणमान्य लोगों ने आर्य नगर और ऊंचा गांव का गली-गली जाकर निरीक्षण किया।

भाजपा-जजपा की कर्मचारी विरोधी नीतियों के लिए सभाओं का होगा आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

नगर निगम कर्मचारियों की कर्मचारी यूनियन कार्यालय बीके चौक पर हुई बैठक में निर्णय लिया गया है कि मुख्य बाजारों, कॉलोनियों और सेक्टरों में भाजपा व जजपा की कर्मचारी विरोधी नीतियों की पोल खोलने के लिए सभाओं का आयोजन होगा। इसके साथ रोहतक रैली में कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे।

बैठक में नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने दावा किया हैं कि रोहतक में कर्मचारियों की होने वाली आक्रोश रैली में सफाई, सीवर कर्मचारियों सहित सभी अग्निशमन, ग्रुप सी व डी के सभी पक्के, कच्चे कर्मचारी लेंगे भाग।

शास्त्री ने चेतावनी दी कि यदि 14 अक्टूबर तक कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो रैली के मंच से संघ करेगा निर्णायक आंदोलन की घोषणा। इस मौके पर जिला प्रधान दिलीप सिंह बोहत, अनिल चंडालिया, अनूप, कमला, करतार सिंह, युद्ध वीर खत्री व बलबीर सिंह आदि नेता भी उपस्थित रहे।

25 दिनों में पुल के एक तरफ का काम पूरा करने का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

नीलम रेलवे ओवरब्रिज का मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। आरओबी के एक तरफ के काम को 22 से 25 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन बारिश हो जाती है तो इसमें देरी भी हो सकती है। इसलिए एनआईटी क्षेत्र में रहने वाले वाहन चालकों की परेशानी भी कुछ दिन और बढ़ सकती है।

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता रमेश बागड़ी ने बताया कि पुल की मरम्मत करने वाले ठेकेदार को कहा गया है कि इसे दीपावली से पहले पूरा करें। त्योहारी सीजन में एनआईटी क्षेत्र में भीड़ और ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहता है। नीलम आरओबी शहर के बीचोंबीच स्थित सबसे महत्वपूर्ण रेलवे ओवरब्रिज में से एक है। इसका इस्तेमाल एनआईटी के लोग राष्ट्रीय राज्य मार्ग की तरफ जाने के लिए करते हैं। वहीं, ग्रेटर फरीदाबाद के लोग इसे गुड़गांव जाने के लिए प्रयोग करते हैं। एफएमडीए की ओर से आरओबी के ऊपर दोनों तरफ सड़क बनाने का काम 44-50 दिनों में पूरा करना होगा। दोनों तरफ की सड़क को तैयार करने के लिए दिन निर्धारित कर दिया गया है। वहीं, नीलम आरओबी के निचले हिस्से में खंभों की जैकेटिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है। पुल के नीचे करीब 300 खंभे हैं।

नीलम आरओबी को 44 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अगर बारिश आती है, तो इसकी अवधी बढ़ सकती है।

-रमेश बागड़ी, मुख्य अभियंता, एफएमडीए

सही करियर विकल्प चुनना सफलता की पहली सीढ़ी : राजन गौतम

डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 49 में शैक्षणिक मेले का आयोजन

फरीदाबाद के 10 स्कूलों के नौवीं से बारहवीं के लगभग 1200 छात्रों ने लिया भाग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उच्च शिक्षा के लिए सही संस्थान और करियर विकल्प चुनना छात्रों के लिए बड़ी चुनौती है और सही करियर विकल्प का चुनाव ही सफलता कि पहली सीढ़ी है। इसे ध्यान में रखकर डीएवी स्कूल में शैक्षणिक मेले का आयोजन किया गया है। ऐसे आयोजन से छात्रों में अपने करियर के प्रति जागरूकता बढ़ती है और सही निर्णय ले पाते हैं। यह बात स्कूल के प्रधानाचार्य राजन गौतम ने कार्यक्रम के शुरुआत में छात्रों को संबोधित करते हुए कही।

डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-49, फरीदाबाद के सभागार में एडफेयर-2023 का आयोजन किया गया। यूफोरिया करियर गाइडेंस और माई यूनिवर्सिटी ने कक्षा नवीं से बारहवीं के छात्रों के लिए इस शैक्षिक मेले का आयोजन किया। इसका उद्देश्य उन्हें व्यापक और विविध उच्च शैक्षिक अधिगम के अवसरों के साथ इंटरफेस करने का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम संयोजक विपिन बिहारी ने बताया कि स्कूल में शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि पेट्रोलियम और ऊर्जा विज्ञान विश्वविद्यालय, पर्ल अकादमी, बेनेट विश्वविद्यालय, अशोका विश्वविद्यालय, एनआईआईटी विश्वविद्यालय, एपीजे सत्या, आईआई एल एम, केआर मंगलम, यूआईडी, गीतम, एमिटी यूनिवर्सिटी, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, मोदी विश्वविद्यालय, चितकारा विश्वविद्यालय, मणिपाल विश्वविद्यालय और कई अन्य विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्रों को करियर चुनने की विभिन्न संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित और प्रमाणित करियर कोच रूही ढींगरा ने छात्रों को अपने करियर के बारे में सही निर्णय लेने और विश्वविद्यालयों का चयन करने के टिप्स सांझा किए। साथ ही आयोजन में इस बात पर एक पैनल चर्चा शामिल थी कि छात्र अपने पसंदीदा करियर विकल्प और सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों में कैसे प्रवेश कर सकते हैं। इस मेले में फरीदाबाद के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी के मामले में एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 प्रभारी जोगिन्द्र सिंह की टीम ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम कृष्ण उर्फ भोला है। आरोपी पलवल के गांव बढराम का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने सूचना से आरोपी को बल्लभगढ़ के बस स्ट्रैंड के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने अन्य साथियो के साथ मिलकर फरीदाबाद के सेक्टर-8 में रहने वाले एक रिटायमेंट एयर फोर्स कर्मचारी से धोखाधडी कर एटीएम कार्ड बदलकर करीब 1.60 लाख हजार रूपये निकालकर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया। जिसका मुकदमा थाना सेक्टर-8 में दर्ज है। आरोपी पर पहले भी एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने के मामले दर्ज है।

नीतीश का सर्वेक्षण

जातीय राजनीति

नीतीश कुमार के जातीय सर्वेक्षण ने 2024 चुनाव के ठीक पहले जातीय राजनीति को हवा दे दी है। भारतीय संदर्भ में जातीय राजनीति का नया आयाम जोड़ते हुए नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने गांधी जयंती को जाति सर्वेक्षण के नतीजे जारी कर दिए। जातीय सर्वेक्षण के कदम ने एक विवाद को जन्म दिया था क्योंकि केन्द्र सरकार ने इसके पहले राष्ट्रव्यापी जातीय जनगणना कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। नेतृत्व करते हुए बिहार ने इतिहास बनाया है और वह 1931 के बाद जातीय सर्वेक्षण के नतीजे प्रकाशित करने वाला पहला राज्य बन गया है। जातीय राजनीति लंबे समय से भारतीय समाज में प्रमुख शक्ति रही है और वह राजनीतिक परिदृश्य व राजनीति को दिशा देती रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि बिहार की कुल 13.1 करोड़ जनसंख्या में 36 प्रतिशत अति पिछड़े वर्ग, 27.1 प्रतिशत पिछड़े वर्ग, 19.7 प्रतिशत अनुसूचित जातियों तथा 1.7 प्रतिशत अनुसूचित जनजातियों से हैं, जबकि सामान्य जनसंख्या 15.5 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि यादव समुदाय ओबीसी में 14.27 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा उप-समूह है। इस सूचना से राजनीतिक बहस तेज होने की आशा है तथा ओबीसी आरक्षण वर्तमान 27 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की मांग हो सकती है। बिहार जाति सर्वेक्षण एक समग्र कार्रवाई है जिसका उद्देश्य जातीय जुड़ावों के साथ जनसंख्या के सामाजिक-आर्थिक स्वरूप व जनसंख्या संरचना का दस्तावेजीकरण है। आंकड़े जारी करने से गहन बहस व विश्लेषण होगा। बिहार की जनसंख्या में ओबीसी का बड़ा हिस्सा है और उसने दशकों से राज्य की राजनीति में केन्द्रीय भूमिका निभाई है।

जाति आंकड़े जारी करने से प्रतिनिधित्व तथा राजनीतिक सशक्तीकरण के मुद्दे भी सामने आए हैं। विभिन्न ओबीसी समूहों की संख्या की स्पष्ट समझ के साथ राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग भी हो रही है।

अब राजनीतिक पार्टियों पर ज्यादा ओबीसी उम्मीदवार खड़े करने तथा उनके हितों को प्राथमिकता देने का दबाव है। जाति आंकड़ों में बिहार की गठबंधन राजनीति में बदलाव की क्षमता है। इससे विभिन्न जातीय समूहों की तुलनात्मक शक्ति की समझ के साथ गठबंधनों का निर्माण तथा पार्टियों के बीच टिकटों का वितरण प्रभावित हो सकता है। इन आंकड़ों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकारी नीतियां व योजनायें बनाने में यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि वे विभिन्न ओबीसी समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करें। इससे ज्यादा लक्षित समाज कल्याण कार्यक्रम और पहलें सामने आ सकती हैं। लेकिन जाति आंकड़ों के जारी होने से ओबीसी श्रेणी के भीतर और बाहर 'पहचान की राजनीति' और तेज हो सकती है। विभिन्न समुदाय पहचान व आरक्षण लाभों की ओर आगे बढ़ सकते हैं जिससे टकराव पैदा हो सकता है। नीति निर्माताओं के लिए ऐसे में सकारात्मक कार्रवाई तथा सामाजिक एकजुटता के बीच संतुलन बनाना चुनौती हो सकता है। आंकड़ों में राजनीतिक रणनीतियां बदलने, नीतियों को प्रभावित करने तथा विभिन्न जातीय समूहों के बीच सत्ता गत्यात्मकता बदलने की क्षमता है। लेकिन जरूरी है कि इस सूचना का संवेदनशीलता से प्रयोग किया जाए तथा समावेशी विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाए ताकि बिहार की जनसंख्या के विभिन्न हिस्से जातीय जनसंख्या संरचना की इस जानकारी से पैदा जागरूकता का लाभ उठा सकें। सामाजिक एकजुटता सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न समुदायों के हितों में संतुलन बनाए रखना आने वाले वर्षों में जातीय राजनीति की जटिल पृष्ठभूमि निर्धारित करेगा।

महिला सशक्तीकरण के सिद्धान्त

सर्वोच्च स्तर समेत हमें सभी स्तरों पर महिलाओं की आवश्यकता है ताकि महिलाओं के स्वर सुने जाएं तथा उनकी अनदेखी न की जाए।

संग्राम मिश्रा
(लेखक, वरिष्ठ आईएएस हैं)

लोकसभा ने प्रचंड बहुमत से तथा उसके बाद राज्यसभा ने सर्व सम्मति से संविधान संशोधन विधेयक पास कर 'नारी शक्ति वंदन अभियान' को स्वीकार कर लिया जिसका उद्देश्य लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटों महिलाओं को देना है। यह संविधान का 128वां संशोधन विधेयक है। यह आरक्षण पहले परिसीमन के बाद 2026 में लागू होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि महिला आरक्षण विधेयक महिला सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह समावेशी व समग्र विकास वृद्धि के मार्ग पर बहुत सकारात्मक कदम है। यदि महिलाओं की जनसंख्या का 90 प्रतिशत अनदेखा या प्रतिबंधित रहे तो समग्र विकास संभव नहीं है।

रोज़ा लक्ज़ेमबर्ग ने कहा था, 'महिलाओं की स्वतंत्रता सामाजिक स्वतंत्रता का संकेत है। यह भी कहा जा सकता है कि महिलाओं की स्वतंत्रता व सशक्तीकरण देश की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व बौद्धिक प्रगति का प्रतीक है।' अमर्त्य सेन ने भी रेखांकित किया है कि महिलाओं का सशक्तीकरण इच्छित भविष्य का निर्माण है। किसी देश की समावेशी प्रगति के लिए महिलाओं और गरीबी से पीड़ित लोगों की मुक्ति जरूरी है। यह सकारात्मक विकास की दिशा में एक कदम है। महिला सशक्तीकरण को ऐसी प्रक्रिया कहा जा सकता है जिसके माध्यम से महिलायें शक्ति प्राप्त कर अपने जीवन का स्वयं नियंत्रण कर सकती हैं तथा उनमें रणनीतिक पसंद तय करने की क्षमता पैदा होती है।

संक्षेप में, सशक्तीकरण का अर्थ महिलाओं द्वारा अपने व्यक्तिगत विकास की जिम्मेदारी संभालना है। इसका लक्ष्य महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति की भावना पैदा करना है और इसके लिए महिलाओं व लड़कियों के लिए हर प्रकार के भेदभाव की समाप्ति जरूरी है। इस सशक्तीकरण को पांच मुख्य हिस्सों-सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक व मनोवैज्ञानिक में बांटा जा सकता है। सशक्तीकरण के पांच स्तंभों का आधार शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, वित्त एवं भावनायें हैं।

महिला सशक्तीकरण के लिए उठाए जाने वाले कदमों में स्पष्टता व समर्थन शामिल हैं। स्पष्टता का अर्थ लक्ष्य व बाधायें स्पष्ट करना तथा समर्थन का अर्थ ऐसे संसाधन उपलब्ध कर सहायता देना है जिससे वे सफल हो सकें तथा ऐसी बाधायें दूर कर सकें जो उनकी प्रगति में बाधक हों। सशक्तीकरण के चार चरण-आत्म-जागरूकता, आत्म-स्वीकृति, आत्मविश्वास तथा आत्म-अभिव्यक्ति है। सशक्तीकरण की चार विधियों में संप्रेषण, आलोचनात्मक सोच, सहयोग व रचनात्मकता हैं। भाषाविज्ञान के अनुसार सशक्तीकरण का अर्थ किसी व्यक्ति या समूह को राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक शक्ति देना है। सशक्तीकरण का अर्थ किसी व्यक्ति या समूह के भीतर यह विश्वास पैदा करना है कि वह निर्धारित लक्ष्य पूरे कर सकता है।

कोफी अन्नान ने कहा था कि विकास के लिए सर्वाधिक प्रभावी मार्ग महिलाओं का सशक्तीकरण होना है। कहा जाता है कि महिलाओं का सशक्तीकरण मानवाधिकारों के प्रति सम्मान से जुड़ा होता है। सरकार ने अतीत में महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके हित में अनेक कानून बनाए हैं। इनमें हिंदू एडाप्शन एंड मेंटेनेंस एक्ट 1956, मातृत्व लाभ कानून 1961, बाल विवाह निषेध कानून 2006, घरेलू हिंसा कानून 2005 तथा कार्यस्थलों पर महिला यौन उत्पीड़न कानून 2013, आदि शामिल हैं। समय की आवश्कता है कि समाज में महिलाओं के दर्जे की पुन: पहचान हो तथा सामाजिक-आर्थिक व राजनीतिक सत्ता से महिला पृथक्करण प्रक्रिया को समाप्त किया जाए। महिलाओं के समक्ष आने वाली अनेक चुनौतियां पुरुषवादी सत्ता के वर्चस्व, भेदभाव व शोषण बना रहना, शिक्षा की कमी, गरीबी का बने रहना, स्वास्थ्य और सुरक्षा, जेंडर भेदभाव तथा बाल उत्पीडुन तथा महिला-विरोधी अपराध, जैसे हत्या, बलात्कार, दहेज हत्या, आदि हैं।

इसके साथ ही महिलाओं का अवैध व्यापार तथा घरेलू हिंसा भी उनके समक्ष उपस्थित प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं। वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण कार्य जीवन के सभी क्षेत्रों में दृष्टिकोण व सशक्तीकरण के प्रति पैराडाइम परिवर्तन है। महात्मा गांधी ने लिखा था, 'पालना झुलाने वाले हाथ दुनिया पर शासन करते हैं।'

शिक्षा और बिजनेस में महिलाओं का सशक्तीकरण बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए उनको नेतृत्व करने में सहायता तथा आर्थिक स्वतंत्रता सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कामगार महिलाओं से संबंधित अन्य मुद्दों में जेंडर पूर्वाग्रह, तकनीकी प्रगति तथा यौन उत्पीड़न शामिल हैं महिलाओं को देश में निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करने के लिए इनको दूर करना बहुत जरूरी है। सदियों पुराने भेदभाव तथा शोषण से बाहर निकाल कर महिलाओं के सशक्तीकरण की शुरुआत वास्तव में उनके आर्थिक सशक्तीकरण से होनी चाहिए। मैक्रो व माइक्रो आर्थिक व सामाजिक नीतियां बनाते समय महिलाओं के दृष्टिकोण को संस्थाबद्ध कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। महिला सशक्तीकरण जनसंख्या नियंत्रण में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। निरक्षरता, गरीबी और पितृसत्ता के वर्चस्व के कारण परिवार तथा समाज में हर जगह उनका दर्जा गिरा है।

जल्दी विवाह, बार-बार बच्चे होना तथा गरीबी से निकलने के लिए काम करना, परिवार में कोई महत्व न मिलना, पितृसत्ता, यौन-वस्तु वाली भूमिका, लड़के की इच्छा, आदि उनके समक्ष प्रमुख बाधायें हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान महिला सशक्तीकरण से मिल सकता है। भारत में विभिन्न आंदोलनों ने देश में महिलाओं की स्थिति सुधारने को अपना लक्ष्य बनाया है। इन आंदोलनों ने सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है। इनमें समान कार्य के लिए समान वेतन, काम की स्वीकार्यता, कार्यस्थलों में यौन उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा, आदि शामिल हैं। इन नारीवादी आंदोलनों की उपलब्धियां असाधारण हैं और उनकी प्रासांगिकता लगातार बनी हुई है। लेकिन समाज में व्याप्त कुछ विभाजक रेखाओं की पहचान जरूरी हो गई है। कहा जाता है कि ये आंदोलन समाज में व्याप्त विशेषाधिकारों और सत्ता राजनीति से प्रभावित होते हुए भी इनका मुकाबला करते हैं।

कुछ लोगों का आरोप है कि इन नारीवादी आंदोलनों पर शहरी, अंग्रेजी बोलने वाली, मध्यवर्गीय-उच्च वर्गीय व उच्च-जातीय महिलाओं ने कब्जा कर लिया है। कुछ लोगों के विचार से इन आंदोलनों के लाभ गरीबों व नीची समझी जाने वाली जातियों की महिलाओं तक नहीं पहुंचे हैं। इस विरोधाभासी स्थिति के कारण जाति-आधारित नारीवादी संगठन और आंदोलन भी उभरे हैं। राजनीतिक जागरूकता की कमी, अज्ञान, भारतीय समाज की पितृसत्तावादी सोच तथा राजनीतिक प्रभावशीलता का कम स्तर भी गरीब व ग्रामीण महिलाओं की प्रगति में बाधक हैं। यहां तक कि सरकार द्वारा लागू दहेज निषेध कानून, बाल विवाह निषेध कानून, विशेष विवाह कानून, घरेलू हिंसा कानून आदि तथा विभिन्न उपायों का लाभ गरीब महिलाओं की जीवनशैली प्रभावित करने तक नहीं पहुंचा है।

शिक्षा, कौशल विकास, तथा समावेश-उन्मुख कल्याण योजनओं से सशक्तीकरण प्रयासों को बढ़ावा देकर समाज में निचले स्तर पर रहने वाली महिलाओं का सशक्तीकरण किया जाना चाहिए। शीरिल स्टैडबर्ग की राय थी, 'हमें सर्वोच्च स्तर समेत सभी स्तरों पर महिलाओं की आवश्यकता है। इससे गतिशीलता बदलेगी, संवाद में परिवर्तन आएगा तथा यह सुनिश्चित होगा कि महिलाओं की बात सुनी जाए तथा उनको अनदेखा न किया जाए।' जवाहरलाल नेहरू ने भी कहा था कि 'भारत को लोगों को जगाना है और इसके लिए महिलाओं को अवश्य जगाना चाहिए।

जब महिलायें आगे बढ़ती हैं तो परिवार आगे बढ़ता है, गांव आगे बढ़ता है और देश आगे बढ़ता है।' हमें केवल सशक्तीकरण से आगे बढ़ते हुए सामाजिक रूप से समग्र प्रगति का लक्ष्य बनाना चाहिए ताकि महिलाओं का सशक्तीकरण हमेशा के लिए सामाजिक इंजीनियरिंग अपने हाथ में ले सके।

श्राद्ध सिर्फ अनुष्ठान मात्र नहीं!

'श्राद्ध' वैदिक संस्कृति का हिस्सा हैं और पूर्वजों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूर्ण करते हैं।

योगी अश्विनी
(लेखक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं)

आत्मा एक भौतिक शरीर में अवतरित होती है जो विभिन्न क्रमपरिवर्तन और संयोजनों में पांच तत्वों से बना होता है, जो एक जीवनकाल में किए गए कर्मों के प्रकार के आधार पर जन्म-जन्मांतर में पुनर्जन्म लेता है। कुछ आत्माएं पुनर्जन्म नहीं लेतीं, क्योंकि या तो उनका पृथ्वी लोक का कर्म चक्र समाप्त हो चुका है या वे अस्तित्व के एक अलग आयाम में फंस गई हैं और मानव शरीर में प्रकट होने में असमर्थ हैं, क्योंकि उनका कर्म संतुलन पर्याप्त नहीं हैके उन्हें मानव जन्म का अधिकार मिले। ये आत्माएं या तो ऊर्जा के रूप में लटकी रहती हैं और भूत-प्रेत कहलाती हैं या वे अस्तित्व के एक अलग आयाम में चली जाती हैं जिसे पितृ लोक या पूर्वजों का लोक कहा जाता है।

वे अस्तित्व के किसी भी आयाम या स्तर पर हों, जब तक कि वे जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त नहीं हो जाते, उन्हें अपने कर्म संतुलन को संतुलित करने के लिए अपनी संतानों से ऊर्जा की आवश्यकता होती है ताकि वे फिर से पुनर्जन्म ले सकें।

'श्राद्ध' हिंदू/वैदिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन पूर्वजों की जरूरतों को पूरा करते हैं। इन दिनों नक्षत्र ऐसे होते हैं कि दूसरे आयामों के द्वार खुल जाते हैं और उन्हें अपने प्रियजनों से मिलने के लिए पृथ्वी पर आने की अनुमति मिलती है। ये पूर्वज अपने नाम पर अच्छे कर्म करने और विशिष्ट मंत्रों का जाप करने के लिए अपने बच्चों और पोते-पोतियों पर निर्भर रहते हैं, ये दोनों कार्य आत्माओं को इन अवांछित योनियों या अस्तित्व के स्तरों के बंधन से मुक्त करते हैं। यह परिवार के सदस्यों का मूल कर्तव्य है कि वे कुछ संस्कार करें और अपने करीबी लोगों के

नाम पर दान और अभिभावक करें, निर्भर हैं (यदि आपके कर्म अनुमति नहीं क्योंकि केवल एक बार जब आप मानव शरीर में आ जाते हैं तो आप यह सब कर सकते हैं, एक बार बाहर निकलते ही - सब कुछ खो जाता है और आप अपने उद्धार और पुनर्जन्म के लिए दूसरों पर देते हैं)। वर्तमान समय में, देश के युवाओं को वैदिक विज्ञान की शक्ति और प्रभावकारिता और वैदिक %मंत्रों% और अनुष्ठानों के अभूतपूर्व ज्ञान के बारे में कोई जानकारी नहीं है, इसके लिए वर्तमान शिक्षा प्रणाली को दोषी ठहराया जाना चाहिए क्योंकि यह पूरी तरह से आधारित है। औपनिवेशिक शासकों ने हमारे लिए जो चुना, वे वेदों की शक्ति से डरते थे और इसलिए गुरुकुल प्रणाली को नष्ट कर दिया और यह सुनिश्चित किया कि हमें अनावश्यक विज्ञान पढ़ाया जाए और इतिहास में उनके लाभ के लिए लक्षित बदलाव किया जाए, उद्देश्य यह था कि आने वाली पीढ़ियां वेदों पर विश्वास खो दें संस्कृति और औपनिवेशिक आकाओं का आंख बंद करके अनुसरण करना। जो परिणाम वे चाहते थे वह आज दिख रहा है।

युवा पीढ़ी जो अब सोच रही होगी कि इस लेख से हिंदुत्व की बू आती है और यह कल्पना पर आधारित एक परी कथा है, मैं इतिहास के कुछ तथ्यों की ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा। प्राचीन दुनिया में, लगभग 4,000 साल पहले पनपने वाली मुख्य संस्कृतियां मिस्रवासी, मेसोपोटामिया, रोमन, माया आदि थीं और निश्चित रूप से हमारी अपनी संस्कृति थी। हिंदू धर्म और वैदिक विचार को छोड़कर वर्तमान समय का कोई भी धर्म या विचारधारा मौजूद नहीं थी। प्रचलित सभी संस्कृतियां दूसरी दुनिया और आत्मा के अन्य आयामों की यात्रा पर विश्वास करती हैं।

वैज्ञानिक आज यह स्वीकार करते हैं कि हमारे पूर्वजों को गणित, खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिकी का गहरा ज्ञान था। पिरामिड उत्तर-दक्षिण दिशा में संरेखित हैं और उनमें लगे शाफ्ट ओरियन बेल्ट के तीन मुख्य तारों की ओर इशारा कर रहे हैं, जिनके बारे में आज के वैज्ञानिकों का कहना है कि वे तारों का जन्मस्थान और मानव उत्पत्ति हो सकते हैं।

यह बात ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हिंदू संस्कृति एकमात्र ऐसी संस्कृति है जो अन्य सभी संस्कृतियों से पहले की है और अभी भी यह सबसे अधिक प्रचलित धर्म है, इसके मंत्र और प्रथाएं अनाड़ी नहीं हैं, बल्कि वे वर्तमान मनुष्यों के लिए एक अत्यधिक उन्नत सभ्यता का उपहार हैं। इसीलिए यह आज तक बचा हुआ है।

आप की बात

बदहाल पाकिस्तान

पाकिस्तान शुरू से ही विश्व की महाशक्तियों का मोहरा बनकर कभी इस तरफ तो कभी उस तरफ करवटें बदलता रहा है। पहले अमेरिका के पाले में जाकर उससे इमदाद हासिल करता रहा, आजकल यह चीन के पहलू का हमदर्द बना हुआ है। आज रोजमर्रा के खर्चे के लिए भी उसे लगातार सभी से कर्ज लेना पड़ रहा है। इसकी अपनी सेना की हुकूमत ने भी उसे कहीं का नहीं छोड़ा, उसने भी इसे जी भर भर के लूटा है। इसी कारण इसके हर राज्य में असंतोष भड़क रहा है। सिंध व बलूचिस्तान सेना की तानाशाही के शिकार रहे। इसके कब्जे वाला पीओके सेना के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। यह विद्रोह इतना बढ़ गया है कि उसके अनेक लोग दुखी होकर भारत से मिलने तक को भी तैयार हैं। भारतीय कश्मीर में आज खुशहाली है जो उसे काफी प्रभावित कर रही है। यही कारण है कि आज वह पाकिस्तानी सेना से दो-दो हाथ करने को तैयार हो गया है। बलूचिस्तान में भी सेना के खिलाफ भारी असंतोष है एवं यहां भी आर-पार की लड़ाई चल रही है। इसके बावजूद पाकिस्तान खालिस्तान मूवमेंट को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए वह बेपनाह खर्च भी कर रहा है। जो आग उसने भारत में लगाने का प्रयास किया था, उसमें वह खुद भी जल रहा है।

-मनमोहन राजावत, शाजापुर

राजनीति के रंग

स्वाधीनता मिलने के 75 साल के बाद बिहार में 85 प्रतिशत दलित, महादलित, पिछड़ा व अति पिछड़ा है। देश में एक पूरा मध्य वर्ग उच्च-मध्य वर्ग बन गया, लेकिन 75 साल में एक जाति नहीं है जो कहे कि हम पिछड़े से अब सामान्य हो गए हैं उल्टा आरक्षण पाने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। पिछड़े या दलित होने का जो आधार बताया गया है उस हिसाब से करोड़पति, आईएस और मुख्यमंत्री बनकर भी एक ठेला लगाने वाले सवर्ण से आप पिछड़े रह सकते हैं। ऐसा ही रहा तो भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा जहा 90 प्रतिशत लोग पिछड़े होंगे। हमने यह भी देखा है कि पिछड़ों या दलितों की पैरवी करने वाले अनेक नेता भ्रष्टाचार में गले तक डूबे रहे तथा दलितों व अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने में भी पीछे नहीं रहे। इस स्थिति में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना बिल्कुल सही है कि देश में गरीब सबसे बड़ी जाति है और गरीब सभी वर्गों में हैं। रंगनाथ मिश्र कमेटी रिपोर्ट का यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि अब आरक्षण में निहित स्वार्थ विकसित हो गया है जो गरीबों तक कोई लाभ पहुंचने ही नहीं देता है।

-परमवीर केसरी, मेरठ

राजनीतिक प्रयोग

मध्य प्रदेश की पहली सूची में सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया। प्रधानमंत्री ने साफ-साफ कहा है कि एमपी में बिना चेहरे के विकास कार्यों के नाम पर चुनाव लड़ा जाएगा। इसमें साफ संदेश छुपा हुआ है कि इस बार शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री बनने आसार नहीं है और चुनाव जीतने पर भाजपा किसी नए व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाएगी। राजस्थान में भी वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री बनने के चांस नहीं हैं। शायद इन नेताओं को भी इसका अच्छी तरह आभास हो गया है। जब शासकीय नौकरी में नियुक्त अधिकारियों को के लिए 3 साल बाद तबादले का नियम है तो मुख्यमंत्री को भी 5 साल बाद बदलकर नए युवा चेहरों का अवसर दिया जाना चाहिए। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व इतनी मजबूत स्थिति में है कि जिन लोगों को सत्ता से निकाला जाएगा वे लोग नाराज हो कर भी पार्टी का अधिक नुकसान नहीं कर पाएंगे। भाजपा गुजरात में मुख्यमंत्री समेत सारी कैबिनेट बदलने का सफल प्रयोग कर चुकी है। ऐसे प्रयोग देश में राजनीतिक निरंतरता सुनिश्चित करते हुए नए किस्म की राजनीति को बढ़ावा देने सकते हैं।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

भाजपा की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की विधानसभा चुनाव में कई केंद्रीय मंत्रियों एवम सांसदों को प्रत्याशी बनाकर स्पष्ट संकेत दिया है कि वह इस बार चुनाव जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। संभवत यह देश की राजनीति का पहला प्रयोग है जिसमें इतने बड़े पैमाने पर केंद्रीय मंत्री एवम सांसदो को विधानसभा में प्रत्याशी मैदान में उतारा है। भाजपा के रणनीतिकार इसे सामूहिक नेतृत्व की संज्ञा दे रहे हैं जबकि कांग्रेस ने इसे उसकी हताशा कहा है। भाजपा इसे अपनी संस्कृति बता रही है जहां बड़े से बड़े नेता चुनाव मैदान में उतरते रहे हैं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चार कार्यकाल मुख्यमंत्री रहने के बाद निश्चित रूप से भाजपा को सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में देखना होगा कि उसका यह प्रयोग कहां तक सफल होता है। नतीजे चाहे जो निकलें इससे भाजपा के हर छोटे-बड़े नेता को अहसास हो गया है कि उसकी क्षमता और लोकप्रियता की परीक्षा जनता के दरबार में होगी और उसे इसके लिए तैयार रहना चाहिए। यह राजनीतिक दृष्टिकोण से अच्छा कदम है।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

लव जेहाद, गो तस्करी व धर्मांतरण के मामलों में हो सख्त कार्रवाई

सीएम ने की बस्ती मंडल के तीनों जिलों के विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बस्ती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि विवादों एवं जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मंडलायुक्त सभागार में बुधवार को आयोजित मंडलीय समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनप्रतिनिधियों से नियमित संवाद रखें।

बस्ती मंडल के तीनों जनपदों (बस्ती, संत कबीर नगर और सिद्धार्थनगर) की समीक्षा के दौरान उन्होंने इन जिलों के जनप्रतिनिधियों को अटल आवासीय विद्यालय का भ्रमण कराने के लिए निर्देश दिया। वहीं उन्होने भूमाफिया, खनन एवं अन्य माफिया के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कमजोर, गरीब, उद्यमी, व्यवसायी की भूमि पर कोई कब्जा न करने पाए। सीएम ने शहर के प्रमुख स्थानों और बाजारों में सड़क की ओर फेस करते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बस्ती मंडल की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवसए थाना दिवस को गम्भीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारी इसका निरीक्षण करें। उन्होने कहा कि पैमाइश एवं नामांतरण के मामलों को गम्भीरता से लेते हुए 48 घण्टे के भीतर निस्तारित करें। मण्डल, जिला, तहसील स्तर पर ऐसे मामलों की समीक्षा की व्यवस्था बनायी जाए। अन्य विभागों के मामलों के निस्तारण की स्थिति की नियमित समीक्षा की जायए इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद में कोई घटना होने पर संबंधित जनपद एवं तहसील की जिम्मेदारी तय की जायेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबधित मिशन शक्ति के अन्तर्गत अभियान 14 अक्टूबर से शुरू किया जाएगा। अधिकारी धर्मान्तरणए गो तस्करीए लवजिहाद के मामलों को गम्भीरता से लें। नेपाल से जुड़ी सीमा पर विशेष निगरानी रखें। सभी साईबर थाना एवं साइबर हेल्प डेस्क सक्रिय रखें। नगरपालिकाओं व नगरपंचायतों को सेफ सीटी के रूप में तैयार करें।

वशिष्ठ चिकित्सा महाविद्यालय का किया निरीक्षण

बैठक के उपरान्त मुख्यमंत्री ने महर्षि वशिष्ठ चिकित्सा महाविद्यालय ओपेक कैली अस्पताल पहुंचकर इमरजेन्सी वार्ड, एलो जोन तथा रेड जोन का औचक निरीक्षण किया। उन्होने वहां भर्ती मरीजों से वार्ता की तथा उपचार एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों द्वारा बताया गया कि उपचार एवं सुविधा बेहतर ढंग से मिल रहा है। उन्होने मेडिकल कालेज में बैच तथा संचालित कोर्स के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री राकेश संचान, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक अजय सिंह, मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, आईजी आरके भारद्वाज, जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार, अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ नीरज पाण्डेय, सीएमएस डॉ एएन प्रसाद, एचओडी डॉ अनिल यादव सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उन्होंने मण्डल के तीनों जिलों के अधिकारियों से संचारी रोग-डेंगू, चिकुनगुनिया, कालाजार, मलेरिया, फाइलेरिया आदि रोगों के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपचार की मुकम्मल सुविधा उपलब्ध कराएं।

एशियन गेम्स में भारत की स्वर्णिम सफलता पर योगी ने विजेताओं को दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एशियन गेम्स में भारतीय एथलीट्स ने बुधवार को अपनी स्वर्णिम सफलता को जारी रखते हुए 3 स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया। भारतीय एथलीट्स की इस सफलता पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हर्ष जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत तौर पर बधाई देते हुए उनकी उपलब्धियों पर गर्व जताया। उल्लेखनीय है कि इन पदकों के साथ भारत के एशियन गेम्स में कुल 81 पदक हो गए हैं और भारत ने इन गेम्स में अपने ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ दिया है। सीएम योगी ने सबसे पहले तीरंदाजी में भारत को एशियन गेम्स में पहली बार गोल्ड दिलाने वाले ओजस प्रवीण और ज्योति सुरेखा की भारतीय जोड़ी को बधाई दी जिन्होंने मिक्स्ड टीम कंपाउंड इवेंट में यह कीर्तिमान बनाया। सीएम योगी ने लिखा, 'ओजस और ज्योति सुरेखा ने एशियन गेम्स में कोरिया को 159-158 के स्कोर के साथ हराकर तीरंदाजी में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। उनके त्रुटिहीन कौशल और सहयोग के कारण यह महत्वपूर्ण जीत हुई। हमें अपने चैंपियंस पर गर्व है। जेवलिन थ्रो इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा ने भी अपने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ अपने खिताब का बचाव किया तो वहीं एक अन्य भारतीय किशोर कुमार जेना ने रजत पदक पर कब्जा किया। सीएम योगी ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। सीएम योगी ने लिखा, 88.88 मीटर के उल्लेखनीय थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए नीरज चोपड़ा को और 87.54 मीटर के अपने प्रभावशाली व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उत्कृष्ट रजत पदक के लिए किशोर कुमार जेना को बधाई। हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है। मेंस 4 गुणे 400 मीटर रिले में भी भारतीय टीम पहले स्थान पर रही। सीएम योगी ने भारतीय टीम के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए लिखा, भारत की एथलेटिक्स प्रतिभा की चमक दिख रही है। पुरुषों की 4 गुणे 400 मीटर रिले टीम को बधाई, जिसमें मोहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मोहम्मद अजमल और राजेश रमेश शामिल हैं। जिन्होंने एशियन गेम्स में 3:01.58 के प्रभावशाली समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

यूनिसेफ की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ने सीएम योगी से की मुलाकात

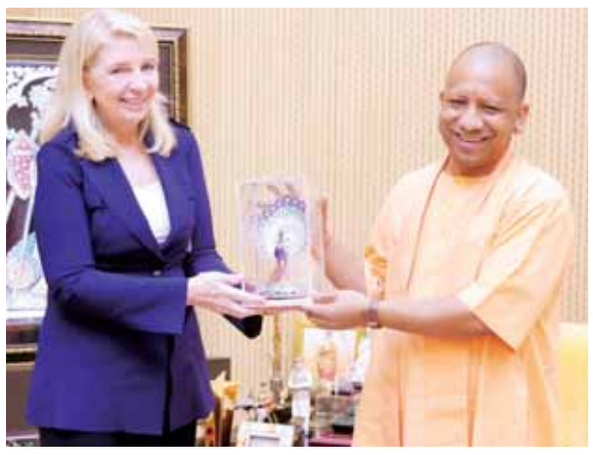

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदियनाथ से बुधवार को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कैथरीन रसल ने मुलाकात की। यूनिसेफ की पांच सदस्यीय दल के साथ रसल ने मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश में बाल अधिकारों को प्रोत्साहित एवं संरक्षित करने से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

इस दौरान यूनिसेफ ग्लोबल की चीफ ऑफ स्टाफ और निदेशक किर्सी मैंडी, भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे, यूनिसेफ यूपी के प्रमुख जकारी एडम और यूनिसेफ यूपी के प्रोग्राम मैनेजर अमित मल्होत्रा भी मौजूद रहे। इसके अलावा इस अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से सचिव बाल विकास पुष्टाहार भी मौजूद रहे। बता दें कि यूनिसेफ दुनिया के 190 से अधिक देशों में कठिन स्थानों में रह रहे जरूरतमंद बच्चों और युवाओं के लिए कार्य करती है। यूनिसेफ बाल अधिकारों को प्रोत्साहित करने और उनके संरक्षण के लिए विभिन्न सरकारों के साथ मिलकर कार्य करती है।

'वन्य प्राणि सप्ताह' पर प्रदेश की योगी सरकार पर्यटकों को देगी कई बड़ी सौगात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की योगी सरकार 'वन्य प्राणि सप्ताह' के तहत पर्यटकों को कई बड़ी सौगात दे सकती है। इन सौगातों की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आने वाले शुक्रवार को पीलीभीत दौरे के दौरान करेंगे ऐसी पूरा संभावना है। इसके साथ ही योगी सरकार वन्यजीव सुरक्षा व संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अफसरों को योगी सरकार सम्मानित भी करेगी। वहीं प्रदेश सरकार वन्य जीवों से जानमाल की हानि की दशा में मुआवजे की राशि को बढ़ा सकती है। यूपी में ईको पर्यटन की असीम

वन्य जीवों से जानमाल की हानि की दशा में मुआवजे की राशि को बढ़ाने की योजना

संभावनाओं के मद्देनजर पर्यटन शुल्क में भी काफी कमी की जा सकती है। संभावना है कि शुक्रवार को पीलीभीत में सीएम योगी ऐसे ही बड़े ऐलान कर सकते हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण वन्य जीवों से जानमाल की हानि की दशा में अनुग्रह राशि को बढ़ाए जाने से संबंधित है। इसके साथ ही 2014 से दी जा रही आर्थिक अनुग्रह सहायता की दर में बदलाव भी संभव है। वहीं ईको पर्यटन को प्रोत्साहित करने के निमित्त पर्यटन शुल्क में भी काफी कमी की जा सकती है। '51 वन विश्राम भवनों का जीर्णोद्धार' वन्य जीव सप्ताह के तहत शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पीलीभीत टाइगर रिजर्व में कार्यक्रम प्रस्तावित है। सीएम यहां कई बड़ी सौगात भी दे सकते हैं। यहां उच्चीकृत 51 वन विश्राम भवनों का जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त सारस गणना रिपोर्ट 2023 पुस्तक रिलीज होगी] जिससे इसके बारे में आमजन भी जानकारी हासिल कर सकें। 'बाघ मित्र ऐप होगा लांच, बाघ मित्रों का सम्मान' पीलीभीत में एक तरफ जहां बाघ मित्र ऐप लांच होगा, वहीं बाघ मित्रों का सम्मान भी किया जाएगा। बाघ मित्र ऐप जहां बाघ से सुरक्षा दिलाने में कारगर होगा। इस ऐप के जरिए आमजन सरकारी विभागों को मदद करने और आसपास के लोगों को जागरूक करने में मददगार होंगे। आबादी वाले क्षेत्र में बाघ व ग्रामीणों की सुरक्षा में यह ऐप काफी कारगर होगा। शहद किट का वितरण होने के साथ ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व के उत्कृष्ट कार्य करने वाले बाघ मित्रों को सीएम सम्मानित भी करेंगे। साथ ही वन्य जीव सुरक्षा व संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अफसर व कर्मचारी भी सम्मानित होंगे। वन्य जीव संरक्षण व सतत ईको पर्यटन विकास कार्यशाला का शुभारंभ भी होगा।

आलू बीज की विक्रय दरें निर्धारित

किसान जनपदीय उद्यान अधिकारी से नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर सकते हैं: उद्यान मंत्री

लखनऊ। उद्यान कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किसानों एवं आलू उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आलू बीज की विक्रय दरें निर्धारित कर दी है। निर्धारित दरों के अनुसार आधारित प्रथम आलू 3325 रूपये प्रति कुंतल, आधारित द्वितीय आलू 2915 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज ;आधारित प्रथम 2655 रूपये प्रति कुंतल, ओवर साइज आधारित द्वितीय 2600 रूपये प्रति कुंतल तथा आधारित प्रथम आलू 2570 रूपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। सफेद एवं लाल आलू प्रजातियों की विक्रय दरें एक समान है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये है कि आलू बीज की गुवत्ता आदि के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार कराकर कृषकों को आलू बीज उठाने हेतु प्रोत्साहित किया जाय। उन्होंने निदेशक उद्यान को आलू बीज विक्रय व वितरण की कार्यवाही निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराने के निर्देश दिये है। उद्यान मंत्री ने बताया कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा किसानों को नकद मूल्य पर आधारित प्रथम, द्वितीय तथा प्रमाणित आलू बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इन दरों पर प्रदेश के कृषक अपने जनपदीय उद्यान अधिकारी से नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर आलू बीज का उत्पादन कर सकते हैं। यह आलू बीज आधारित प्रथमए आधारित द्वितीय तथा प्रमाणित श्रेणी का है, इससे आगामी वर्षों के लिए बीज तैयार किया जा सकता है।

साइबर फोरेंसिक व सिक्योरिटी के क्षेत्र में यूपी पुलिस को बनाया जाएगा दक्ष

पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय व एनआईइएलआईटी के बीच हुआ एमओयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस को साइबर फोरेंसिक और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में दक्ष बनाने की कवायद शुरू हो गई है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशिक्षण निदेशायल और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईइएलआईटी), नई दिल्ली के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित हुआ।

समझौता ज्ञापन पर पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय की पुलिस महानिदेशक रेणुका मिश्र तथा एनआईइएलआईटी के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। एनआईइएलआईटी भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है तथा सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित गतिविधियों के लिए समर्पित है। रेणुका मिश्रा ने कहा कि निसन्देह इस समझौते के उपरान्त उत्तर प्रदेश पुलिस बल के भीतर साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक में विशेषज्ञता प्राप्त होगी। इस साझेदारी के तहत एनआईइएलआईटी उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशिक्षण विभाग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम मॉड्यूल की पेशकश करते हुए साइबर फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑफ लाइन, ऑनलाइन तथा हाइब्रिड मोड में आयोजित किए जाएंगे। जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कानून प्रवर्तन अधिकारी साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हों। एनआईइएलआईटी द्वारा पुलिस कर्मियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने एवं साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से सतर्कता पूर्वक पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। इस समझौता ज्ञापन के तहत एनआईइएलआईटी 7 घंटे से 840 घंटे तक की अवधि के साथ बुनियादी से लेकर उच्च-स्तरीय पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेगा। साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज को बढ़ावा देने की दिशा में एनआईइएलआईटी ने इनेटिव फॉर साइबर सिक्योरिटी अवेयरसोसाइटी (आईसीएसएएस) नाम से एक मोबाइल एप विकसित किया है।

यह ऐप 16 भारतीय भाषाओं और 7 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। यह एप उपयोगकर्ताओं को 100 किलोमीटर के दायरे में नजदीकी पुलिस स्टेशनों, नेटवर्क वाहक कार्यालयों (खोए हुए फोन के लिए), बैंक हेल्पलाइन (वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित) का पता लगाने में सहायता करता है और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और राष्ट्रीय महिला आयोग के लिए एक सीधा लिंक प्रदान करता है। यह एप यूपी पुलिस को बड़े पैमाने पर ट्रेनिंग के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगा।

अधिकारी कार्यशैली में सुधार लाये अन्यथा होगी सख्त कार्रवाई: धर्मपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश सभी अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही मंत्री धर्मपाल ने कार्यों में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने पर जनपद अम्बेडकरनगर और अमेठी के मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के खिलाफ स्पष्टीकरण को नोटिस जारी करने के निर्देश दे दिए हैं। पशुधन मंत्री ने बुधवार को विधानभवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़ तथा अयोध्या मण्डल में एलएसडी, संचारी रोग, कृत्रिम गर्भाधान, निराश्रित व छुट्टा गोवंश, गोशालाओं की क्षमता वृद्धि एवं निर्माण की स्थिति के संबंध में गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मंत्री धर्मपाल सिंह ने उन्होंने योजनाओं में अपेक्षित प्रगति एवं संतोषजनक स्थिति न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। इसके साथ ही मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि निराश्रित गोवंश के संरक्षण हेतु गोआश्रय स्थलों के विस्तारीकरण का कार्य तेजी से संचालित किया जाए और आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण की जाए। मंत्री ने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसलिए 'भारत पशुधन ऐप' के माध्यम से प्रदेश के सभी जनपदों के 10 हजार पैरावेट्स के लिए 21 अक्टूबर को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। ताकि कृत्रिम गर्भाधान की गुणवत्ता बढ़ सके और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कार्यक्रम में तेजी लाने, नियमित रिपोर्टिंग और पोर्टल पर अंकन करने के सख्त निर्देश के साथ ही निर्धारित लक्ष्य प्राप्त न करने वाले अधिकारियों का स्पष्टीकरण लिये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि लम्पी रोग के संबंध में टीकाकरण का कार्य तीव्र गति से किया जाए और पशुधन हानि न होने पाये। उन्होंने टीम 9 से अपेक्षा की कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी अतिशीघ्र लम्पी रोग पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया जाए।

एक भी निराश्रित गोवंश खुले स्थान पर विचरण करते हुए दिखना नहीं चाहिए: दुर्गा शंकर मिश्र

मुख्य सचिव ने सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि भूमि सम्बन्धी ऐसे वादों जिनकी वजह से अपराध घटित हो सकते हैं, उन्हें अभियान चलाकर निस्तारित किया जाए। जमीन पर कब्जा करने वाले व्यक्तियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्य सचिव बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। पशुधन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि विशेष अभियान चलाकर 3 माह में शत-प्रतिशत 'निराश्रित गोवंश' को गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाए। एक भी निराश्रित गोवंश खुले स्थान पर विचरण करते हुए दिखना नहीं चाहिए। ओवरलोडेड गो-आश्रय स्थलों की क्षमता वृद्धि करायी जाये। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त अस्थाई गो-आश्रय स्थलों का निर्माण किया जाये। सभी आश्रय स्थलों में गोवंश की समुचित आहर एवं उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि लंपी स्किन डिजीज से रोकथाम के लिए अधिकांश जनपदों में अच्छा कार्य हुआ है। अतिरिक्त टीमें लगाकर आगामी 31 अक्टूबर तक टीकाकरण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाये। 31 अक्टूबर तक पशु मेलाए पशु बाजार एवं पशु पैठ के आयोजन पर रोक लगायी गई है, इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। बैठक में बताया गया कि 'लंपी स्किन डिजीज' से रोकथाम के लिए अधिकांश जनपदों में मिशन मोड में काम किया गया है। बीमारी से 40 जनपद प्रभावित है। पीलीभीत से इटावा तक बेल्ट वैक्सीनेशन का कार्य पूरा हो चुका है। 3.5 लाख वैक्सीनेशन प्रतिदिन हो रहे हैं। लंपी डिजीज से 9713 गोवंश प्रभावित हुये थेए जिसमें 7836 पशु चिकित्सा के उपरांत स्वस्थ हो चुके हैं। अब तक 89.63 लाख पशुओं का टीकाकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि 'नन्द बाबा दुग्ध मिशन' के अंतर्गत मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना एवं मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना में लाभार्थियों के चयन प्रक्रिया पूर्ण कर अन्तिम सूची आगामी 25 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित कर दी जाए। ई-खसरा पड़ताल की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 9776983 प्लाट्स सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है, जो लक्ष्य का 82 प्रतिशत है। देश में सर्वाधिक प्लाट्स का सर्वे का उत्तर प्रदेश में हुआ है।

जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान करें अधिकारी

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण स्थान है। शासन द्वारा जनप्रतिनिधियों के प्रति अधिकारियों द्वारा सामान्य शिष्टाचार एवं प्रोटोकॉल के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। दिशा-निर्देशों की अवेहलना करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सांसद एवं विधायक का फोन आने पर सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी प्राथमिकता पर कॉल रिसीव करें। मीटिंग या दूसरे कार्यक्रमों में व्यस्तता के चलते फोन न रिसीव कर पाने की स्थिति में कॉल बैक करें। कार्यालय मिलने आने पर जनप्रतिनिधियों का पूरा शिष्टाचार करें। उनके द्वारा बताए गए जनहित से जुड़े कार्यों को वरीयता दी जाए।

आबकारी विभाग ने सितम्बर माह में हासिल किया 3175 करोड़ का राजस्व

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आबकारी विभाग राज्य के राजकोष में सतत योगदान दे रहा है जिसका उपयोग राज्य के सतत विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में होता है। आबकारी विभाग राजस्व संवर्द्धन के साथ-साथ एथेनॉल एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बातें प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बुधवार को विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कही।

उन्होंने समीक्षा करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आबकारी विभाग का राजस्व लक्ष्य 58 हजार करोड़ रुपए निर्धारित किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में माह सितम्बर, 2023 में 3175.38 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया जबकि इसी अवधि में गत् वर्ष 2022-23 में 2536.38 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त हुआ था। जो गत् वर्ष के सापेक्ष 25.19 प्रतिशत अधिक है।

अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2023-24 में माह अप्रैल 2023 से सितम्बर 2023 तक प्रदेश में गत् वर्ष 2022-23 में प्राप्त 18509.46 करोड़ रुपए के सापेक्ष 20148.56 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया। जो कि गत् वर्ष के सापेक्ष 8.86 प्रतिशत अधिक है। आबकारी मंत्री ने बताया कि आबकारी विभाग नकली शराब के उत्पादन पर पूरी तरह से नकेल कस चुका है और पिछले वित्तीय वर्ष में अवैध शराब के सेवन से अप्रिय घटना नहीं हुई है। यह जिला प्रशासन पुलिस एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों के टीम वर्क के कारण संभव हो सकता है। आबकारीए पुलिस और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से विशेष अवसरों एवं त्योहारों के अवसर पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाये जाते है। जिसके अंतर्गत अवैध शराब के निर्माण बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध माह सितम्बर 2023 में कुल 72528 छापे मारे गए। जिसमें 8361 अभियोग दर्ज करते हुए 2.27 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। इस कार्यवाही में 2524 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और इसमें से 976 व्यक्तियों को जेल भेजा गया। अवैध मदिरा की तस्करी में संलिप्त 34 वाहनों को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 2023-24 में माह अप्रैल से सितम्बर तक अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध कुल 434047 छापे मारे गए। जिसमें 49940 अभियोग पंजीकृत करते हुए 13.57 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। इस कार्यवाही में 15340 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 5548 व्यक्तियों को जेल भेजा गया और इसमें संलिप्त 179 वाहनों को जब्त किया गया।

निदेशक कुणाल सिल्कू ने वीआरएस प्रशिक्षण के लिए लैब का किया उद्घाटन

लखनऊ। प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मत्रांलय की संस्था निमि, चेन्नई के सहयोग एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज के द्वारा संस्थान में वीआरएस (वर्चुवल रियलिटी सॉफ्टवेयर) प्रशिक्षण के लिए लैब का उद्घाटन बुधवार को निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन कुणाल सिल्कू के द्वारा किया गया। निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन ने संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षणोपरान्त संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था की प्रशंसा भी की। इस मौके पर प्रधानाचार्य राज कुमार यादव द्वारा अवगत कराया गया कि संस्थान में चल रहे विभिन्न व्यवसायों में विशिष्ट योग्यता के लिए वांछित कौशल प्राप्त कर प्रशिक्षार्थियों को प्रौद्योगिकी में बदलाव के साथ वर्चुवल रियलिटी सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण परिदृश्य में कई लाभ प्रदान कर सकता है। व्यावसायिक कौशल परिस्थितिकी तंत्र को वर्चुवल रियलिटी आधारित इण्टरैक्टिव सामग्री प्रदान करना तथा प्रशिक्षार्थियों द्वारा कार्यस्थल पर यथार्थवादी कठिन अनुभवों सहित विभिन्न स्थितियों में पूरी तरह से डूब सके और उन्हे बाहर निकलने के तरीको के बारे में सीख सके।

यूपी में 11.74 लाख बुजुर्गों का बनेगा आयुष्मान कार्ड

लखीमपुर खीरी। यूपी में 60 साल से ऊपर उम्र वाले 11.74 लाख परिवार के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएगा। नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट 2013 यानी राशन कार्ड से डाटा लिया गया है। राज्य सरकार ने पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को इसका फायदा देने का निर्णय लिया है। यूपी सरकार की स्वीकृति के बाद छटै। डाटा के अधीन पात्र गृहस्थी राशन कार्ड के ऐसे 11.74 लाख परिवार जिनमें सभी सदस्य बुजुर्ग ;60 साल से ऊपरद्ध हैए को अतिरिक्त परिवारों के सापेक्ष शामिल किया गया है। उक्त परिवारों का डाटाए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियमए 2013 ;छटै।द्ध से लिया गया हैए जो पूर्णतः आधार सीडेड हैए जिस कारण इन परिवारों का स्थलीय स्तर पर चिन्हांकन अत्यन्त सुगम एवं सुलभ होगा। 11074 लाख छटै। परिवारों ;राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियमए 2013द्ध का डाटा योजनान्तर्गत संचालित टौ पोर्टल में सम्मिलित कर लिया गया है। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि पात्र लाभार्थी खुद या किसी भी स्वयंसेवीए सरकारी कर्मचारीए राशन दुकानदार या कोई अन्य साधन द्वारा भी पोर्टल या आयुष्मान ऐप के माध्यम से अपना आयुष्मान कार्ड बना या बनवा सकते हैं। खास बात है कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अलग से आईडी की जरूरत नहीं है। आयुष्मान ऐप के माध्यम से स्वयं या स्वयंसेवी की सहायता से वीडियो यू.ट्यूप पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत प्रत्येक बुजुर्ग को बीमारी के समय 05 लाख रुपए का मुफ्त इलाज कराने की सुविधा मिलेगी।

जेसीबी से सड़क खोदने का मामला

विधायक के करीबी समेत बीस अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

फाइल फोटो

शाहजहांपुर । बुधवार को जेसीबी से सड़क खोदने के मामले में ठेकेदार की तहरीर के आधार पर विधायक के करीबी समेत करीब 20 अज्ञात लोगों के खिलाफएफआईआर दर्ज की गई है इस मामले में जहाँ ठेकेदार ने उत्पीड़न का जिक्र किया

वही भाजपा विधायक ने ठेकेदार पर रोड निर्माण में गुणवत्ता को लेकर जाँच की मांग के बाद उनको बदनाम करने की साजिश बताते हुए जगबीर को प्रतिनिधि मानने से इंकार करते हुए इसको ठेकेदार की साजिश करार दिया

वही एसपी ग्रामीण संजीव कुमार वाजपेयी ने इस मामले में सख्त कार्यवाही का आदेश जारी किया

शाहजहांपुर पुवायां, निगोही, तिलहर जैतापुर, दातागंज बदायूं रोड का सात किलोमीटर का राजमार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। रोड निर्माण का ठेका गोरखपुर की शकुंतला सिंह फर्म को मिला है। ठेकदार के कर्मचारी पिछले काफी समय से रोड चौड़ीकरण करने का कार्य कर रहे हैं। ठेकेदार रमेश सिंह की तरफ से थाने में दी गई तहरीर में कहा गया है बीते 2 अक्टूबर की रात जगबीर खुद को विधायक का प्रतिनिधि बताते हुए 15-20 अज्ञात व्यक्तियों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर जेसीबी मशीन लेकर आए। उन्होंने स्टाफ और रोड निर्माण का कार्य कर रहे कार्मिकों को लाठी-डंडो से जमकर पीटा। काम करने से रोकते हुए कर्मचारियों को भगा दिया। मशीनों और प्लांट में आग लगाने की धमकी दी। प्लांट को हटाने के लिए कार्मिकों के साथ जोर-जबरदस्ती की गई। जेसीबी मशीन से निर्माणाधीन रोड को जगह जगह से खोद दिया गया। रोड को छति तो हुई साथ ही कंपनी को भी नुकसान हुआ है। शासकीय संपत्ति को छति पहुंचाई गई, राजकीय कार्यों में बाधा डाली गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर विधायक वीर विक्रम सिंह उर्फ प्रिंस के करीबी जगबीर और उसके 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।कटरा विधानसभा से भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह उर्फ प्रिंस ने बताया कि रोड निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर जाँच के लिए पात्र लिखा था इसलिए आरोप लगाए गए हैं,जो निराधार हैं। यदि मारपीट हो रही थी तो रात में डायल 112 या फिर थाने पर सूचना देना चाहिए थी पुलिस जाँच में सच सामने आ जाएगा सी मामले में एसपी ग्रामीण संजीव कुमार वाजपेयी ने बताया कि, जगबीर सिंह नाम का व्यक्ति अपने साथियों के साथ पहुंचकर जेसीबी से रोड को छति पहुंचाई। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। इसमे सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञानवापी मामले में सुनवाई 30 अक्टूबर तक के लिए टली

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मामले में सुनवाई 30 अक्टूबर तक के लिए बुधवार को टाल दी। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी (एआईएमसी) ने वाराणसी की अदालत में दायर उस मुकदमे की पोषणीयता को चुनौती दी है जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद के स्थान पर मंदिर बहाल करने की मांग की गई है। कमेटी ने वाराणसी की अदालत के उस आदेश को भी चुनौती दी है जिसके तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को काशी विश्वनाथ मंदिर के पास मस्जिद परिसर का एक समग्र सर्वेक्षण करने को कहा गया है। बुधवार को उच्च न्यायालय को बताया गया कि अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने एकल न्यायाधीश (प्रकाश पाडिया) से इस मामले को सुनवाई के लिए अपने पास लेने के मुख्य न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में एक विशेष याचिका दाखिल कर रखी है। इस दलील पर मुख्य न्यायाधीश प्रितिंकर दिवाकर ने याचिकाकर्ता के वकील के अनुरोध पर सुनवाई टालने का आदेश पारित किया और अगली तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की। इससे पूर्व, 18 सितंबर को मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि यदि याचिकाकर्ता को इस मामले की सुनवाई एकल न्यायाधीश से वापस लिए जाने को लेकर कोई शिकायत है तो वह इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे सकते हैं।

खीरी में 72वीं जनपदीय स्पोर्ट्स फॉर स्कूल एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं शुरू

ओयल.खीरी। 72वीं जनपदीयए स्पोर्ट्स फॉर स्कूल एथलेटिक्स प्रतियोगिता और सांस्कृतिक समारोह का रंगारंग कार्यक्रम के साथ बुधवार को युवराज दत्त इण्टर कालेजए ओयल के क्रीडागंन में शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिभा और डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह की उपस्थित में विधिवत घोषणा कर प्रतियोगिता का शुंभारम्भ किया। क्रीडा प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर डीएम ने मार्च पास्ट की सलामी ली और संमरगी गुब्बारों एवं कबूतरों को उड़ाकर शांति का संदेश दिया। डीएम ने कहा कि इस आयोजन में प्रतिभाग करने वाले बच्चें विशेष प्रतिभावान और सौभाग्यशाली हैए जिनकों इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चों का पूर्ण शारीरिक व मानसिक विकास होता है। कहा कि हर क्षेत्र के लिए अच्छी प्रतिस्पर्धा खेल का मैदान ही सीखता है। विजयी होने पर अभिमान नही आना चाहिए और हारने पर अपने प्रतिद्वंदी के विरूद्ध ईर्ष्या का भाव भी नही आनी चाहिए। विजयी होने से ज्यादा अपनी जीत को बरकरार रखता महत्वपूर्ण होता है। डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों से अपील की कि अनुशासित ढंग से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जाये तो अधिक आनंद आता है। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा स्वागत गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। मशाल दौड़ के उपरांत 1500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआए जिसमें सीनियर बालिका वर्ग के प्रथमए द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर क्रमशः अनुष्का प्रजापति जीजीआईसी लखीमपुर शर्मिला बलदेव वैदिक पलिया व शीलम चौहान रही। वहीं सीनियर बालक वर्ग में हिमांशु जिला पंचायत भीरा जीवेश सिंह कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला कुलदीप कुमार बी0बी0एल0सी खमरिया रहे।

आरेडिका में धूमधाम से मनायी गई गांधी जयंती

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 154वीं जयंती के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत साफसफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा श्माल्यार्पणश् के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महाप्रबंधक मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फराजनैतिक आजादी ही नही थी बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी साथ ही उन्होने कहा कि बापू के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए स्वच्छता के प्रति सजग रहना चाहिए। हमें आपे आस.पास के वातावरण को साफसुथरा रखना चाहिए जिससे एक सकारात्मक परिवेश का निर्माण होता है। इसी कड़ी में उत्तर रेलवे स्काउट एवं गाइड आरेडिका के बच्चों ने स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता रैलीए नुक्कड नाटकए सर्वधर्म प्रार्थना सभाए चित्रकला प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

हज उमरा पर जा रहे लोगों का स्वागत हुआ

गुरसहायगंज (कन्नौज)। क्षेत्र के ग्राम मिरगावा से हज उमरा पर जा रहे दो लोगों का नागरिकों ने फूलमालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया। साथ ही मुसाफा करते हुए हज उमरा पर जा रहे लोगों से मुल्क के अमन चैन की दुआ मांगने की गुजारिश की। बुधवार को मिरगवा से हज उमरा पर जा रहे आरिफ खान व कासमी बेगम का नागरिकों ने मुसाफा करते हुए फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कहा कि आप लोग पूरे मुल्क में अमन चैन व शहर की खुशहाली और भाईचारे के लिए दुआएं मांगे। कहा की आप अल्लाह की राह पर निकले हैं।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए जागरूकता जरूरी

कानपुर। जॉनसन एंड जॉनसन विजन नेत्र स्वास्थ्य में वैश्विक लीडर और जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक का हिस्सा ने आज घोषणा की कि उसने नई पीढ़ी और मिलेनियल्स को कॉन्टैक्ट लेंस आज़माने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ हाथ मिलाया है। इस कैंपेन का उद्देश्य आंखों के स्वास्थ्य के लिए जागरूकता पैदा करना और नए कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों का स्वागत करने के एक्यूव्यू के मिशन को बढ़ाना है। यह इस पर केंद्रित है।सुश्री टिनी सेनगुप्ता बिजनेस यूनिट डायरेक्टर ने कहा, एक्यूव्यू उदाहरण के तौर पर अग्रणी है और कॉन्टैक्ट लेंस के बारे में जागरूकता पैदा करके भारत में आंखों के स्वास्थ्य में बदलाव ला रहा है।

कोऑपरेटिव बैंक के किसी भी लेनदेन पर लगाई रोक

गाजीपुर। जनपद के सचिवए पूर्वांचल को.आपरेटिव बैंक लि0 ने समस्त जमाकर्ताओ को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक पत्र 29 अगस्त 2023 से बैंक द्वारा लेन.देन पर पूर्णतया रोक लगा दी गयी है। डी0आई0सी0जी0 सी द्वारा बीमित धनराशि रू0 05 लाख तक के भुगतान हेतु क्लेमध्विलिंगनेस फार्म 13 अक्टूबर 2023 तक सम्बन्धित बैंक शाखाओ में जमा किया जायेगा। समस्त खाता धारक अपने शाखा से सम्पर्क कर क्लेम फार्म समय के अन्तर्गत शाखाओ में जमा करेए ताकि उनकी बीमित धनराशि का भुगतान डी आई सी जी सी के माध्यम से उनके बैंक खाते मे जमा कराया जा सके। के वाई सी हेतु आवश्यक दस्तावेज जैसेए आधारए पैनए फोटो एवं दूसरे किसी बैंक का पासबुक स्वप्रमाणित छाया प्रति साथ में लाये।

शिक्षा समाज के विकास का मूल आधार

चंदौली। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ;एलएलएफद्धए बुनियादी साक्षरता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले एवं अग्रणी गैर.लाभकारी संगठन; की सहायता से बेसिक शिक्षा विभागए उत्तर प्रदेश द्वारा वाराणसी और चंदौली जिले में प्राथमिक ग्रेड के शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की गई। जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से चंदौली जिले में क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 9 ब्लॉकों से 515 संकुल शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला ब्लॉक संसाधन केंद्र में हुई और इसमें चार ब्लॉक स्कलडीहाए बरहनीए धानापुर और शहाबगंज को शामिल किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए क्लस्टर शिक्षकों की क्षमताओं को बढ़ाना था। कार्यशाला 9 ब्लॉकों के ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन और एलएलएफटीम के सदस्यों के समर्पित सहयोग से आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों ने क्लस्टर शिक्षकों के उद्देश्योंए भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ.साथ प्रभावी कक्षा रणनीतियों का पता लगाने के लिए समूह विचार.मंथन सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्तए कार्यशाला अच्छी कक्षा और उसकी प्रक्रियाओं पर केंद्रित थीए जिसमें कक्षा अभ्यासए शिक्षण.शिक्षण सामग्री ;टीएलएमद्ध का उपयोगए प्रिंट.समृद्ध वातावरण का निर्माण और कक्षा प्रबंधन जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक धीर झिंगरन ने कहा कि शिक्षा हमारे समाज के विकास का मूल आधार है, और हम इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तहसील सदर में डीएम ने मारा छापा, अफसरों में मचा हड़कंप

महत्वपूर्ण दस्तावेज अव्यवस्थित पाये जाने पर जिलाधिकारी नाराज

शाहजहाँपुर । जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने बुधवार को तहसील सदर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खाद्य पूर्ति कक्ष, न्यायालय नायब तहसीलदार सदर, न्यायालय नायब तहसीलदार कांट सहित कम्प्यूटर कक्ष तथा अभिलेखागार का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होने दाखिल दफ्तर रजिस्टर, दाखिला रजिस्टर, मिशिलबंद सहित अन्य अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौजूद लोगो से जिलाधिकारी ने स्वयं समस्याओं की जानकारी लेकर आज ही उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये। खाद्य पूर्ति कक्ष में अनाधिकृत लोगो द्वारा पटल पर मौजूद पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये मौजूद लोगो से जानकारी लेने के उपरान्त वहां से हटने के निर्देश दिए । जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुये कहा कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कार्यालय में मौजूद न हो यह सुनिश्चित किया जाये। आर्काइव कार्यालय में अभिलेखों के निरीक्षण के दौरान दस्तावेज अद्यतन न पाये जाने तथा पृष्ठ प्रमाणित न पाये जाने पर तहसीलदार श्री अरूण कुमार सोनकर, नायब तहसीलदार श्री अनुराग दूबे , राजस्व निरीक्षक श्री राजीव कुमार पाण्डेय का जवाब तलब करने हेतु निर्देश दिये। अभिलेखों का रखरखाव ठीक ढंग से न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये अभिलेखों को व्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया। तहसील में अत्यंत गंदगी व्याप्त पाये जाने पर जिलाधिकारी ने साफसफाई हेतु निर्देश दिये। साथ ही उन्होने निर्देश दिये कि अभिलेखागार में अभिलेखों को सुरक्षित ढंग से रखा जाये तथा साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। जिलाधिकारी ने तहसील के सभी अधिकारियों को कक्ष के बाहर नाम तथा पदनाम प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक राशिद अली सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सफाई कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करें

शाहजहाँपुर । नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के निर्देशन में नगर निगम टीम ने नगर को साफएवं स्वच्छ रखने हेतु 24म7 स्वच्छता से सम्बंधित कार्यो को कराया जा रहा है। इसी क्रम में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत नगर क्षेत्र के अजीजगंज बरेली मोड़ मार्ग पर वृहद स्तर पर कराये जा रहे सफाई के कार्यो का निरीक्षण नगर आयुक्त ने किया । निरीक्षण के समय सफाई व्यवस्था की स्थिति को देखा गया एवं अपनी उपस्थिति में सफाई के कार्यो का कराया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि नगरवासियों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव हेतु सफाई के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए व इस विशेष अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही न किये जाने के निर्देश दिए गए।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत कलश यात्रा

शाहजहाँपुर । भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा मेरी माटी मेरा देशष् अभियान के अंतर्गत जी एफ कॉलेज में एनएसएस के स्वेमसेवकों ने अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया,जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनो इकाइयों के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाएं अपने घरों से मिट्टी और चावल लाकर कॉलेज परिसर में कलश में एकत्रित किया।प्राचार्य डॉ मोहम्मद तारिक ने कहा कि हमें अपने देश भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है,तभी हमारे सपने साकार होंगे। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ कहकशां बेगम और डॉ मोहम्मद शोएब ने स्वयंसेवकों को पंच प्रण की प्रतिज्ञा दिलाई। स्वयंसेवक सनी सिंह, शाहिद आलम, आयुष्मान, केसर, अंजलि,अनामिका, सुहेब,जितिन आदि मौजूद रहे।

सरकार की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी बनी आकर्षक का केंद्र

लखीमपुर खीरी। नये भारत का नया उत्तर प्रदेश की अवधारणा तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन.जन तक पहुँचाये जाने के उद्देश्य से सूचना एवं जन सम्पर्क विभागए उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्ट्रेट में 03 से 05 अक्टूबर तक लगायी गयी 03 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन कपूरथला स्थित सिटी माण्टेसरी इण्टर कॉलेज के अंग्रेजी माध्यम के 100 विद्यार्थी का दल सहित नगर के स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियोए प्रतिनिधियों एवम् आमजन ने चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बेटियोंए युवाओंए महिलाओं एवं रोज़गारपरक तथा फ्लेक्सी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखरए सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से एडीआईओ नरेंद्र कुमारए लोकेश कुमार गुप्ता एवम् विद्यालय की जूनियर इंचार्ज अंजुम परवीनए शिक्षिका प्रियंका श्रीवास्तवए अनुशासन प्रमुख नितीश खन्ना आदि ने विद्यार्थियों को इस प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि चित्र प्रदर्शनी में बेटियों के सम्मान के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनाए कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाए युवाओं के सपने साकार मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनाए आमजन के लिए चिकित्सा सुविधाओं का विस्तारए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ;आयुष्मान भारतद्धए गरीबों के कल्याण हेतु अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी योजनाए स्टार्टअप को प्रोत्साहनए स्टार्ट इन यूपीए मातृ शक्ति के शिक्षा सुरक्षा व सम्मान के लिए ग्रामीण आवासीय अभिलेख ;घरौनीद्धए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनाए गौवंशो की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु मुख्यमंत्री निराश्रितए बेसहारा गौवंश सहभागिता योजनाए गरीबों के कल्याण को समर्पित सरकार डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री स्वामित्व योजनाए पीएम जनधन योजना व मनरेगा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया है। मेधावी छात्रों को टैबलेटध्स्मार्टफोन का वितरणए जरूरतमंद गरीबों को छतए पीएमध्सीएम आवास योजना के साथ.साथ प्रदेश में एक्सप्रेस.वे के विशाल नेटवर्कए सर्वाधिक एयरपोर्टए डेटा सेण्टर हबए डिफेन्स कारीडोरए निवेश का सुरक्षित परिवेश इत्यादि विषयों पर आधारित फ्लैक्स कटआउट प्रदर्शित किये गये हैं।

डीएम ने एमओवाईसी के अनुपस्थित होने पर वेतन रोकने का दिया निर्देश

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति ;शासी निकायद्ध की बैठक रायफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओ को निःशुल्क भोजनए दवा एव ड्राप बैक की सुविधाए ओ0पी0डी0ए एवं अन्य बिन्दुओं पर समीक्षा की गयी। सी0एच0सी0 ज़खनियाए भदौरा एवं सैदपुर मे कम ओ0पी0डी0 पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित एम0ओ0वाई0सी0 को समीक्षा करने एवं समस्त सी0एच0सी0ए पी0 एच0सी0 पर सी0सी0टीवी कैमरा का संचालन रिकॉर्डिंग मोड पर रखने का निर्देश दिया। बैठक मे बरुइन एम0ओ0वाई0 सी के अनुपस्थित होने पर वेतन रोकने एवं रेवतीपुरए जखनिया एम0ओ0वाई0सी0 के कार्यों मे कम प्रगति पर स्पष्टिकरण का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि हेल्थ वेलनेस सेन्टर पर आवश्यक दवाओ की उपलब्धता रहेए ओ0पी0डी0 का संचालन तथा नियमित रूप से सी0एच0ओ0 एवं एन0एम0 की उपस्थिति का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित चिकित्सा अधीक्षको को हेल्थ वेनलेस सेन्टर की क्रियाशीलता बराबर चेक करते रहने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान उन्होने जननी सुरक्षा योजनार्न्तगत गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव के सम्बन्ध मे जानकारी लेते हुए इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओ को निःशुल्क भोजनए तथा दवा एव ड्राप बैक की सुविधा के साथ.साथ 48 घण्टे रोके जाने के निर्देश दिये। बैठक मे जिलाधिकारी ने ई.कवचए जननी सुरक्षा योजनाए जे0एस0वाई के भुगतानए मातृत्व मृत्यु दर की समीक्षाए परिवार कल्याण कार्यक्रमए टीकाकरणए आशाध्जे एस वाई भुगतानए क्षय रोग नियंत्रणए कुष्ठ उन्मूलनए प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजनाए आयुष्मान कार्डए जन्म.मृत्यु पंजीयनएएवं अन्य बिन्दुओ पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होने कहा कि जो भी शासन की योजनाए संचालित है उसका शत.प्रतिशत क्रियान्वयन होए कोई भी पात्र योजना से वंचित न रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की बनाई योजना

प्रयागराज। हाल ही में गुरूदेव भल्ला स्क्रीन्स एलएलपी के निर्माण में बना शो क्योंकि सास मां बहू बेटी होती है। पेश किया है जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा। यह कहानी प्रमुख किरदार अंबिका की एक कोशिश दिखाती है। जहां वो इस सोच को गलत साबित करना चाहती है कि सास कभी मां और बहू कभी बेटी नहीं बन सकती और इसीलिए अंबिका एक बड़ा फैसला लेती है। जहां वो अपने परिवार के अनाथ आश्रम के दरवाजे पर छोड़ी गई एक नन्हीं बच्ची को गोद लेती हैं और उसकी परवरिश एक बेटी की तरह नहीं बल्कि एक बहू के तौर पर करती हैं ताकि वो आगे चलकर पूरे परिवार को साथ रख सकें। इस कहानी में अब सूरज राजगौर नाम के किरदार को पेश किया जा रहा है जिसका रोल लक्ष्य खुराना निभा रहे हैं। वो मानसी जोशी रॉय प्रतिभाशाली एक्ट्रेस नविका कोटिया और हिमांशु जोशी जैसे कलाकारों के साथ नजर आएंगे। इस शो में लक्ष्य अंबिका के बेटे सूरज का रोल निभा रहे हैं। वो एक आदर्श बेटा और एक परफेक्ट पार्टनर है और उसकी यही खूबियां उसे किसी भी औरत के सपनों का राजकुमार बनाती हैं।

नगर आगमन पर शौर्य जागरण यात्रा का भव्य स्वागत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद द्वारा झांसी से वाराणसी तक निकाली जा रही शौर्य जागरण यात्रा का नगर आगमन पर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि, व्यापारी नेताओं, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष, क्रय-विक्रय समिति अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इसके बाद धर्म सभा का आयोजन किया गया जिसमें हिंदू एकता पर बल देते हुए धर्मांतरण व लव जिहाद जैसे मुद्दों का विरोध करने का आवाहन किया गया। बुधवार की दोपहर बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में आयोजित शौर्य जागरण यात्रा का नगर आगमन होते ही पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश मंत्री सागर अग्रवाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर, क्रय-विक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी, व्यापारी नेता धर्मेंद्र कौशल आदि ने शौर्य जागरण यात्रा का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इसके बाद नगर के पावर हाउस मैदान में आयोजित धर्म सभा में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संयोजक अजीत राज, बजरंग दल क्षेत्र संगठन मंत्री राजेंद्र, पूज्य संत कृष्ण दास जी को 51 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। वहीं आए हुए अतिथियों क्षेत्र सासंग प्रमुख दिवाकर, प्रांत सहमंत्री अभिनव दीक्षित, अवधेश भदौरिया रामगोपाल आदि ने सभी सनातनियों को एकता के सूत्र में पिरोनें का आवाहन करते हुए देश विरोधी एवं सनातन विरोधी ताकतों का मुकाबला करने की हुंकार भरी। इस अवसर पर विहिप कार्याध्यक्ष नीरज मिश्रा, अमरदीप मिश्रा, संजीव गुप्ता उर्फ संजू, कन्हैया दीक्षित, अखिल भारतीय व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष शिवम राज वर्मा, भाजयुमों नगर अध्यक्ष मानव गुप्ता, सभासद विपिन चौरसिया, दीपक गुप्ता, सोनू सैनी,विहिप नगर अध्यक्ष सागर गुप्ता, अभिमन्यु त्रिपाठी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को दिखाई हरीझंडी

गाजीपुर। संचारी व मच्छर जनित रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान जन जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य समेत सभी विभिन्न विभागों के अधिकारियोंए स्वास्थ्यकर्मियोंए आशा.आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओंए स्कूली छात्र.छात्राओं ने बढ़.चढ़ कर प्रतिभाग किया। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी ;सीडीओद्ध संतोष कुमार वैश्य ने राइफल क्लब सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ;सीएमओद्ध डॉ देश दीपक पाल एवं स्वास्थ्य समेत सभी 10 विभागों के मुख्य अधिकारियोंए आशा.आंगनबाड़ी कार्यार्ताओं के संग संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के लिए शपथ ली। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी व मच्छर जनित रोगों जैसे डेंगूए मलेरियाए चिकनगुनियाए फाइलेरियाए कालाजार आदि बीमारियों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इन्हीं बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसी बीच 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभागए नगर निमगए पंचायती राज विभाग समेत 10 विभागों की टीम तैनात की गईं हैं जो घर.घर जाकर बीमारियों की रोकथाम और समुदाय को जागरूक करेंगी। ऐसे में जन समुदाय का भी दायित्व है कि अभियान में सहयोग करेए सतर्क और जागरूक रहें। जिलाधिकारी ने अपील की कि डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है तथा इससे बचाव के लिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। मच्छर रोधी क्रीम का इस्तेमाल करें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद प्रशासन व विभिन्न विभागों के साथ ही जन प्रतिनिधि भी इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करेंगे। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़कावए फोगिंगए स्वच्छताए साफसफाई आदि का कार्य किया जाएगा। जांच व उपचार के साथ आवश्यक दवा भी प्रदान की जाएगी। इस अभियान में स्वास्थ्य विभागए नोडल विभाग रहेगा। नगर निगमए पंचायती राजए पशुपालन विभागए महिला एवं बाल विकास विभागए शिक्षा विभागए दिव्यांग जन कल्याण विभागए कृषि एवं सिंचाई विभाग सहित 10 विभाग आपसी समन्वय बनाकर अभियान को सफल बनाएंगे। सीएमओ डॉ देश दीपक पाल ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का बेहद महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। डेंगूए मलेरियाए फाइलेरियाए कालाजार आदि रोगों को विशेष अभियान चलाकर काबू कर लिया जाएगा।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 अक्टूबर, 2023

गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो बरुआ बांध का पुनरुद्धार कार्यः स्वतंत्र देव सिंह

●जल शक्ति मंत्री ने किया बरुआ बांध के पुनरुद्धार कार्य का निरीक्षण

●अभियंता को सिल्ट सफाई कराने के दिये निर्देश

संवाददाता। चित्रकूट

धर्म नगरी चित्रकूट के दौरे पर आए उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुद्धवार को बरुआ बांध के पुनरोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिशाषी अभियंता आशुतोष कुमार को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्माण कराने के साथ-साथ नहर में पानी छोड़ने से पहले अच्छी तरह सिल्ट की सफाई कराने के निर्देश दिये।

बुद्धवार को चित्रकूट के दौरे पर आये उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता आलोक पांडेय, आदि सैकड़ों भाजपाईयों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्वागत किया। इसके बाद डाक बंगले में अधिकारियों एवं पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता आशुतोष कुमार एवं सहायक अभियंता गुरु प्रसाद आदि अधिकारियों के साथ जिले की बरुआ बांध के पुनरोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शासन की मंशानुरूप किसानों को सिंचाई के लिए नहरों की टेल तक पानी पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बाढ़ परियोजनाओं के विकास हेतु संकल्पबद्ध है।

कवियित्री डॉ. माया सिंह को वैदिक यूनिवर्सिटी ने मानद उपाधि से नवाज़ा

संवाददाता। उरई, जालौन

देश की जानी-मानी कवियित्री डॉक्टर माया सिंह माया ने एक बार फिर जनपद का सम्मान बढ़ाया है उन्हें अंतर्राष्ट्रीय वैदिक यूनिवर्सिटी घाना ने मानक उपाधि देकर सम्मानित किया यह उपाधि उन्हें जयपुर राजस्थान में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान प्रदान की गई जहां देशभर की विविध 40 हस्तियों को अंतरराष्ट्रीय यूनिवर्सिटी द्वारा उपाधियां प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ।

उपाधि हासिल करने के बाद अपने गृह जनपद और नगर में लौट कर आए डॉक्टर माया सिंह ने अनौपचारिक वार्ता के दौरान बताया कि वैदिक यूनिवर्सिटी घाना के द्वारा जयपुर में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया जिसमें यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर फेलिक्स ऑफ फ्रॉम यू दजन इंडियन डायरेक्टर डॉक्टर पंकज खटवानी तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विविध क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाले ख्याति प्राप्त श्याम सिंह चौहान, राजन कुमार अरुण कौशांबी, बाल सुनील कुकरेजा, निर्मल कुमार शर्मा, रक्षा कुमार राज नेपाल, हरीश यादव, ममता राजपूत आदि को मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया।

दस गौ-तस्करों के विरुद्ध गैंगेस्टर की कार्रवाई

●संगीन अपराध करने वालों के खिलाफ चल रहा पुलिस का अभियान

●मप्र के गौतस्करों पर भी कसा शिकंजा

संवाददाता। चित्रकूट

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत गौ-तस्करी जैसे संगीन अपराध कारित करके आर्थिक, भौतिक एवं बुनियादी लाभ अर्जित करने वाले 10 शातिर आरोपियों के विरुद्ध धारा 2/3 गैंगेस्टर एक्ट की कार्रवाई की गयी। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

शासन के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ पुलिस 'अधीक्षक वृंदा शुक्ला द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत गौ तस्करी जैसे गंभीर अपराध में लिप्त जिले के दस शातिर अपराधियों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। जिले के थानाध्यक्ष रैपुरा शैलेन्द्र चन्द्र पाण्डेय' द्वारा अभियुक्त गैंगलीडर अजमेर अली उर्फ छोटू पुत्र मुन्ना खान निवासी बछरन थाना पहाड़ी जनपद चित्रकूट, भान सिंह नायक उर्फ गुल्लू पुत्र कन्ना सिंह निवासी पोगरी थाना सोहागपुर जिला शहडोल मप्र, कृष्णा नायक पुत्र अमरा नायक निवासी खेतौली थाना सुहागपुर शहडोल मध्य प्रदेश, शंकरपुर अजय नायक पुत्र अमरा नायक निवासी नेपनिया थाना सुहागपुर शहडोल मप्र, देवा नायक पुत्र हेमा नायक निवासी पटासी थाना सुहागपुर जिला शहडोल मप्र, रमेश कुमार पुत्र शंकर निवासी बछरन थाना पहाड़ी जनपद चित्रकूट, मान सिंह पुत्र खोईया निवासी पैकोरामाफी थाना रैपुरा जनपद चित्रकूट के विरुद्ध थाना रैपुरा में मुअसं 116/2023 धारा 2/3 गैंगेस्ट अधिनियम पंजीकृत कराया गया।

दबंग युवक ने तमंचा लहरा ग्रामीणों को धमकाया

चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र के महुआ गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक तमंचा लेकर लोगों को धमकाते दिख रहा है। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। बुधवार को सवेरे ये वीडियो वायरल हुआ। बताया गया कि राजापुर थाना क्षेत्र के महुआ गांव में जमीनी विवाद को लेकर लोग इसे देवरिया हत्याकांड से जोड़कर देख रहे हैं। महुआ गांव के सत्येंद्र उपाध्याय तमंचा लेकर एक युवक को गाली देते हुए धमका रहा है। लोगों ने कहा कि पुलिस इसमें तत्काल कार्यवाही नहीं करती तो बड़ा हादसा होने के आसार हैं। इस बाबत राजापुर थाना प्रभारी भास्कर मिश्रा ने बताया कि ये वीडियो राजापुर थाना क्षेत्र के महुआ गांव का है।

विद्युत विभाग के खिलाफ मोर्चे में प्रधान संघ ने भी दिया समर्थन

●भ्रष्ट कारनामों का खुलासा होने तक जारी रहेगा संघर्ष

●बिल संशोधनों की जांच कराने की मांग

माधौगढ़, जालौन। विद्युत विभाग के भ्रष्ट रवैये से हर दूसरा आदमी त्रस्त है। माधौगढ़ विद्युत कार्यालय में भ्रष्टाचार की जांच को लेकर चेयरमैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष और उप्र उद्योग व्यापार मंडल ने मोर्चा खोल रखा है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र की जनता भी विद्युत विभाग से परेशान है। नगर में आंदोलन की हुंकार के बाद प्रधान संघ अध्यक्ष ने भी अपना समर्थन दिया है।

विद्युत एसडीओ के भ्रष्ट कारनामों की जांच के लिए इस मसले को उठाने वालों ने शिकायतकर्ताओं के शपथ पत्र लेकर उच्च स्तर पर कार्यवाही कराने की रचना तैयार की है। कई बार सामान्य तौर पर हुई जांचों में एसडीओ अपने उच्चधिकारियों से फीलगुड कर जांचों में बचते रहे हैं। लेकिन इस बार कारनामों का फंदा ऐसा कसता जा रहा है जिसके कारण एसडीओ अभिषेक सोनकर का बच पाना मुश्किल होता जा रहा। जांचों और एफिडेविट के भय से कार्यालय में अवैध तरीके से लिये गए पैसे भी वापिस किये जाने लगे। बल्कि लोगों को पूरे पैसे की रशीद दी गयी। नगर में समीम खान के गलत बिल सुधार के नाम पर 18 हजार रुपये लिए गए, पहले तो 8 दिन किसी ने सुना नहीं, जब मामले ने तूल पकड़ा तो पहले कम पैसों की बाद में पूरे पैसे की रशीद दी गयी।

ऐसे ही कुरसेंडा गांव में इंद्रजीत पुत्र श्रीपाल से धमकाकर 10 हजार रुपये जेई के कारिंदों ने ले लिए थे, एफिडेविट आने के बाद उसके पैसे वापिस कर दिए। ऐसे भ्रष्ट विद्युत विभाग के खिलाफ अब प्रधान संघ के अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने भी अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा कर दी है।

चौपाल लगा कर मानिकपुर विधायक ने सुनीं समस्याएं

चित्रकूट। मऊ-मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में विभिन्न सड़कों का लोकार्पण किया। जनचौपाल में लोगों की समस्यायें सुनी। सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। बुधवार को विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सभी मामलों का निस्तारण कर उन्हें बतायें। आमजनता विधायक को सुनने को आतुर थी। उन्होंने कोटरा खाम्भा में रामकृपाल के दरवाजे से छोटेलाल तिवारी के घर तक 75 मीटर इंटरलाकिंग खड़ंजा, डोंडियामाफी में मेनरोड से शिवपुर तक 340 मीटर, रेरुआ में बारात घर, रवाडी में नाली 110 मीटर व 150 मीटर खड़ंजा निर्माण कराने की घोषणा की। रेरूआ गांव में भ्रमण कर समस्यायें जानीं।

कवियों ने काव्य पाठ के द्वारा बुंदेलखंड की संस्कृति व वीरता का किया बखान

संवाददाता। कोंच, जालौन

बुंदेलखण्ड की संस्कृति व वीरता को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय भाषा उत्सव के उपलक्ष्य में राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उप्र के तत्वावधान में बुधवार को स्थानीय कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलिज में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बुंदेलखण्ड क्षेत्र के कवियों ने अपना काव्य पाठ कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी।

कवि सम्मेलन की शुरूआत मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्या कुंती निरंजन, आनंद खरे, वीरेंद्र कुमार, नीरज खरे ने माँ शारदे की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर की। कवि सम्मेलन की मुख्य आयोजिका राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान की मानद सदस्य एवं प्रगति विचारधारा फाउंडेशन की अध्यक्ष नेहा खरे ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी का स्वागत सम्मान किया। कवि सम्मेलन में पधारे कवि राजेन्द्र सिंह रसिक, हरिओम गुप्ता, नरेन्द्र मोहन मित्र, सुनीलकांत तिवारी, दिनेश मानव, ओंकार पाठक ओम, संतोष तिवारी सरल, ऋतु चतुर्वेदी, संजीव सरस, भाष्कर सिंह माणिक ने काव्य पाठ कर बुंदेलखण्ड की वीर गाथाओं समेत बुंदेलखण्ड के इतिहास का वर्णन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते हुए उनकी खूब तालियां बटोरी। वहीं कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए नेहा खरे ने कहा कि हमारे बुंदेलखण्ड का इतिहास बहुत ही गौरवपूर्ण है और गर्व है कि वह इस मिट्टी की बेटी है।

यहां की संस्कृति को आगे बढ़ाने का प्रयास हमेशा करती रहूंगी और इसके लिए कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाना सबसे अच्छा माध्यम है। संचालन कवि व शिक्षक संजय सिंघाल ने किया।

एमओयू को धरातल पर लाने के बाबत डीएम ने ली समीक्षा बैठक

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में एमओयू को धरातल पर लाने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। डीएम ने सभी संबंधित विभागों को स्व मॉनीटरिंग कर सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नोडल विभाग उद्योग केंद्र प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट एवं किस लेवल पर समस्या आ रही है के संबंध में लिखित रूप से अवगत कराये। जिन उद्यमियों द्वारा कार्य प्रारंभ करा दिया गया है उनके फेटो उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि एमओयू धरातल पर लाने में जिस विभाग की ओर से लापरवाही परिलक्षित हुई तो कार्रवाई अमल में लायी जायेगी।

12 इंस्पेक्टरों का गैर जनपद में हुआ तबादला

फर्रुखाबाद। कानपुर जोन आईजी प्रशांत कुमार ने जिले के 12 इंस्पेक्टर्स का तबादला गैर जनपदों में किया है। इंस्पेक्टर जयप्रकाश पाल का औरैया, इंस्पेक्टर दिनेश कुमार का कन्नौज, इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश का औरैया, इंस्पेक्टर दिवाकर प्रसाद सरोज का इटावा, इंस्पेक्टर सचिन कुमार सिंह का जनपद कन्नौज, इंस्पेक्टर दिलीप कुमार बिंद का कानपुर देहात, इंस्पेक्टर कमलेश कुमार का औरैया, इंस्पेक्टर जयंती प्रसाद गंगवार का कन्नौज, इंस्पेक्टर अशोक कुमार का कानपुर देहात, इंस्पेक्टर रमेश कुमार यादव का इटावा, इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह का इटावा, इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह का कन्नौज के लिए तबादला किया गया है। इंस्पेक्टर जयप्रकाश पाल के पास कोतवाली कायमगंज का चार्ज है।

गंगा पार मेला सकुशल होगा संपन्न तालाब में जल्द ही भरा जायेगा पानी

●पालिकाध्यक्ष ने तालाब का निरीक्षण कर देखी हकीकत

●सेल्फी प्वाइंट भी बनाने के लिये दिया आश्वासन

संवाददाता। कोंच, जालौन

गंगा पार मेला सकुशल संपन्न हो सके इसके लिए सागर तालाब में जल्द ही पानी भरने की उम्मीद जगी है क्योंकि पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने बुधवार को पूरे अमले के साथ तालाब का निरीक्षण किया और पालिका को साफ-सुथरा करने तथा पानी से भरने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सेल्फी प्वाइंट बनाने के लिए भी उन्होंने कहा है।

आगामी 8 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे कोंच की विश्व प्रसिद्ध रामलीला के 171वें महोत्सव को सकुशल संपन्न कराने की तैयारियों के बीच उन स्थानों पर भी साफसफाई और अन्य तैयारियां शुरू हो गई हैं जहां इस रामलीला के मैदानी आयाम सुनिश्चित हैं।

संयुक्त आयुक्त ने किया श्रम सम्मान योजना प्रशिक्षण का निरीक्षण

फतेहपुर। जीटी रोड बाईपास स्थित उदय प्रताप लॉ कॉलेज में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत संचालित हो रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण लाल जीत सिंह संयुक्त आयुक्त उद्योग के द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण में कुम्हारो के द्वारा मिट्टी से बनाए जा रहे बर्तनों का निरीक्षण किया और उनकी सराहना की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त उद्योग मंडली ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्रभारी आशीष मौर्य एवं संबंधित ट्रेड के प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

कागज पर सड़क बना सत्याग्रहियों से मिले अधिकारी, नहीं बनी बात

असोथर, फतेहपुर। विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग निर्माण के लिए नरैनी चौराहे पर जारी सत्याग्रह तीसरे दिन मां दुर्गा की आराधना के साथ शुरू हुआ। दुर्गा चालीसा पाठ में सम्मिलित होने के लिए लोग दिन भर अनशल स्थल पर पहुंचते रहे। सुबह नरैनी चौराहे पर प्राइवेट बस खड़ी होते ही सवारियां नीचे उतर पड़ीं। बस के मुसाफिरों ने वंदे मातरम का जयघोष किया। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति व सड़क संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन से सत्याग्रह शुरू किया। बीआरएस के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय का कहना था कि तीन दशकों से बदहाल पड़े सड़क की सुधि लेने वालों ने वर्षों तक यमुना तटवर्ती गांव के लोगों से धोखा किया है। अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग अनिल कुमार शील बुधवार दोपहर अपनी टीम के साथ सत्याग्रहियों से वार्ता करने गए। अधि. अभि. ने बताया कि शासन ने मार्ग निर्माण को स्वीकृति दे दी है।

पूस की रात पर कहानी पर हुआ नाट्य मंचन

फतेहपुर। संस्कृति मंत्रालय के तत्वाधान में महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद जी की कहानी पूस की रात पर कार्यक्रम का मंचन एवं सेमिनार का आयोजन स्व. गया प्रसाद इंटर कॉलेज मकनपुर विकासखंड भिटौरा में आयोजक संस्था जमरावा महिला मंडल दल फतेहपुर द्वारा किया गया। कहानी के मूल तत्व में गांव व गांव का गरीब व्यक्ति है जो कर्ज से दबा हुआ दीन हीन तथा अभाव से ग्रस्त महान कथाकार द्वारा अपनी कहानी के माध्यम से आम जन के विकास हेतु कार्य करने का संदेश दिया गया जिसमें उच्च स्तरीय मानवीय संवेदना के मूल्यों का समावेश है। कहानी को मंचन के माध्यम से यह भी संदेशित किया गया है।

पेज एक का शेष

एशियाई खेलों...

81.26, 79.76, 86.77 और 87.54 के थ्रो फेंके। उनका पांचवां और छठा थ्रो फाउल रहा। जापान के डीन रौड्रिक गेंकी ने 82.68 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। इसके कुछ पल बाद ही अनस मोहम्मद याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल वी और राजेश रमेश की चौकड़ी ने 3:01.58 सेकंड का समय निकालकर पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। भारत की वित्या रामराज, ऐश्वर्य मिश्रा, प्राची और शुभा वेंकटेशन ने महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया। भारतीय चौकड़ी ने 3:27.85 सेकंड का समय निकाला जबकि बहरीन ने स्वर्ण और श्रीलंका ने कांस्य पदक जीता। हरमिलन बैंस और अविनाश साबले ने क्रमशः महिलाओं की 800 मीटर और पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीते। हरमिलन ने 2:03.75 सेकंड और साबले ने 13.21.09 मिनट का समय निकाला। इससे पहले सुबह भारत के पैदल चाल खिलाड़ियों मंजू रानी और राम बाबू ने 35 किमी मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। महिला और पुरुष स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मंजू और राम बाबू ने कुल पांच घंटे 51 मिनट 14 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन (पांच घंटे 16 मिनट 41 सेकेंड) को स्वर्ण जबकि जापान (पांच घंटे, 22 मिनट 11 सेकेंड) को रजत पदक मिला। पुरुषों की ऊंची कूद में अनिल कुशारे 2.26 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें पदक जीतने के लिए 2.29 मीटर की कूद लगानी थी। जेस्सी संदेश 2.19 मीटर के साथ नौवे स्थान पर रहे। महिलाओं की त्रिकूद में शीना वी नेल्लिकल छठे स्थान पर रही।

सिक्किम में...

के 22 जवानों के लापता होने की सूचना है और 41 वाहन कीचड़ में धंसे हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता कर्मियों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। एक अधिकारी ने बताया, राज्य की राजधानी गंगटोक से 30 किलोमीटर दूर सिंगताम में स्टील से बना एक पुल बुधवार तड़के तीस्ता नदी के पानी में पूरी तरह से बह गया। इस पुल को इंद्रेणी पुल के नाम से भी जाना जाता है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के मुताबिक, बुधवार दोपहर एक बजे तीस्ता नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे था और इसके आसपास बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। सीडब्ल्यूसी ने कहा कि तीन जगहों- मेल्ली, सिंगताम और रोहतक पर तीस्ता का जल स्तर खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन इसके करीब बना हुआ है। गंगटोक से सिंगताम की ओर ट्रैकिंग के लिए निकले कोलकाता के पर्यटक राजीव भट्टाचार्य (25) ने फोन पर बताया, हमने घाटी में तेज गति से पानी की एक विशाल लहर को आते देखा... सौभाग्य से, मैं और मेरे दोस्त ऊंची जगह पर थे और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित नहीं हुए। अब हम वापस गंगटोक जा रहे हैं। नदी में उफान के कारण तीस्ता नदी घाटी क्षेत्र में स्थित डिक्चु, सिंगताम और रंगपो समेत कई कस्बों में भी बाढ़ आ गई है। शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र में कहा कि मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में स्थित सभी स्कूल आठ अक्टूबर तक बंद रहेंगे। अधिकारियों ने कहा कि सिक्किम और देश के बाकी हिस्सों के बीच मुख्य संपर्क राष्ट्रीय राजमार्ग-10 के कुछ हिस्से बह गए, साथ ही, उत्तर बंगाल और बांग्लादेश के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है, जहां से तीस्ता बहती है।सिक्किम में अपने घर जा रही कॉलेज छात्रा डोल्मा भूटिया ने फोन पर बताया, हम सिलीगुड़ी से गंगटोक जा रहे थे जब हमारी कार को स्वेतझोरा इलाके में रुकने के लिए मजबूर होना पड़ा। लगातार बारिश के कारण सड़क के नीचे चट्टान और मिट्टी खिसकने से एनएच-10 का एक हिस्सा धंस गया था। सौभाग्य से, बारिश के कारण सभी कारें धीरे-धीरे चल रही थीं, अन्यथा जमीन धंसने से कई वाहन उसमें समा सकते थे। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के पुलिस अधिकारियों ने कहा कि रायगंज जिले के दो युवक -स्वर्णद्वीप मजूमदार (23) और श्रीकांत मजूमदार (27) और झारखंड का ईशान बुधवार को सिक्किम में लापता हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों छुट्टियां मनाने शनिवार को मोटरसाइकिल से सिक्किम रवाना हुए थे। रायगंज के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मंगलवार सुबह से उनका पता नहीं लगाया जा सका है क्योंकि उनके मोबाइल नंबर पहुंच से बाहर हैं। हमने मदद के लिए सिक्किम पुलिस से संपर्क किया है। अधिकारियों ने बताया कि दो अन्य पुल लैंको हाइडल बिजली परियोजना के पास तीस्ता में आए उफान के कारण गिर गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कई राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहां सैकड़ों लोगों ने शरण ली है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) ने कहा कि ल्होनक झील के कुछ हिस्सों पर बादल फटने से तीस्ता नदी घाटी पर झील में अचानक जलस्तर बढ़ गया, जिससे मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में कई प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री तमांग ने तीस्ता नदी घाटी में अचानक आई बाढ़ के कारण हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सिंगताम का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने सिंगताम नगर पंचायत कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और उनसे स्थिति पर नजर रखने को कहा। तमांग ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण वक्त में, मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित हुए सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार जरूरतमंद लोगों को सभी आवश्यक सहायता और राहत उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम स्थिति की गंभीरता को समझते हैं और अपने नागरिकों की सुरक्षा एवं कुशलता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे समर्पित दल इस आपदा से उत्पन्न चिंताओं और चुनौतियों से निपटने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के सरकारी अधिकारियों ने बताया कि राज्य में पिछले कुछ दिनों हुई मूसलाधार बारिश के अलावा तीस्ता नदी में जल स्तर बढ़ने से कलिम्पोंग, दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों में कई स्थान प्रभावित हुए हैं, जहां प्रशासन ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है।

विशेषाधिकारी सीमिति...

पहले अली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने भी इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का आग्रह किया था। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ने सभी शिकायतों को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया था।

आबकारी मामले...

था। कारोबारी पर आरोप है कि वह सिसौदिया का करीबी सहयोगी है। एक पूरक आरोप पत्र में, ईडी ने सिसोदिया पर दिनेश अरोड़ा के माध्यम से एक अन्य व्यवसायी और मामले में आरोपी अमित अरोड़ा से रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। एजेंसी ने इस रिश्वत को पीएमएलए के तहत 'अपराध की कमाई' करार दिया है। ईडी ने मई में दायर अपनी अभियोजन शिकायत (पुलिस की भाषा में आरोपपत्र) में तर्क दिया कि अमित अरोड़ा ने जीओएम रिपोर्ट/आबकारी नीति 2021-22 में अपने पक्ष में नीति परिवर्तन कराने के लिए दिनेश अरोड़ा के माध्यम से मनीष सिसोदिया को 2.2 करोड़ रुपये का भुगतान किया... यह राशि सीधे तौर पर एक सरकारी अधिकारी को रिश्वत है और पीएमएलए, 2002 की धारा 2(1)(यू) के तहत यह अपराध की आय है इस तरह, मनीष सिसौदिया ने अपराध की इस आय के सृजन में भाग लिया। यह मूल सीबीआई मामले में आरोपी से सरकारी गवाह बने (अभियोजन गवाह) को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने का एक दुर्लभ उदाहरण था, जबकि दो संघीय एजेंसियों ने एक ही अपराध और संबंधित पीएमएलए मामले की जांच की थी। ईडी और सीबीआई ने आरोप लगाया है कि 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी शुल्क नीति ने गुटबंदी की अनुमति दी और लाइसेंस के लिए रिश्वत देने वाले कुछ डीलरों का पक्ष लिया। हालांकि, दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस आरोप का जोरदार खंडन किया है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा कथित भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की सिफारिश करने के बाद आबकारी शुल्क नीति को रद्द कर दिया गया था। अपने नेता के आवास पर तलाशी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आप ने आरोप लगाया कि ईडी ने सिंह को 'निशाना' बनाया है क्योंकि उन्होंने संसद में अडानी समूह से संबंधित मुद्दे उठाए थे। आप प्रवक्ता रीना गुप्ता ने कहा कि संजय सिंह अडानी के मुद्दे पर सवाल उठाते रहे और इसी वजह से उनके आवास पर छापेमारी की जा रही है। केंद्रीय एजेंसियों को पहले भी कुछ नहीं मिला और आज भी कुछ नहीं मिलेगा। कल उन्होंने पत्रकारों के और आज संजय सिंह के आवास पर छापेमारी की। ईडी की कार्रवाई के बाद, राजद नेता मनोज झा और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सिंह की गिरफ्तारी पर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की आलोचना की और कहा कि सरकार बिहार जाति सर्वेक्षण के परिणामों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। झा ने कहा कि राज्यसभा में हमारे मित्र संजयजी को सिर्फ ईडी ने गिरफ्तार नहीं किया है। उन्हें भाजपा के सहायक संगठनों ने गिरफ्तार किया है, जिसमें ईडी, आईटी (आयकर विभाग) और सीबीआई (केंद्रीय ब्यूरो) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि काले दिन शुरू हो गए हैं। कल (मंगलवार) न्यूज़क्लिक से जुड़े पत्रकारों को निशाना बनाया गया, आज संजयजी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच, पृष्ठभूमि देखें, जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट सामने आई और प्रधानमंत्री परेशान हैं। उन्हें हेडलाइन प्रबंधन करना होगा और विपक्ष को भी डराओ। यह भविष्यवाणी करते हुए कि इस तरह की कार्रवाइयां जारी रहेंगी, राजद नेता ने आगे कहा कि उनके पास कोई राजनीतिक साधन नहीं बचा है... वे हमें डराने के लिए प्रत्येक विपक्षी नेता को निशाना बना रहे हैं। पीडीपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग और हथियार बनाया जा रहा है। मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसा लगता है कि (सत्तारूढ़ दल) आम चुनावों से पहले जो भी समान अवसर बचा है उसे नष्ट करने के लिए गिरफ्तारी की होड़ में है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियों को हथियार बनाया जा रहा है और उनका दुरुपयोग किया जा रहा है। लेकिन फिर यह वही पार्टी है जिसने इंडिया गठबंधन के बारे में अपनी असुरक्षा के कारण इस देश का नाम लगभग बदल दिया है।

दिल्ली आर्मी...

हानि वाले बच्चों में एक ही समय में दोनों कानों में लगाए जाते हैं, विशेष रूप से उन शिशुओं और बच्चों के लिए जो बोलना और भाषा को संसाधित करना सीख रहे हैं।

भर्ती घोटाले...

के उदाहरण के अलावा कुछ नहीं है। तृणमूल कांग्रेस ने राष्ट्रीय राजधानी में दो और तीन अक्टूबर को प्रदर्शन किया था और इस दौरान उनके नेताओं को हिरासत में लिया गया था। पार्टी सांसदों, राज्य के मंत्रियों एवं मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) कामगारों सहित समर्थकों के साथ बनर्जी ने नई दिल्ली में मंगलवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन का आयोजन किया था। एक दिन पहले महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट में उन्होंने दो घंटे का धरना दिया था जिसके बाद उन्हें पुलिस द्वारा हटा दिया गया था। तृणमूल कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों को किसी को समन भेजने से पहले तृणमूल कांग्रेस से विचार विमर्श करने की आवश्यकता नहीं होती है। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता सामिक भट्टाचार्य ने कहा, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) घोटाला मामले में जांच अदालत के निर्देशानुसार की जा रही है। अगर तृणमूल कांग्रेस को किसी बात का डर नहीं है तो वे केंद्रीय एजेंसियों के समक्ष पेश होने से बच क्यों रहे हैं? अगर उन्हें कोई शिकायत है तो वे कानूनी उपाय तलाश सकते हैं। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में बनर्जी से ईडी ने 12 सितंबर को करीब नौ घंटे पूछताछ की थी। इसके बाद बनर्जी ने कहा था कि ये पूछताछ उन्हें विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की बैठक में हिस्सा लेने से रोकने का प्रयास था और यह इस बात का प्रमाण है कि टीएमसी विपक्षी एकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ईडी अभिषेक बनर्जी से कोयला चोरी मामले में दो बार-2021 में राष्ट्रीय राजधानी में एजेंसी के कार्यालय में और 2022 में कोलकाता में पूछताछ कर चुकी है।

तीन वैज्ञानिकों को रसायन विज्ञान का नोबेल

● सूक्ष्म क्वांटम डॉट्स पर काम के लिए मिला सम्मान

भाषा। स्टॉकहोम

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के तीन वैज्ञानिकों मौंगी बावेंडी, लुई ब्रूस और एलेक्सी एकिमोव को सूक्ष्म क्वांटम डॉट्स पर उनके काम के लिए देने की घोषणा की गई है। क्वांटम डॉट्स सूक्ष्म कण होते हैं जो बहुत चमकीले रंग का प्रकाश छोड़ सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और चिकित्सा जगत में इमेजिंग में इनका इस्तेमाल किया जाता है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के मौंगी बावेंडीअ कोलंबिया विश्वविद्यालय के लुई ब्रूस और नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी इंक के एलेक्सी एकिमोव को केवल कुछ परमाणुओं के व्यास वाले सूक्ष्म कणों पर उनके काम के लिए सम्मानित करने की घोषणा की।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने कहा, इन सूक्ष्म कणों में विशिष्ट गुण होते हैं और आजकल टेलीविजन स्क्रीन और एलईडी लैंप से रोशनी फैलाने में इस्तेमाल होते हैं। वे रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करते हैं और उनकी स्पष्ट रोशनी एक सर्जन के लिए ट्यूमर ऊतक को रोशन कर सकती है। पुरस्कार प्रदान करने वाली नोबेल समिति की सदस्य पर्निला विटिंग स्टैफशेड ने कहा, यह क्यों मायने रखता है...इसलिए कि क्या हम ऐसे सूक्ष्म कण बना सकते हैं जिन्हें कोई नहीं देख सकता है, लेकिन उनमें रंग होते हैं? उन्होंने कहा, यह वास्तव में आज चिकित्सा और प्रौद्योगिकी दोनों क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है...टीवी पर, सेलफोन के डिस्प्ले में, जो चमकीले रंग बनाने के लिए अंदर क्वांटम डॉट्स का इस्तेमाल करते हैं। सम्मानित किए जाने वाले वैज्ञानिकों के नाम के लीक होने का भी मामला सामने आया क्योंकि स्वीडिश मीडिया ने पुरस्कार की घोषणा से कुछ घंटे पहले विजेताओं के नाम की खबर प्रसारित की। अग्रिम सूचना गलती से जल्दबाजी में भेजी गई एक समाचार विज्ञप्ति से मिली थी। क्वांटम डॉट्स प्रकाशित होने या प्रकाश के संपर्क में आने पर नीले, लाल या हरे रंग में चमकते हैं। वे जो रंग उत्सर्जित करते हैं वह सूक्ष्म कणों के आकार पर निर्भर करता है। बड़े डॉट्स लाल चमकते हैं, और छोटे डॉट्स नीले रंग में चमकते हैं। रंग परिवर्तन इस बात पर निर्भर करता है कि इलेक्ट्रॉन कम या ज्यादा सीमित स्थानों में कैसे कार्य करते हैं।

मौंगी बावेंडी

लुई ब्रूस

एलेक्सी एकिमोव

भौतिकविदों ने 1930 के दशक में ही डॉट्स के इन रंग-परिवर्तन गुणों का पूर्वानुमान व्यक्त किया था, लेकिन अगले पांच दशकों तक प्रयोगशाला में विशिष्ट नियंत्रित आकार के क्वांटम डॉट्स बनाना संभव नहीं हो पाया। एकेडमी ने कहा कि एकिमोव (78) और ब्रूस (80) प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अग्रदूत रहे हैं, जबकि बावेंडी (62) को क्वांटम डॉट्स के उत्पादन में क्रांति लाने का श्रेय दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग पूर्ण कण उत्पन्न हुए। एकेडमी ने कहा कि अनुप्रयोगों में इस्तेमाल के लिए यह उच्च गुणवत्ता आवश्यक थी। आधिकारिक तौर पर तीन विजेताओं की घोषणा करने के बाद, एकेडमी के महासचिव हंस एलेग्रेन ने कहा कि स्वीडिश अकादमी इस बात की जांच करेगी कि जानकारी पहले ही कैसे सामने आ गई। एलेग्रेन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक प्रेस विज्ञप्ति भेजी गई थी, जिसके कारण अभी ज्ञात नहीं हैं। हम यह जानने के लिए प्रयास कर रहे कि वास्तव में क्या हुआ था। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, जो हुआ उसका हमें अफसोस है। प्रत्एक पुरस्कार के लिए एक समिति पूरे वर्ष सिलसिलेवार बैठकों में उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा करती है। प्रक्रिया के अंत में, समिति वोटिंग के लिए एकेडमी को एक या अधिक प्रस्ताव प्रस्तुत करती है। विजेताओं के अलावा नामित व्यक्तियों के नाम सहित विचार-विमर्श को 50 वर्षों तक गोपनीय रखा जाता है। बावेंडी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह आश्चर्यचकित, स्तब्ध, और बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों को 90 के दशक के मध्य में इसके निहितार्थों का एहसास हुआ कि कुछ वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग हो सकते हैं।

नामों का पहले ही खुलासा हो जाने के बारे में पूछे जाने पर बावेंडी ने कहा कि एकेडमी द्वारा सूचित किए जाने के बाद ही उन्हें पुरस्कार के बारे में पता चला। कोलंबिया में एमेरिटस प्रोफेसर ब्रूस ने कहा कि जब सुबह स्वीडिश एकेडमी से उन्हें सूचित करने के लिए फोन आया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, रात के समय फोन आया था, लेकिन मैंने इसका जवाब नहीं दिया क्योंकि मैं नींद लेने की कोशिश कर रहा था। आखिरकार जब ब्रूस सुबह 6 बजे उठे तो उन्होंने ऑनलाइन समाचार देखा। ब्रूस ने कहा, मैं निश्चित रूप से इसकी उम्मीद नहीं कर रहा था। ब्रूस ने कहा कि रसायन विज्ञान के जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, उसे मान्यता मिलने से वह खुश हैं। उन्होंने कहा कि क्वांटम डॉट्स के व्यावहारिक अनुप्रयोग, जैसे फ्लैटस्क्रीन टीवी में रंग बनाना, कुछ ऐसी चीजें हैं जिनकी वह उम्मीद कर रहे थे जब उन्होंने दशकों पहले काम शुरू किया था। एकिमोव न्यूयॉर्क स्थित कंपनी नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक हैं, जहां उन्होंने 1999 में काम करना शुरू किया था। स्वीडिश एकेडमी ने उन्हें 1980 के दशक की शुरुआत में यह प्रदर्शित करने का श्रेय दिया कि तांबे के क्लोराइड नैनोकणों का आकार कांच में रंगों को प्रभावित करता है। मंगलवार को, भौतिकी का नोबेल पुरस्कार इस बार उन तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है।

कनाडा में संसद के निचले सदन में पहला अश्वेत स्पीकर चुना गया

एपी। ओटावा

कनाडा की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर के रूप में ग्रेग फर्गस को चुना गया है। इस पद को संभालने वाले वह पहले अश्वेत हैं। पूर्व स्पीकर एंथनी रोटा के इस्तीफे से यह पद खाली हुआ था। उन्होंने करीब एक सप्ताह पहले स्पीकर पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ही निचले सदन के नए स्पीकर का चुनाव हुआ। करीब एक माह पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा कनाडाई संसद को संबोधित किया था। इस दौरान स्पीकर एंथनी रोटा ने जब 98 वर्षीय यारोस्लाव हुंका की ओर ध्यान आकर्षित कराया तो सांसदों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। रोटा ने हुंका को फर्स्ट यूक्रेनियन डिविजन के लिए लड़ाई लड़ने वाला युद्ध नायक करार दिया। बाद में यह पता चला कि इस डिवीजन ने नाजियों के कमान में लड़ाई लड़ी थी। इसके बाद रोटा को माफी मांगनी पड़ी और उन्होंने अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया। नए स्पीकर फर्गस क्यूबेक लिबरल पार्टी के सांसद हैं।गुप्त मतदान के माध्यम से मंगलवार को सांसदों द्वारा उन्हें इस भूमिका के लिए चुना गया। उन्होंने सम्मान के साथ नेतृत्व करने का वादा किया और अपने साथी सांसदों को एक-दूसरे का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

रूस ने आपात स्थिति से निपटने की तैयारी देखने को राष्ट्रव्यापी अभ्यास किया

मास्को (भाषा)। रूस ने यूक्रेन के साथ जंग के बीच आपात स्थिति से निपटने से देश की तैयारी को देखने के लिए बुधवार को राष्ट्रव्यापी अभ्यास किया। इसके तहत समूचे रूस में सायरन बजाए गए और टीवी स्टेशन ने नियमित कार्यक्रमों को रोककर चेतावनी का प्रसारण किया। यूक्रेनी ड्रोन द्वारा मास्को और अन्य शहरों पर हमले के बाद मंगलवार को यह अभ्यास शुरू किया गया। अभ्यास चलने के बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणाली ने बुधवार तड़के सीमावर्ती क्षेत्रों में यूक्रेन के 31 डोन को मार गिराया। अभ्यास के तहत, टीवी चैनलों ने एक नोटिस का प्रसारण किया जिसमें लिखा गया था, सभी सावधान हो जाएं। सार्वजनिक चेतावनी प्रणाली की तैयारी का परीक्षण किया जा रहा है। कृपया शांत रहें। रूसी मीडिया ने कहा कि अभ्यास में परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष के बढ़ते खतरे का उल्लेख किया गया है और ऐसी स्थिति पर प्रतिक्रिया का अनुकरण किया गया है।

LOST & FOUND

This Public at large is hereby notify that my client M/s Sharmis Estates Pvt. Ltd. having its registered office at H. No.8 -3-1055, Plot No.139, Sri Nagar Colony, Hyderabad - 500073 is the absolute and lawful owner of Apartment No. T-08-06-01 situated at The Common Wealth Games Village, Located off NH-24, Adjacent to Akshardham Temple at Noida Crossing, Delhi-110092. That the Original Apartment Buyer 's Agreement dated: 01/12/ 2009 along with Possession Letter, Allotment Letter and Payment Receipt has been all lost/misplaced by me and it is not traceable by my best efforts and for the same I have filed NCR vide L.R. No. 957043 /2023, Dated: 01/ 10/2023 If anyone found or have any objection/Claim for any type such as any Loan, Mortgage, Surety, Security etc. Over the said property regarding the above said original documents, then contact to the undersigned within 15 days of this Notice. There after no body have any right on the said property

SAHIL ARORA (ADVOCATE)
Office No.107, First Floor
M.S.Chambers, Aruna Park
Laxmi Nagar, Delhi-110092

पोप फ्रांसिस ने जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक नेताओं को चेताया

एपी। वेटिकन सिटी

पोप फ्रांसिस ने पर्यावरण पर अपने ऐतिहासिक 2015 पोप-परिपत्र को अद्यतन कर बुधवार को जारी किया। इसमें उन्होंने वैश्विक नेताओं को चेताया है और बाध्यकारी लक्ष्यों के जरिए जलवायु परिवर्तन की गति को धीमी करने का आह्वान किया है। पोप ने परिपत्र में चेताया है कि तेजी से गर्म होती पृथ्वी बहुत तीव्र गति से ऐसे बिंदु के निकट पहुंच रही है जहां से वापसी करना मुश्किल है। फ्रांसिस ने कहा कि अब तक हुए इस भारी नुकसान को रोकने में दुनिया असमर्थ है। उन्होंने कहा, हमारे पास आगे होने वाली अधिक भयानक क्षति को रोकने के लिए समय भी बहुत कम है। परिपत्र, प्रेज गॉड, असीसी के सेंट फ्रांसिस समारोह के मौके पर जारी किया गया और इसका उद्देश्य वार्ताकारों को दुबई में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की वार्ता के अगले दौर में बाध्यकारी जलवायु लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए प्रेरित करना था।

पोप ने लोगों और ग्रह को पहले से ही हो रहे नुकसान के बारे में चेताया। उन्होंने अफसोस जताया कि एक बार फिर, दुनिया के गरीब और सबसे कमजोर लोगों को इसकी सबसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। सटीक वैज्ञानिक आंकड़ों, तीखे कूटनीतिक एवं धार्मिक तर्कों का उपयोग करते हुए, फ्रांसिस ने दुनिया के लिए जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने की अनिवार्यता पर जोर दिया। पोप फ्रांसिस ने संरचनात्मक रूप से विकृत आर्थिक प्रणाली को सही करने के लिए एक साहसिक सांस्कृतिक क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अपने प्रयासों का अद्यतन करना आवश्यक है क्योंकि हमारी प्रतिक्रियाएं पर्याप्त नहीं रही हैं। उन्होंने उन आंकड़ों का हवाला दिया जिनमें कहा गया है कि औद्योगिक क्रांति के बाद से और विशेष रूप से पिछले 50 वर्ष में उत्सर्जन और वैश्विक तापमान में तेजी से वृद्धि में हुई है। दुबई में 30 नवंबर से शुरू होने वाली संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता के अगले दौर से पहले इस परिपत्र को जारी किया गया। वर्ष 2015 के ऐतिहासिक पेरिस समझौते में दुनिया के देश वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने पर सहमत हुए थे।

पोप ने कैथलिक चर्च के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से धर्मसभा की शुरुआत की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने कैथलिक चर्च के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से बुधवार को एक धर्मसभा की शुरुआत की और कहा कि इसमें शामिल होने वाले हर व्यक्ति का स्वागत है। वेटिकन में बिशप और आमजन कैथलिक चर्च के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए बंद कमरे में बैठक करेंगे। इस दौरान, भविष्य के चर्च में महिलाओं की भूमिका एवं एलजीबीटीक्यू प्लस कैथलिक के स्वागत जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे चर्चा के बिंदु होंगे। यह धर्मसभा तीन सप्ताह तक चलेगी। पोप फ्रांसिस ने वैचारिक विभाजन की बात स्वीकार की, लेकिन लोगों से इसे एक तरफ रखने का आग्रह किया। इस धर्मसभा के एजेंडे में अधिक महिलाओं को चर्च में निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में शामिल करने के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया गया है। यह बैठक शुरू होने से पहले ही फ्रांसिस ने किसी भी अंतिम दस्तावेज को लेकर महिलाओं और आम लोगों को बिशप के साथ वोट देने का फैसला किया था। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के पांच रूढ़िवादी कार्डिनल ने वेटिकन में एक बड़ी धर्मसभा से पहले पोप फ्रांसिस से समलैंगिकता और महिलाओं की भूमिका को लेकर कैथलिक शिक्षा की पुष्टि करने का अनुरोध किया था।

नेपाली ने सांप्रदायिक तनाव रोकने के लिए सीमावर्ती शहर में लागू कर्फ्यू और सख्त किया

● सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुए सांप्रदायिक संघर्ष में मंगलवार को पांच सुरक्षा कर्मियों समेत कम से कम 22 जख्मी हो गए थे

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रशासन ने सांप्रदायिक तनाव की वजह से सीमावर्ती शहर में लगाए गए अनिश्चितकालीन कर्फ्यू को बुधवार को और सख्त कर दिया। वहीं प्रशासन ने भारत से देश में प्रवेश कर रहे लोगों को सुरक्षा कर्मियों के जरिए उनके गंतव्य तक पहुंचाया।

राजधानी काठमांडू से करीब 400 किलोमीटर दूर नेपालगंज में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हुए सांप्रदायिक संघर्ष में मंगलवार को पांच सुरक्षा कर्मियों समेत कम से कम 22 लोग जख्मी हो गए थे। झड़प के बाद बांके जिला प्रशासन ने मंगलवार दोपहर एक बजे से अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लागू कर दिया था। इस शहर की सीमा उत्तर प्रदेश से लगती है। बांके के मुख्य जिला अधिकारी बिपिन आचार्य ने कहा कि कर्फ्यू को सख्त कर दिया गया है, और जमुनहा प्रवेश स्थल से नेपाल में आने लोगों को सुरक्षा कर्मियों के साथ उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन शहर में मामले को हल करने के लिए जल्द से जल्द एक सर्वदलीय बैठक बुलाएगा।

जमुनहा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिन बहादुर बिस्ता के अनुसार, अब तक भारत से आए 1,500 नेपालियों को उस स्थान तक सुरक्षित पहुंचाया गया है, जहां से वे सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि नेपाली लोग शिमला, कालापहाड़ और दिल्ली सहित भारत के विभिन्न स्थानों से जिले के जमुनहा के रास्ते वतन लौट रहे हैं। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने सभी लोगों से तनाव को कम करने के लिए सहयोग करने एवं सामाजिक और धार्मिक सद्भाव को खतरे में डालने वाली कोई भी सामग्री सोशल मीडिया पर साझा नहीं करने का आग्रह किया है। नेपालगंज स्थित राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं, नागरिक संगठनों के कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों ने शहर में शांति और सद्भाव बहाल करने की अपील की है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान सेना के प्रमुख से बात की

वाशिंगटन, इस्लामाबाद (भाषा)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बात की और पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों की घटनाओं में वृद्धि के बीच पारस्परिक हित के मुद्दों और हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रम पर विचार-विमर्श किया। अमेरिकी रक्षा विभाग ने वाशिंगटन में कहा कि रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने मंगलवार को पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मुनीर से फोन पर बात की। पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने शीर्ष अधिकारियों के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत की पुष्टि की और कहा, उन्होंने आपसी हित से जुड़े मुद्दों और हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा की। जियो न्यूज की खबर के अनुसार यह दूसरी बार है जब जनरल मुनीर और अमेरिकी रक्षा मंत्री ने फोन पर बात की है। खबर के अनुसार आखिरी बार उन्होंने इस साल जनवरी में बात की थी, जब अमेरिकी रक्षा मंत्री ने जनरल मुनीर को सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई देने के लिए फोन किया था। डॉन न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया है। अमेरिका और पाकिस्तान ने भी इस चर्चा के बारे में विवरण जारी नहीं किया है। डॉन न्यूज के अनुसार, पिछले साल नवंबर में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा पाकिस्तान सरकार के साथ अपना संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद, पाकिस्तान में, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है।

सार्वजनिक सूचना

हमने मेसर्स अॅटलास प्लेसमेंट, पंजीकृत संख्या – ००४०/एमयुएम/पीइआर /१००० +/५/६४००/२००३ उत्प्रवास अधिनिय, १९८३ के तहत दिल्ली शाखा और मुंबई मुख्यालय के जनशक्ति निर्यात के कामकाज तारीख ३०.०९.२०२३ से तत्काल प्रभाव से बंद कर दिये है | यदी हमारे खिलाफ कोई शिकायत है, तो उसे इस सूचना के प्रकाशन के ३० दिनोंके भितर भेज सकते है | शिकायत की प्रतियां प्रोटेक्टर जनरल ऑफ एमिग्रंट्स, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, अकबर भवन, सत्य मार्ग, चाणक्य पुरी, नयी दिल्ली- ११००२१ को भेज सकते है|

दस्त/-
मालिक
मेसर्स अॅटलास प्लेसमेंट
७३-सी, प्रेम कॉम्प्लेक्स, पहली मंजिल, तैमुर नगर, गुरुद्वारा रोड, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नयी दिल्ली – ११००२५
स्थान : मुंबई तारीख : ०५.१०.२०२३

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) EICHR_VECV EICPRO2114 REG. NO.DL1GE2056-YOM-2022
2) MAH MBLAZO55 REG. NO.UP14KT2987-YOM-2021
3) MAH BOLPIKUP REG. NO.UP15FT0172-YOM-2021
4) TATAMOTORS T1512G REG. NO.DL1GE0893-YOM-2022
5) TATAMOTORS LPT_2518T REG. NO.NL01AB8522-YOM-2018
6) ASHOK_LEY ECOMET1615 REG. NO. HR58C4102-YOM-2022
7) TATAMOTORS TATAACE REG. NO.DL1LAF9053-YOM-2021
8) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO.DL1LAJ0620-YOM-2022
9) TATAMOTORS TATAACE REG. NO.DL1LAH9398-YOM-2022
10) SWRJ_MAZDA SM_SAMRAT REG. NO. UP14LT2642-
11) SML SMLSARTAJ REG. NO.UP14LT2645-YOM -2022
12) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO.DL1LAH9205-YOM-2022
13) SWRJ_MAZDA SM_SAMRAT REG. NO. UP14LT2643-
14) SML SMLSARTAJ REG. NO.UP14LT2645- YOM-2022
15) TATAMOTORS LPT909CH REG. NO.UP14GT7601-YOM-2018
16) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO.DL1LAH9205-YOM-2022
17) TATA LPT709CH REG. NO.DL1LAG5693-YOM-2022
18) TATAMOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAL1097
19) TATAMOTORS TATAACE REG. NO.DL1LAJ1062-YOM-2022
20) EICHR_VECV ECHPRO2110 REG. NO. HR55AL9402-YOM-2022
21) TATAMOTORS TACEGOLD REG. NO.UP12CT0078-YOM-2022

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO.8377988238 EMAIL – raman.ahuja@kotak.com

प्रपत्र सं. 3

[विनियम–15 (1) (क) / 16 (3) देखें]

ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 2) प्रथम तल एससीओ 33–34–35, सेक्टर–17 ए, चंडीगढ़ (तृतीय एवं चतुर्थ तल पर भी अतिरिक्त स्पेस आबंटित)

वाद सं. : ओ.ए. / 1048 / 2023

ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम 5 के उप-नियम (2क) के साथ पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत सम्मन ईश्तहार। नंबर : 20396

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

बनाम

प्रशांत कुमार राय

सेवा में,

(डी–2) ज्योत्सना राय पत्नी श्री प्रशांत कुमार राय ए–2, ऑफ – 11 एसएनजी जीडीएन 11, गाजियाबाद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

अन्य पता – फ्लैट नंबर 201, द्वितीय तल, शिव राज रेजीडेंसी, ठिकारिया बागरू खुर्द और मम्भोरिया सांगानेरवी प्लॉट नंबर जीएच 3, आमैक्स सिटी ग्राम सारंगपुरा जयपुर, जयपुर, राजस्थान

अन्य पता – यू–40/25–26, प्रथम तल, डीएलएफ फेज–3, साइबर सिटी गुरुग्राम, गुरुग्राम, हरियाणा

सम्मन

जबकि, ओए/1048/2023 माननीय पीठ अधिकारी/ रजिस्ट्रार के समक्ष 02–09–2023 को पेश किया गया था।

जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. 34,93,885/– की ऋण वसूली के लिए आपके विरूद्ध दाखिल किए गए (ओए) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है (दस्तावेजों इत्यादि की प्रतियों सहित आवेदन संलग्न है)।

अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत आप प्रतिवादी(यों) को निम्न निर्देश भी दिया जाता है :–

i) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए ;

ii) मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें ;

iii) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है ;

iv) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे ;

v) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।

आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवदेक को मुहैया कराने तथा दिनांक 04–12–2023 को पूर्वा. 10.30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर 21–09–2023 को दिया गया।

सम्मन जारी करने हेतु प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

बाली में हिंदू मंदिर में निर्वस्त्र ध्यान करने वाले विदेशी की तलाश शुरू

सिंगापुर (भाषा)। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने पर्यटन स्थल बाली स्थित एक हिंदू मंदिर में निर्वस्त्र होकर ध्यान करते देखे गए विदेशी व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी है क्योंकि इसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। द बाली सन नामक समाचार वेबसाइट ने मंगलवार को बताया कि जिस इंस्टाग्राम अकाउंट से सबसे पहले वीडियो साझा किया गया था, उसमें अब कुछ भी नहीं है। लेकिन इस बीच एक नए अकाउंट से विवादास्पद फुटेज के स्पूफ (मूल वीडियो की नकल) पोस्ट किए गए हैं।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं, प्रदीप कुमार जयसवाल, निवासी #1568, सी1, वसंत कुंज दिल्ली-110070, ने सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए अपनी बेटी (नाबालिग) का नाम 'अराधिता पी. जयसवाल' से बदल कर 'अराधिता जयसवाल' कर दिया हैं। हलफनामा दिनांक 04/09/2023, नोट्री द्वारा - ओमवीर सांगवान.

PD(170)A

अक्षता मूर्ति सबसे अच्छे दोस्त सुनक का परिचय देने के लिए पहली बार राजनीतिक मंच पर आईं

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति ने बुधवार को राजनीतिक मंच पर पहली बार पदार्पण किया। वह मैनचेस्टर में कंजरवेटिव पार्टी के सम्मेलन में अपने पहले भाषण के लिए सबसे अच्छे दोस्त ऋषि सुनक का परिचय देने के लिए सामने आईं। अक्षता ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने संबोधन के दौरान दावा किया कि उनके पति वार्षिक सम्मेलन के लिए बिना निमंत्रण के उनके आने से अनजान थे और उनके (अक्षता) फैसले ने उनकी बेटियों- कृष्णा और अनुष्का को भी हैरान कर दिया।

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता (43) ने सुनक की कई उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और बताया कि वह उनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से प्रभावित हुईं जब वे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में छात्रों के रूप में मिले थे। अक्षता ने कहा, ऋषि और मैं एक दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हैं। हम एक टीम हैं और मैं उनके और पार्टी के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए आज यहां के अलावा कहीं और होने की कल्पना भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ऋषि और मेरी मुलाकात तब हुई जब हम 24 साल के थे। उस समय हम दोनों अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे। शुरू से ही, मैं उनके बारे में दो बातों से प्रभावित हुई थी...अपने घर, ब्रिटेन के प्रति उनका गहरा प्यार और यह सुनिश्चित करने की उनकी ईमानदार इच्छा कि अधिक से अधिक लोगों को अवसर मिले। ऋषि के साथ रहने का फैसला करना, मेरी जिंदगी का सबसे आसान फैसला था। अक्षता के अनुसार, एक शब्द जो उनके पति को व्यक्त करता है वह है आकांक्षा , जो उन्हें ब्रिटेन के बेहतर भविष्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती है। अपने संबोधन में हल्के-फुल्के पलों के दौरान, अक्षता ने सुनक की रोमांटिक कॉमेडी को पसंद करने के बारे में मीडिया की खबरों की पुष्टि की और उन्हें मजेदार, विचारशील और दयालु बताया।

ब्रिटेन एक नस्लवादी देश नहीं हैः सुनक

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन एक नस्लवादी देश नहीं है और उनकी गाथा एक ब्रिटिश कहानी है। सुनक ने पार्टी नेता के रूप में कंजरवेटिव पार्टी के अपने पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिटेन एक नस्लवादी देश नहीं है और उनकी त्वचा का रंग कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कार्यभार संभालने के लगभग एक साल बाद इस भाषण को अपने राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण भाषण करार दिया। सुनक ने अपनी योजनाओं के बारे में बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले चुनावों में उन्हें ब्रिटिश जनता का जनादेश मिलेगा। सुनक ने कहा, कभी भी किसी को यह न कहें कि यह एक नस्लवादी देश है। ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, मेरी गाथा एक ब्रिटिश कहानी है। एक कहानी इस बारे में है कि कैसे एक परिवार तीन पीढ़ियों तक थोड़े से लोगों के साथ डाउनिंग स्ट्रीट तक पहुंच सकता है। उन्होंने दर्शकों में अपने अग्रिम पंक्ति के कैबिनेट सदस्यों की ओर इशारा किया, जिनमें भारतीय मूल की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन और ऊर्जा मंत्री क्लेयर कॉटिन्हो भी शामिल थीं। उन्होंने कहा, मुझे पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री होने पर गर्व है, लेकिन आप जानते हैं, मुझे इससे भी अधिक गर्व है कि यह कोई बड़ी बात नहीं है। और बस याद रखें: यह कंजरवेटिव पार्टी थी जिसने ऐसा किया, न कि (विपक्षी) लेबर पार्टी ने। सुनक ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों से जुड़ी कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा, मेरा प्रस्ताव है कि भविष्य में हम धूम्रपान की उम्र हर साल एक वर्ष बढ़ा दें। इसका अर्थ है कि आज 14 साल के बच्चे को कभी भी कानूनी तौर पर सिगरेट नहीं बेची जाएगी।

वेनिस शहर में बस हादसे में 21 की मौत

वेनिस (एपी)। इटली के वेनिस शहर में विदेशी पर्यटकों को ले जा रही एक बस फ्लाईओवर से नीचे गिर गई, जिससे 21 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में यूक्रेन के चार नागरिक और एक जर्मन नागरिक शामिल है। घायलों में फ्रांस, स्पेन और क्रोएशिया के नागरिक शामिल हैं। घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। मृतकों में कम से कम दो बच्चे शामिल हैं। हादसे का शिकार हुए ज्यादातर लोग युवा थे। दमकलकर्मी बुधवार सुबह तक बस का मलबा हटाने का काम करते रहे। यह नई और इलेक्ट्रिक बस मंगलवार शाम को विदेशी पर्यटकों को ले जा रही थी, तभी वह मेस्त्रे में एक फ्लाईओवर से नीचे गिर गई।

PUBLIC NOTICE

My client, Smt. Satinder Kaur w/o Sh. Raminder Singh is mortgaging Ground Floor, without roof rights, property no. I -10, Plot no.- 15, Area Measuring 72.5 sq. yds., part of Khasra no. - 57, situated at New Mahavir Nagar, Gali No.-15, New Delhi-110018 with FED BANK FINANCIAL SERIVCES LIMITED owned by virtue of sale deed 31.05.2017 Doc. no. 8373 SR-IIB Delhi. This property was transferred by Bhupinder Singh legal heir of Darshana Devi namely who became owner by virtue of Reliquishment Deed executed by Smt. Jasleen Kaur (2) Smt. Gurpreet Kaur as Doc. no.11660 dated 12.08.2015 SR-IIB Delhi. Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notified to the undersigned/Adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092 along with documentary evidence under address through Registered A/D within 7 days from the date of publication of this notice failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.

Adv. Vishal Mehan, E-713, Karkardooma Court, Delhi-110092; Mobile no. 9811215181

सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल राष्ट्रीय जन कर्मठ पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 2nd, F–110, नेहरू नगर निकट गणेश हॉस्पिटल, गाजियाबाद–201001 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है – पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं :–

सभापति/अध्यक्ष : अंशुल गुप्ता
पता : 2nd, F–110, नेहरू नगर, गाजियाबाद–201001
महासचिव/सचिव : राजेश कुमार सैन
पता : 216, राम नगर, तुराब नगर, गाजियाबाद : 201001
कोषाध्यक्ष : प्रिया गुप्ता
पता : 2nd, F–110, नेहरू नगर, गाजियाबाद–201001

यदि किसी को राष्ट्रीय जन कर्मठ पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली–110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 अक्टूबर 2023

भारत को कॉरपोरेट संचालन का रोल मॉडल बनाने में मदद करें कंपनी सचिवः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कंपनी सचिवों से भारत को कॉरपोरेट संचालन के क्षेत्र में रोल मॉडल (अनुकरणीय) बनाने में मदद करने का अनुरोध करते हुए बुधवार को कहा कि वे कारोबार एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करें। राष्ट्रपति ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के 55वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक अग्रणी राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे परिदृश्य में पेशेवरों का योग्य और सक्षम होने के साथ साहसी और रचनात्मक होना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत के कॉरपोरेट संचालन का भविष्य कंपनी सचिवों की इच्छाशक्ति और उनके कार्यों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कंपनी सचिव भारत को बढ़िया कॉरपोरेट संचालन के साथ सुशासन का भी रोल मॉडल बना सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए आपके काम ऐसे होने चाहिए जो भारत को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कंपनी सचिवों से टिकाऊ और समावेशी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह भी किया।

राष्ट्रपति ने व्यवसाय में नैतिकता को व्यावसायिक नैतिकता से अधिक महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कंपनी सचिवों को कारोबार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा, "कंपनी सचिवों को यह याद रखना चाहिए कि उनकी निष्ठा किसी कंपनी के अधिकारी या पेशेवर के रूप में केवल विधिक कार्य करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनका कर्तव्य देश के हर उस नागरिक के प्रति भी है जो विकास यात्रा में पीछे छूट गया है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि संसाधनों के प्रबंधन में कॉरपोरेट जगत की भूमिका ट्रस्टीशिप की होनी चाहिए। इस मौके पर राष्ट्रपति ने गांधीजी के जंतर का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी सचिव समाज के सबसे गरीब और कमजोर आदमी को ध्यान में रखते हुए काम करें।

राहुल गांधी किसी दिन देश का नेतृत्व करेंगे : शरद पवार

मुंबई। राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को गंभीरता से लिया जा रहा है और वह किसी दिन देश का नेतृत्व करेंगे। यहां इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में परिचर्चा के दौरान उन्होंने दोहराया कि भाजपा के साथ हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं है। शरद पवार ने अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के खेमे का जिक्र करते हुए कहा, जो लोग भाजपा के साथ गए हैं, उनका राकांपा से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने जांच एजेंसियों के डर के कारण पाला बदल लिया है। पवार ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी को गंभीरता से लिया जा रहा है और वह किसी दिन देश का नेतृत्व करेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने को लेकर पवार ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्वाई से विपक्षी गठबंधन इंडिया और मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में उनसे कहा था कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की सात में से तीन सीटें कांग्रेस को देने के लिए तैयार है। उन्होंने विश्वास जताया कि हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश में कांग्रेस दोबारा मजबूत होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद महा विकास आघाड़ी (एमवीए) निश्चित रूप से महाराष्ट्र में सरकार बनाएगी। शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के गठबंधन वाले एमवीए के वास्तुकार माने जाने वाले पवार ने कहा कि उन्होंने राज्य में निर्वाचन क्षेत्र-वार विश्लेषण किया है। निश्चित रूप से, हम महाराष्ट्र में सरकार बनाएंगे... पिछले (लोकसभा) चुनाव में, हमें यहां केवल चार सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार, अगर हम कम से कम 50 प्रतिशत सीटें जीत जाएं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

जयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक करते हुए

केवल विधायक बनने के लिए चुनाव नहीं लड़ रहा हूं : विजयवर्गीय

इंदौर। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बुधवार को कहा कि वह मध्यप्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव केवल विधायक बनने के लिए नहीं लड़ रहे हैं और पार्टी उन्हें कुछ और बड़ी जवाबदारी देगी। विजयवर्गीय ने मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को लेकर शहर में आयोजित कार्यक्रम में कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि (आगामी विधानसभा चुनाव में) भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर से बनने वाली है। मैं केवल विधायक बनने नहीं आया हूं। मुझे पार्टी की ओर से कुछ और बड़ी जवाबदारी मिलेगी। उन्होने कहा, मुझे जब बड़ी जवाबदारी मिलेगी, तो मैं बड़ा काम भी करूंगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमने विकास किया है और हम आगे भी विकास करेंगे।

विजयवर्गीय (67) ने अपने चुनाव अभियान के तहत एक अन्य कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्य भर में अब तक ऐसा कोई अधिकारी पैदा नहीं हुआ है, जो फोन पर उनके द्वारा बताया गया काम न करे।

उन्होंने कहा, मैं पिछले 10-12 साल से इंदौर के मामलों में कम ही बोलता था क्योंकि मैं बाहर घूमता रहता था, पर जैसे ही भाजपा उम्मीदवार के रूप में मेरा नाम घोषित हुआ, तो आधे अधिकारियों की नींद उड़ गई है। प्रदेश में कांग्रेस की चुनाव प्रचार अभियान समिति के सह-अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयवर्गीय के इस बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह एक बड़े नेता हैं, पर उन्हें छोटा चुनाव लड़ना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा महासचिव को उथली बयानबाजी से बचना चाहिए। मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री रहे विजयवर्गीय, राज्य के भाजपा के उन वरिष्ठ नेताओं में शुमार हैं जिन्हें मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाता रहा है। भाजपा ने 10 साल के लम्बे अंतराल के बाद विजयवर्गीय को चुनावी टिकट दिया है।

एचएएल ने वायुसेना को दो सीटों वाला पहला हल्का लड़ाकू विमान तेजस सौंपा

भाषा। बेंगलुरु

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने दो सीटों वाला पहला हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस, बुधवार को वायुसेना को सौंप दिया। बेंगलुरु स्थित कंपनी के मुख्यालय ने कहा कि दो सीटों वाले इस विमान में वायुसेना की प्रशिक्षण जरूरतों में सहयोग की सारी क्षमताएं हैं और आवश्यकता पड़ने पर यह लड़ाकू भूमिका भी निभाता है। दो सीटों वाला एलसीए तेजस एक हल्का, हर मौसम में बहुआयामी भूमिका निभाने में सक्षम 4.5 श्रेणी का विमान है। एचएएल ने कहा कि यह समसामयिक अवधारणाओं और प्रौद्योगिकियों का एक संयोजन है जिसमें आरामदायक स्थैतिक स्थिरता, क्वाड्रप्लेक्स फ्लाई-बाय-वायर उड़ान नियंत्रण, मुक्त युद्धाभ्यास की क्षमता है एवं इसमें उन्नत कांच के कॉकपिट, एकीकृत डिजिटल एवियोनिक्स सिस्टम और एयरफ्रेम के लिए उन्नत मिश्रित सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी ने कहा कि भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जिनके पास सेना के लिए ऐसे विमानों का निर्माण करने और उनके परिचालन की क्षमता है। एचएएल ने कहा कि यह सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल में एक और सफलता है।

एचएएल ने कहा, आज का यह ऐतिहासिक आयोजन दो सीटों वाले एलसीए विमान के उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जिसे नए पायलटों को दो सीटों वाले विमान के जरिए लड़ाकू पायलट के रूप में प्रशिक्षित करने के रणनीतिक इरादे से डिजाइन किया गया है। भारतीय वायुसेना ने एचएएल को दो सीटों वाले 18 विमान का ऑर्डर दिया है और 2023-24 के दौरान उनमें से आठ की आपूर्ति करने की उसकी योजना है। शेष 10 की आपूर्ति क्रमिक रूप से 2026-27 तक की जाएगी। कंपनी ने कहा कि वायुसेना से और विमानों की मांग आने की उम्मीद है।

वायुसेना को एलसीए तेजस सौंपे जाने के कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के दौरान एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी एवं अन्य की उपस्थिति में दो सीटों वाले एलसीए विमान का अनावरण किया गया। विमान को निरीक्षण के बाद सेवा (आरएसडी) के लिए सौंपा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भट्ट ने कहा कि यह भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, एलसीए तेजस के विकास से रक्षा खरीद के प्रति हमारे दृष्टिकोण में भी बदलाव आया है। इसने प्रदर्शित किया है कि भारत के पास विश्व स्तरीय लड़ाकू विमानों को डिजाइन करने, विकसित करने और निर्माण करने की प्रतिभा, ज्ञान और क्षमता है।

धर्मशाला में सरकारी इमारत पर खालिस्तान-समर्थक नारे लिखे मिले, मामला दर्ज

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में जल शक्ति विभाग की इमारत की एक दीवार पर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखे मिले, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कांगड़ा की पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों ने स्प्रे-पेंट से नारे लिखे और मंगलवार रात अधिकारियों को इसकी सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर दीवार को दोबारा रंगवाया। अग्निहोत्री ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और नारे लिखने वालों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना ने चिंता बढ़ा दी है क्योंकि एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप 2023 के पांच मैच अक्टूबर में धर्मशाला में होने हैं और टीमों का शहर में आना शुरू हो गया है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई हिंसा प्रभावित शिवमोगा में भेजेगी तथ्यान्वेषण दल

बेंगलुरु। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं की एक तथ्यान्वेषण समिति बनाई है जो हिंसा प्रभावित जिला मुख्यालय शिवमोगा का बृहस्पतिवार को दौरा करेगी। पुलिस ने बताया कि शिवमोगा के रागी गुड्डा इलाके में स्थिति अब शांतिपूर्ण एवं नियंत्रण में है जहां रविवार शाम को ईद मिलाद जुलूस के दौरान तनाव एवं पथराव की कथित घटनाएं होने के बाद निषेधाज्ञा लगा दी गई थी। प्रदेश भाजपा ने एक बयान में कहा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद नलीन कुमार कटील ने शिवमोगा की रागी गुड्डा इलाके की हिंसा की कड़ी निंदा की है और उन्होंने पार्टी नेताओं का एक तथ्यान्वेषण दल बनाया है जो बृहस्पतिवार को 11 बजे प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगा। कटील की अगुवाई वाले इस दल में पूर्व उपमुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा और सी एन अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री ए ज्ञानेंद्र, शिवमोगा के सासंद बी वाई राघवेंद्र, भाजपा प्रदेश महासचिव और विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार, विधायक चन्नाबसप्पा और विधानपरिषद सदस्य एस रूद्रेगौड़ा, डी एस अरूण और भारती शेट्टी उसके अन्य सदस्य हैं। इस हिंसक घटना के बाद प्रदेश भाजपा के नेताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सी टी रवि ने मंगलवार को इस घटना की न्यायिक जांच की मांग की थी। केंद्रीय कृषि एवम कृषक कल्याण राज्यमंत्री शोभा करांदलजे ने राज्य सरकार पर तुष्टीकरण राजनीति के दबाव में पुलिस का हाथ बांध देने का आरोप लगाया था जिसकी वजह से पुलिस निष्क्रय रही और पथराव हुआ। करांदलजे ने आरोप लगाया था, हाथों में तलवार लेकर जुलूस निकालना तथा अखंड भारत के मानचित्र को औरंगजेब की तस्वीर के साथ हरे रंग में दिखाना एवं उसका महिमामंडन करना, हिंदुओं की हत्या करने वाले टीपू और औरंगजेब की कटआउट के बैनर लगाना--- दर्शाता है कि वे यहां किस प्रकार की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और गृहमंत्री जी परमेश्वर पर ऐसे तत्वों का समर्थन करने का आरोप लगाया।

1998 कोयंबटूर विस्फोट मामले में दोषियो की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को 1998 के कोयंबटूर बम विस्फोट मामले में कुछ दोषियों की जमानत याचिका खारिज कर दी और इस घटना को नृशंस करार दिया। इस धमाके में 58 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 250 लोग घायल हुए थे। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पीठ कुछ दोषियों द्वारा जमानत की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जमानत याचिका खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली दोषियों की अपील पर फरवरी 2024 के पहले सप्ताह में सुनवाई की जाएगी। दोषियों की ओर से पेश वकीलों में से एक ने जमानत की गुहार लगाते हुए कहा कि उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है और वे पिछले लगभग 25 वर्षों से हिरासत में हैं।

बिना मंजूरी विज्ञापन चिपकाने के लिए पुणे नगर निगम ने व्यवसाई पर 3.2 करोड़ का जुर्माना

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे नगर निगम ने पिछले महीने दही हांडी महोत्सव के दौरान बिना मंजूरी के विज्ञापन वाले बोर्ड लगाकर शहर को गंदा करने के लिए एक स्थानीय व्यवसाई पर 3.2 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। पुणे नगर निगम (पीएमसी) ने मंगलवार को फिल्म निर्माता पुनीत बालन और कई खेल टीम के मालिकों को नोटिस जारी किया था। कृष्ण जन्माष्टमी के हिस्से के रूप में दही हांडी महोत्सव का आयोजन सात सितंबर को किया गया था।

पीएमसी के स्काईसाइन एवं लाइसेंस विभाग के प्रमुख माधव जगताप द्वारा जारी नोटिस के मुताबिक, महोत्सव के दौरान शहर के अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में बालन द्वारा विज्ञापन लगाए गए थे और ए करीब 10 दिनों तक लगे रहे। मीडिया को जारी एक बयान में निगम ने बताया, शहर में दही हांडी महोत्सव के दौरान विज्ञापनों में गैर अधिकृत सामग्री को प्रस्तुत कर शहर को गंदा करने के लिए पुणे के एक व्यवसाई पुनील बालन को एक नोटिस भेजा गया है।

प्रशासन से मंजूरी लिए बिना करीब 2500 विज्ञापनों को चस्पा करने के लिए बालन पर 3.2 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। बालन को भेजे गए नोटिस में पीएमसी ने कहा कि उसके लाइसेंस निरीक्षक ने पाया कि एक निजी कंपनी के 2500 (विज्ञापन) बोर्ड को बिना मंजूरी के लगा हुआ पाया गया है, जिसकी वजह से शहर में गंदगी फैली। इन विज्ञापनों ने करीब 80 हजार वर्ग फुट की जगह घेरी। पीएमसी ने बालन को नोटिस जारी होने के दो दिनों के भीतर 3.2 करोड़ रुपए का भुगतान करने को कहा है, जिसमें विफल रहने पर कानूनी कार्वाई शुरू की जाएगी और राशि को उनके संपत्ति कर से वसूला जाएगा। बिना मंजूरी के विज्ञापन लगाने की यह कार्वाई महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम की धारा 244 के तहत की गई है।

अदालत ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी को जमानत दी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने रेलवे में नौकरी के बदले कथित जमीन घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बुधवार को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने आरोपियों को उनके खिलाफ जारी समन के अनुपालन में अदालत में पेश होने के बाद यह राहत दी। सीबीआई ने आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील मनिंदर सिंह द्वारा दायर आवेदन का विरोध नहीं किया। न्यायाधीश ने कहा कि जांच के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और उन्हें 50-50 हजार रुपए की जमानत राशि जमा करने का निर्देश दिया। केंद्रीय जांच एजेंसी को आरोप पत्र एवं आरोपियों से संबंधित अन्य दस्तावेजों की प्रतियां जमा करने का भी निर्देश दिया गया। न्यायाधीश ने आरोपी व्यक्तियों को जमानत देते हुए कहा, जब आरोपी के खिलाफ बिना गिरफ्तारी के आरोपपत्र दायर किया जाता है, तो अदालत के कहने पर गिरफ्तारी की कोई

नौकरी के बदले जमीन घोटाला

आवश्यकता नहीं होगी। यह दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है कि आरोपी के भागने का खतरा है। आरोपपत्र पहले ही दायर किया जा चुका है।

न्यायाधीश ने सह आरोपी दिल चंद कुमार, ज्ञान चंद राय, हजारी राय, महीप कपूर, मनोज पांडे, महेश सिंह, मोहम्मद धानिफ अंसारी, शत्रुधन कुमार, अशोक कुमार यादव, रामबृक्ष यादव और राजनाथ सिंह को भी जमानत दे दी। अदालत ने 22 सितंबर को लालू, राबड़ी, तेजस्वी और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने के बाद उन्हें तलब किया था और कहा था कि साक्ष्य प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी सहित विभिन्न अपराधों को अंजाम दिए जाने की तरफ इशारा करते हैं। सीबीआई ने कथित घोटाले के संबंध में तीन जुलाई को आरोप पत्र दायर किया था।

यह जांच एजेंसी द्वारा मामले में दायर किया गया दूसरा आरोप पत्र था। हालांकि, यह पहला आरोप पत्र था, जिसमें तेजस्वी यादव को आरोपी के रूप में नामित किया गया था। लालू नौकरी के बदले कथित जमीन घोटाला मामले के साथ-साथ चारा घोटाला से जुड़े मामलों में भी जमानत पर बाहर हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में रेलवे के पश्चिम-मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी नियुक्तियों से संबंधित है, जिसके बदले में आवेदकों ने राजद प्रमुख के परिजनों या सहयोगियों के नाम पर कथित तौर पर भूमि उपहार में दी थी या हस्तांतरित की थी। जांच एजेंसी ने 18 मई 2022 को लालू, उनकी पत्नी, दो बेटियों और अज्ञात लोक सेवकों व निजी व्यक्तियों सहित 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने पिछले साल अक्टूबर में लालू, राबड़ी और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में पहला आरोप पत्र दायर किया था। यह रेलवे के मुंबई मुख्यालय वाले सेंट्रल जोन में की गई नियुक्तियों से संबंधित था।

सीआईसी ने सूचना देने से इंकार करने के लिए दिल्ली वक्फ बोर्ड को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने दिल्ली वक्फ बोर्ड को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि फतेहपुरी में एक स्कूल का भूमि उपयोग बदले जाने संबंधी सूचना निर्धारित 30 दिनों के भीतर उपलब्ध नहीं कराने के लिए बोर्ड के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। आयोग ने सीपीआईओ को अपने अनुभाग अधिकारी से जानकारी एकत्र करने और इसे आरटीआई आवेदक मोहम्मद तलहा जमीर को प्रदान करने का भी निर्देश दिया। इसने कहा कि कई बार याद दिलाने के बावजूद निर्धारित समय सीमा के भीतर जानकारी प्रदान नहीं करके, सीपीआईओ ने इस सिद्धांत की अनदेखी की है कि न्याय में देरी, अन्याय है। आयोग ने कारण बताओ नोटिस में पूछा कि इस कदाचार और लापरवाही के लिए उनके खिलाफ कार्वाई क्यों नहीं की जानी चाहिए, जो सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन है। मामला फतेहपुरी में दिल्ली वक्फ बोर्ड के स्वामित्व वाली भूमि के भूतल पर दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित एक प्राथमिक विद्यालय से संबंधित है। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने निगम से जमीन वापस ले ली और स्कूल बनाने के बजाय उस जगह पर दुकानें बना दीं।

न्यायालय ने आपत्तिजनक नारे मामले में अजमेर दरगाह के मौलवी को जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने के लिए लोगों को उकसाने के मामले में अजमेर दरगाह के मौलवी सैयद हुसैन गौहर चिश्ती को मंगलवार को जमानत देने से इनकार किया। चिश्ती ने कथित तौर पर पिछले साल भाजपा की तत्कालीन प्रवक्ता के खिलाफ दरगाह परिसर में लोगों से सर तन से जुदा नारा लगाने के लिए कहा था। शर्मा ने एक टीवी कार्यक्रम में कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने आरोपी और राजस्थान सरकार की दलीलों पर गौर किया और जमानत याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकील मनीष सिंघवी ने किया।

मानदंडों का उल्लंघन कर कुलपतियों की नियुक्ति अमान्य हो सकती है

भाषा। नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए आयोग के अध्यक्ष के नामित व्यक्ति के बिना खोज-सह-चयन समितियों के गठन पर आपत्ति जताई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यूजीसी ने मद्रास विश्वविद्यालय के लिए कुलपति के चयन पर तीन लोगों की एक समिति की सिफारिश करने के लिए एक खोज समिति गठित करने के संबंध में तमिलनाडु सरकार के राजपत्र में 13 सितंबर की अधिसूचना का हवाला दिया है। यूजीसी ने आगाह किया है कि उच्च-शिक्षा नियामक के मानदंडों का उल्लंघन कर कुलपति की नियुक्ति अमान्य होगी और कानूनी जटिलताओं का कारण बन सकती है।

एक सूत्र ने कहा, यूजीसी ने गुजरात के सरदार पटेल विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति का जिक्र करते हुए पिछले साल के उच्चतम न्यायालय के फैसले की ओर इशारा किया है। न्यायालय ने कहा था कि कुलपतियों की नियुक्ति यूजीसी के लागू नियमों की अनदेखी करके नहीं की जा सकती, भले ही संबंधित राज्य अधिनियम यूजीसी नियमों द्वारा निर्धारित मानदंडों के मुकाबले कमजोर पात्रता मानदंड निर्धारित करता हो।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि और राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नीत सरकार के बीच कुलपतियों की नियुक्तियों को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है। मौजूदा मुद्दा छह सितंबर को शुरू हुआ जब राज्यपाल ने तीन संस्थानों-मद्रास विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में भारतियर विश्वविद्यालय और चेन्नई स्थित तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय- में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए तीन खोज-सह-चयन समितियों के गठन की घोषणा की। उन्होंने यूजीसी अध्यक्ष की ओर से एक व्यक्ति को नामांकित करके समिति में चौथे सदस्य को भी शामिल किया।

राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने 13 सितंबर को यूजीसी अध्यक्ष के नामित व्यक्ति को बाहर करके खोज-सह-चयन समिति के लिए एक अधिसूचना जारी की, जिसे राज्यपाल ने अनुचित कार्य करार दिया और राज्य से अधिसूचना वापस लेने की मांग की। मद्रास विश्वविद्यालय में चार महीने से और भारतियर विश्वविद्यालय और तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय में नौ महीने से कोई कुलपति नहीं है।

आर्य समाज ने सबसे पहले घर वापसी से दिया था धर्मांतरण का जवाबः आदित्यनाथ

बस्ती (उप्र)। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि देश में जब बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुष्टीकरण की नीति को थोपा तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरुआत की। आर्य समाज को भारत का जीवंत आंदोलन रहने का दावा करते हुए कहा कि एक समय था जब बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था। आदित्यनाथ ने बुधवार को होटल बालाजी में आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित आर्य समाज के स्वर्ण जयंती महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वदेशी और अछूतोद्धार के कार्यक्रम को आर्य समाज ने आगे बढ़ाया। आर्य समाज आंदोलन ने अनेक क्रांतिकारी दिए। काकोरी एक्शन के महानायक पंडित रामप्रसाद बिस्मिल आर्य समाज की ही देन थे, जो एक प्रचारक के रूप में सांझापुर में कार्य करते थे। उस समय का हर क्रांतिकारी आर्य समाज के साथ जुड़कर गौरवान्वित महसूस करता था। शिक्षा को संस्कारों और आधुनिकता के साथ जोड़ने का कार्य आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने किया था। डीएवी को एक समय देश की सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं में से एक माना जाता था, जहां पर वैदिक प्रार्थना और हवन यज्ञ के साथ दिन की शुरुआत होती थी।

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़, दो आतंक्वादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुठभेड़ दिन में शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद कुज्जर में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) पर पोस्ट किया, दो आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ स्थल से मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किए जा रहे हैं।

ओडिशा, बंगाल, झारखंड के कई हिस्सों में बारिश जारी

भाषा। भुवनेश्वर/कोलकाता/रांची

पूर्वी भाग में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कई जिलों में बुधवार को भारी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम झारखंड और इससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ पर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण पश्चिम बंगाल के कई जिलों में पांच अक्टूबर तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग के मुताबिक, इस अवधि के दौरान राज्य के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण ओडिशा में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई है तथा मौसम कार्यालय ने एक और दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग कार्यालय ने बताया कि ओडिशा के कम से कम 11 जिलों में बुधवार सुबह से हल्की से मध्यम बारिश जारी है।

राज्य में अक्टूबर में औसत मासिक बारिश 114.7 मिलीमीटर है, जबकि एक अक्टूबर से तीन अक्टूबर शाम पांच बजकर 30 मिनट तक ही 57.3 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी है।

मौसम विभाग ने इस बीच ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक सुंदरगढ़, देवगढ़, अंगुल, क्योंझर और मयूरभंज जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश (सात से 20 सेमी) का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग कार्यालय ने बताया कि झारसुगुडा, संबलपुर, बौध, ढेंकनाल, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक और जगतसिंहपुर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया निम्न दबाव का असर झारखंड में भी दिख रहा है। यहां भी बारिश जारी है। गढ़वा जिले के धुरकी में मंगलवार तक राज्य में सबसे अधिक 152 मिलीमीटर बारिश हुई। उन्होंने बताया कि राज्य में एक अक्टूबर से तीन अक्टूबर तक सामान्य बारिश 11.7 मिलीमीटर की तुलना में 78 मिलीमीटर पानी बरस चुका है।

कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के कई स्थानों पर रात में और बुधवार सुबह भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने मंगलवार को इस अवधि के दौरान दक्षिण बंगाल के झारग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम बर्धमान, बांकुड़ा, पुरुलिया, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया था। यह भी कहा गया था कि उत्तर बंगाल के कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, मालदा और उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में भी पांच अक्टूबर तक भारी बारिश की आशंका है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 5 अक्टूबर, 2023

देवताले-ज्योति ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

● देवताले ने जीत के बाद कहा, मैं इस नतीजे से हैरान नही हूं

भाषा। हांगझोउ

भारतीय तीरंदाजों ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां फाइनल में दक्षिण कोरिया की जोड़ी को हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। मौजूदा खेलों में भारत के चार पदक हो गए हैं जो इंचियोन 2014 में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल तीन पदक के देश के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है। फाइनल में 21 साल के विश्व चैंपियन देवताले ने एक अंक गंवाया लेकिन ज्योति ने अपने आठ तीर में परफेक्ट स्कोर के साथ भारत की जीत की नींव रखी। शीर्ष दो वरीयता प्राप्त जोड़ियों के बीच हुए फाइनल में शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में जो चेइवोन और जू जेइहून की जोड़ी को 159-158 से हराया। किसी के लिए भी 140 मिनट के भीतर क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के रूप में लगातार तीन नॉकआउट मुकाबले खेलना मुश्किल हो सकता है लेकिन भारतीय जोड़ी विशेषकर 27 साल की ज्योति ने अहम लम्हों पर शानदार प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। भारतीय जोड़ी ने इन तीन मुकाबलों में सिर्फ चार अंक गंवा जो उनके दबदबे को दर्शाता है। देवताले ने जीत के बाद कहा, मैं इस नतीजे से हैरान नहीं हूं।

उन्होंने कहा, हमें पता था कि हम ऐसा कर सकते हैं। यह काफी करीबी था लेकिन हमने अपनी फॉर्म बरकरार रखी, हमने प्रत्एक स्थिति में धैर्य बनाए रखा। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले सेमीफाइनल में आदेल झेशेनबिनोवा और आंद्रे त्युत्युन की कजाखस्तान जोड़ी के खिलाफ एक बार नौ अंक को छोड़कर हर बार 10 अंक जुटाए और 159-154 से जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। ज्योति और देवताले ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी को 158-155 से हराकर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की थी। कजाखस्तान की चौथी वरीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड को 154-152 से हराया था। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहले चरण में चारों तीर 10 अंक पर मारकर कोरियाई जोड़ी पर 40-39 की बढ़त बनाई। दूसरे चरण में हालांकि कोरियाई जोड़ी ने चार बार 10 अंक जुटाए। भारतीय जोड़ी भी चारों निशाने 10 अंक पर मारकर 80-79 की बढ़त बनाने में सफल रही। तीसरे चरण में ओजस का एक तीर नौ अंक पर जाकर लगातार जबकि बाकी सभी खिलाड़ियों ने 10 अंक बनाए जिससे मुकाबला 119-119 से बराबर हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अंतिम चरण में चार बार 10 अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित की। फाइनल में नौ अंक बनाने के बाद देवताले ने अपना मनोबल बढ़ाने का श्रेय दो बार के विश्व कप फाइनल विजेता और भारत के कंपाउंड वर्ग के मुख्य कोच सर्जियो पेगनी को दिया। उन्होंने कहा, यह परफेक्ट था और मैं इसका लुत्फ उठा रहा था। जैसा कि हमारे कोच ने कहा यह केक के टुकड़े की तरह है और आपको सिर्फ 10 अंक पर निशाना लगाना है। देवताले ने कहा, सूरज चमक रहा था और परिस्थितियां सामान्य थी लेकिन अब थोड़ी हवा चलने लगी है। यह पूछने पर कि क्या गत विश्व चैंपियन होने के कारण उन पर दबाव था, देवताले ने कहा, दबाव खत्म हो गया था, मैं स्वच्छंद होकर खेल रहा था, लुत्फ उठा रहा था। क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी ने ठोस शुरुआत करते हुए 40-39 की बढ़त बनाई लेकिन दूसरे चरण में भारत के दोनों खिलाड़ियों ने दो अंक गंवाए जिससे मोहम्मद जुवैदी बिन माजुकी और फातिन नूरफतेहाह मेट सालेह की मलेशिया की जोड़ी बराबरी हासिल करने में सफल रही। गत सीनियर विश्व चैंपियन देवताले बेहद मामूली अंतर से 10 अंक से चूक गए जिससे टीम की सीनियर साथी ज्योति पर दबाव आया गया।

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में

● सिंधू और प्रणय भी आगे बढ़े, श्रीकांत बाहर

भाषा। हांगझोउ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करके बुधवार को यहां एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने हालांकि 84 मिनट चले मुकाबले में इंडोनेशिया के लियो रोली केरनांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी पर 24-22, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज की। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय सीधे गेम में जीत दर्ज करते हुए क्रमश: महिला और पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। लेकिन श्रीकांत का सफर थम गया। वह प्री क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के कोडाई नाराओका से 16-21, 17-21 से हार गए।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया की दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ भारतीय जोड़ी कभी दबदबा नहीं बना पाई। दोनों जोड़ियों के बीच प्रत्एक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले गेम में हालांकि सात्विक के दमदार स्मैश ने अंतर पैदा किया। पहले गेम में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला काफी कड़ा था लेकिन भारतीय जोड़ी अंत में गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सात्विक और चिराग अधिकांश समय पीछे रहे और इंडोनेशिया की जोड़ी ने इस गेम को जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। इंडोनेशिया की जोड़ी ने तीसरे गेम में शुरुआती बढ़त बनाई लेकिन सात्विक और चिराग ने अंत में इस गेम को आसानी से जीतकर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला एकल में पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी के खिलाफ 21-16 21-16 से आसान जीत दर्ज की। सिंधू क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंगजियाओ से भिड़ेंगी। दो साल पहले तोक्यो ओलंपिक में भी उन्होंने चीन की इस खिलाड़ी को हराकर पदक से वंचित किया था। बिंगजियाओ ने नेपाल की रसीला महरजान को एकतरफा मुकाबले में 21-10 21-4 से हराया। प्रणय भी कजाखस्तान के दमित्री पनारिन के खिलाफ 21-12 21-13 की आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिंधू ने शुरुआत से ही इंडोनेशिया की खिलाड़ी के खिलाफ दबदबा बनाया और रैली में शानदार प्रदर्शन किया। इस समय भारत के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी प्रणय भी शानदार लय में दिखे। वह चोट के कारण चीन के खिलाफ टीम स्पर्धा के फाइनल में नहीं खेल पाए थे। महिला युगल में हालांकि त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद को प्री क्वार्टर फाइनल में किम सोयिओंग और कांग ही योंग की कोरिया की जोड़ी ने कड़े मुकाबले में 21-15, 18-21, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

एशियाई खेलों पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	171	94	51	316
जापान	37	51	59	147
दक्षिण कोरिया	33	45	70	148
भारत	18	31	32	81
उज्बेकिस्तान	16	16	22	54
चीनी ताइपे	12	14	20	46
थाईलैंड	10	12	24	46
उत्तर कोरिया	9	11	8	28
बहरीन	9	1	5	15
हांगकांग	7	15	28	50

भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम ने नेपाल को हराया

हांगझोउ। भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम ने एशियाई खेलों में बुधवार को पूल जी के क्लासीफिकेशन मैच में नेपाल को 3 -1 से हराया। भारत ने 25 - 23, 26 - 28, 25 - 23, 25 - 17 से जीत दर्ज की। ग्रुप चरण में भारतीय महिला टीम को चीन और उत्तर कोरिया ने हराया था।

ब्रिज में भारतीय पुरुष टीम चीन को हराकर फाइनल में, रजत पक्का

हांगझोउ। भारतीय पुरुष टीम ने चीन को 2 -1 से हराकर एशियाई खेलों की ब्रिज स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया जिससे कम से कम रजत पदक पक्का हो गया। भारतीय पुरुष टीम ने जकार्ता में कांस्य पदक जीता था। अब फाइनल में उसका सामना शुक्रवार को हांगकांग से होगा। सेमीफाइनल में भारत ने 155 - 60 अंक बनाए जबकि मेजबान को 135 अंक मिले। दूसरे सेमीफाइनल में हांगकांग ने जापान को 153 - 118 से मात दी। भारतीयों ने पहला सत्र 16 - 36 से गंवा दिया था लेकिन दूसरे में वापसी करते हुए 37 - 24 से बराबरी की। तीसरे और आखिरी सत्र में भारतीय टीम ने 35 - 25 से जीत हासिल की। भारतीय महिला और मिश्रित टीमें सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी थी।

मैं डेकाथलन के बारे में बोल सकता हूं क्योंकि अब मेरे पास राष्ट्रीय रिकॉर्ड है : तेजस्विन

भाषा। हांगझोउ

उंची कूद में कांस्य पदक जीता।

तेजस्विन शंकर बातूनी और मजाकिया हैं और यहां एशियाई खेलों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीतकर खुद को डेकाथलन में देश के शीर्ष खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के बाद एक बार फिर उनका यह रूप दिखा।

डेकाथलन को अपनाने के एक साल बाद दिल्ली के तेजस्विन ने मंगलवार को 10 स्पर्धाओं की इस कड़ी प्रतियोगिता में 7666 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता। यह 1974 के बाद डेकाथलन में भारत का पहला पदक है। विजय सिंह चौहान 1974 में एशियाई खेलों में डेकाथलन का पदक जीतने वाले पिछले भारतीय खिलाड़ी थे जबकि पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड भरतिंदर सिंह (7,658 अंक) के नाम था जो उन्होंने 2011 में बनाया था।

चौबीस साल के तेजस्विन ने अपने एथलेटिक्स करियर की शुरुआत उंची कूद से की, एक ऐसी प्रतियोगिता जिसमें वह अब भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक (2.29 मीटर) हैं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता। अमेरिका में केंसास स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने अपने कॉलेज टीम के साथियों के साथ संयुक्त स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करना शुरू किया। उनके विश्वविद्यालय के कोच ने उन्हें उंची कूद के अलावा अन्य स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

डेकाथलन में एशियाई खेलों का अपना पहला पदक जीतने से पहले उन्होंने इस स्पर्धा में केवल चार बार प्रतिस्पर्धा की थी और वह इससे बहुत उत्साहित थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं अपने स्कोर से बहुत खुश हूं, किसी भी दिन की कहानी अलग होती है। लेकिन मैं कम से कम यह उम्मीद नहीं करूंगा कि आप मुझसे पूछें कि मैं 8000 कुल अंकों तक कब पहुंचूंगा।

सुनील कुमार ने 2010 के बाद एशियाई खेलों में ग्रीको रोमन में भारत को पहला पदक दिलाया

भाषा। हांगझोउ

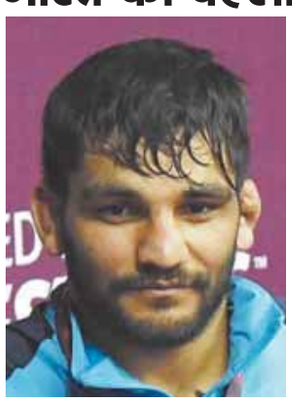

सुनील कुमार ने 87 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर बुधवार को यहां भारत को एशियाई खेलों में 13 साल बाद ग्रीको रोमन में पहला पदक दिलाया, लेकिन देश के अन्य पहलवान शुरू में ही बाहर हो गए।

किर्गिस्तान के अताबेक अजीसबेकोव के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में सुनील कुमार ने रणनीतिक रवैया अपनाया तथा अपने प्रतिद्वंदी को अंक नहीं बनाने दिए। उन्होंने आखिर में यह मुकाबला 2-। से जीता।

वह अजीसबेकोव थे जिन्होंने सुनील की निष्क्रियता के कारण पहला अंक हासिल किया। भारतीय पहलवान में जल्द ही इसी तरह से अंक बनाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इस बीच अजीसबेकोव को दो अंक दे दिए गए थे लेकिन सुनील ने इस फैसले को चुनौती दी जिसमें वह सफल रहे। भारतीय पहलवान ने आखिर में एक और अंक बनाकर जीत दर्ज की। भारत ने 2010 में गुआंगझो एशियाई खेलों में ग्रीको रोमन में दो पदक जीते थे। तब रविंदर सिंह (60 किग्रा) और सुनील कुमार राणा (66 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता था।

सुनील ने अपने अभियान की शुरुआत चीन के फेइ पिंग के खिलाफ 4-3 की करीबी जीत के साथ की और फिर ताजिकिस्तान के सुखरोब अब्दुलखाएव को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल मुकाबला पहले ही पीरियड में जीत लिया। एशियाई चैंपियन 2020 सुनील का सामना इसके बाद गत एशियाई चैंपियन ईरान के नासिर अलिजादेह से हुआ जिन्होंने भारतीय पहलवान को 4-। से हराकर स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर कर दिया। भारत ने 2010 ग्वांग्झू खेलों में ग्रीको रोमन में रविंदर सिंह (60 किग्रा) और सुनील कुमार राणा (66 किग्रा) के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे। भारत के अन्य दावेदार ज्ञानेंद्र (60 किग्रा), नीरज (67 किग्रा) और विकास (77 किग्रा) एक दौर का मुकाबला भी नहीं जीत पाए।

ज्ञानेंद्र को अपने पहले मुकाबले में ईरान के मेसाम दलखानी के खिलाफ।-7 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि नीरज को उज्बेकिस्तान के माखमुद बाखशिलोव ने 5-3 से हराया। विकास को चीन के रुह ल्यु के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त झेलनी पड़ी।

गुरुवार को बाकी बचे दो भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान नरेंद्र चीमा (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) चुनौती पेश करेंगे।

गुरुवार को ही महिला स्पर्धाएं भी शुरू होंगी जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), पूजा गहलोत (50 किग्रा) और मानसी अहलावत (57 किग्रा) चुनौती पेश करेंगी।

लवलीना को रजत, परवीन हुड्डा को कांस्य पदक मिला

भाषा। हांगझोउ

तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को एशियाई खेलों में बुधवार को एकतरफा फाइनल में हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि परवीन हुड्डा को कांस्य पदक मिला।

मौजूदा एशियाई चैम्पियन लवलीना को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता लि कियान ने 75 किलो फाइनल में हराया। इसके साथ ही मुक्केबाजी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। भारत ने एक रजत और चार कांस्य समेत पांच पदक जीते। लवलीना ने मुकाबले के बाद कहा , मैने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन स्वर्ण नहीं जीत सकी। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। ओलंपिक में पदक का रंग बदलने की कोशिश करूंगी।

फाइनल में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर मुक्के लगाए लेकिन सटीक नहीं लगे। पहले राउंड में कोई भी प्रभावित नहीं कर सका। लवलीना को दो बार चेतावनी भी मिली और कियान ने 3 . 2 से यह राउंड जीता।

दूसरे राउंड में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे को पकड़ने की कोशिश की। लवलीना को इसके चक्कर में फिर चेतावनी मिली और एक अंक भी उसने गंवाया। पहले दो राउंड के बाद उसे सक्रिय होना था लेकिन शायद उसने दो राउंड के बाद ही हार मान ली।

महिला 57 किग्रा सेमीफाइनल में परवीन को दो बार की विश्व चैंपियन चीनी ताइपे की लिन यू टिंग के खिलाफ हार के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2022 की कांस्य पदक विजेता परवीन को लिन ने 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

नीरज का पहला थ्रो : अंजू ने चीन के अधिकारियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया

भाषा। हांगझोउ

भारत के स्टार खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के भाला फेंक स्पर्धा के दौरान पहला थ्रो को नहीं मापे जाने पर बड़ा विवाद पैदा हो गया है तथा अपने जमाने की दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जार्ज ने चीन के अधिकारियों पर धोखाधड़ी का प्रयास करने और भारतीयों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया।

ऐसा लग रहा था कि चोपड़ा ने 85 मीटर की दूरी को पार किया है लेकिन हैरानी की बात यह रही कि अधिकारियों ने इसको रिकॉर्ड नहीं किया और बाद में उन्होंने इसका कोई कारण भी नहीं बताया।

अपने चौथे प्रयास में स्वर्ण पदक सुनिश्चित करने वाले चोपड़ा ने पत्रकारों से कहा, मैं नहीं जानता कि मेरा पहला थ्रो क्यों नहीं मापा गया। मेरे तुरंत बाद दूसरे और तीसरे प्रतियोगी के थ्रो की दूरी मापी गई। मैं यही पूछता रह गया कि मेरे पहले प्रयास में क्या हुआ। उन्होंने कहा, मैं असमंजस की स्थिति में था क्योंकि मैंने अब तक जितनी भी प्रतियोगिताओं में भाग लिया उनमें कभी ऐसा नहीं हुआ। मुझे लगता है कि वे उस स्थान को भूल गए जहां पर

मेरा भाला गिरा था। इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले एक अन्य भारतीय खिलाड़ी किशोर जेना का दूसरा थ्रो भी पहले अमान्य करार दिया गया था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया गया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सीनियर उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जार्ज ने अधिकारियों पर भारतीयों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया। अंजू ने कहा, वह हमारे साथ धोखाधड़ी करने का प्रयास कर रहे थे और हमारे एथलीटों का ध्यान भंग करने की कोशिश कर रहे थे। नीरज का पहला थ्रो शानदार था और यहां गड़बड़ी करने का प्रयास था। हमने नीरज से वहीं पर विरोध दर्ज करने के लिए कहा। जेना का थ्रो भी फाउल दिया गया जबकि उसने एक फुट पीछे से भाला फेंका था। उन्होंने कहा, चीन में जीत दर्ज करना बहुत मुश्किल है भले ही हम अपने सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को उतारें वे उन्हें परेशान करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम फाइनल में, मुकाबला जापान से

भाषा। हांगझोउ

शुरुआती क्वार्टर में ही तीन गोल करने के बाद कोरियाई पलटवार का डटकर सामना करते हुए भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को 5 -3 से जीत के साथ एशियाई खेलों के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना जापान से होगा। जापान ने दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान चीन को 3 - 2 से हराया। भारतीय हॉकी टीम ने आखिरी बार 2014 इंचियोन खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था। पिछली बार जकार्ता में 2018 में भारतीय टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। भारत के लिए हार्दिक सिंह (पांचवां मिनट) , मनदीप सिंह (11वां मिनट) और ललित उपाध्याय (15वां) ने पहले क्वार्टर में ही तीन गोल कर दिए थे। दूसरे क्वार्टर में हालांकि कोरिया के माने जुंग ने 17वें और 20वें मिनट में दो गोल करके भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। भारतीयों ने पलटवार पर 24वें मिनट में बढत बनाई जब अमित रोहिदास ने गोल दागा। इस बीच कोरिया के लिए जुंग ने फिर 47वें मिनट में गोल कर दिया। शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक ने 54वें मिनट में गोल करके भारत की जीत पर मुहर लगा दी। पूल चरण में पांच मैचों में 58 गोल करने वाली भारतीय टीम ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में कोरियाई हाफ में ही सारा खेल हुआ और हरमनप्रीत सिंह की टीम ने उनके डिफेंस को छितर बितर कर दिया। हार्दिक ने पांचवें मिनट में ही भारत को बढत दिलाई जब ललित का शुरूआती शॉट नाकाम रहने के बाद उसने रिबाउंड पर गोल किया। तीन मिनट बाद मनदीप सर्कल के भीतर खाली पड़े गोल में गेंद लेकर दौड़े लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया।

घोषाल पुरुष एकल, दीपिका-हरिंदरपाल मिश्रित युगल फाइनल में

भाषा। हांगझोउ

भारत के सौरव घोषाल ने पुरुष एकल स्क्वाश फाइनल में हांगकांग के हेनरी लियुंग को हराकर एशियाई खेलों में दूसरा स्वर्ण जीतने की ओर कदम रख दिया। पुरुषों की टीम की जीत में योगदान देने के बाद दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी घोषाल ने 52वीं रैंकिंग वाले हेनरी को 11 - 2, 11 - 2, 11 -6 से हराया। भारत को स्क्वाश में तीन स्वर्ण पदक मिल सकते हैं क्योंकि दीपिका पल्लीकल और हरिंदरपाल संधू भी फाइनल में पहुंच गए हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त घोषाल का सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त इएन योउ एंग से होगा। टीम सेमीफाइनल में घोषाल ने उसे चार गेम में हराया था। इंचियोन में 2014 में एकल स्वर्ण जीतने में नाकाम रहे 37 वर्ष के घोषाल छठे और संभवत: आखिरी एशियाई खेलों में यह कमी पूरी करना चाहेंगे। युवा प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भी घोषाल ने तकनीक और फिटनेस के मामले में बाजी मारी। इससे पहले दीपिका और हरिंदरपाल की जोड़ी ने हांगकांग के ली का यि और वोंग चि को 7 - 11, 11 - 7, 11- 9 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

अनाहत सिंह और अभय सिंह की दूसरी भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को हालांकि सेमीफाइनल में आइफा बिंटी अजमान और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमाल की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ।-2 (11-8, 2-11, 9-11) से शिकस्त के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान अनाहत और अजमान आपस में टकरा भी गईं। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीता लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अगले दोनों गेम जीतकर ऑल इंडिया फाइनल की उम्मीद खत्म कर दी।

पंद्रह साल की अनाहत ने हार के बाद कहा, यह हमारा दिन नहीं था। अंतिम दो अंक (तीसरे गेम में) में से एक पर मैंने गलती की और दूसरी बार अंक कोर्ट के बीच में गया। हमारे में से किसी को नहीं पता था कि यह शॉट किसे लेना है। अंतिम दो अंक वैसे नहीं रहे जैसे होने चाहिए थे।

उन्होंने कहा, पदक जीतना काफी अच्छा रहा। कांस्य पदक जीतना, इस उम्र में बड़ी बात है। इससे मैं थोड़ी खुश हूं लेकिन अगर स्वर्ण या रजत पदक मिलता तो बेहतर होता।

इससे पहले अनुभवी दीपिका और हरिंदर ने सेमीफाइनल का पहला गेम गंवा दिया था लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले दो गेम जीतकर मुकाबले को 38 मिनट में जीतने में सफल रहे। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम सिर्फ नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला।

सेमीफाइनल के दौरान ली का ई के शॉट पर गेंद हरिंदर के चेहरे पर भी लगी। दीपिका ने कहा, जीत अच्छी रही। प्रत्एक दौर महत्वपूर्ण होता है। ऐसा लग रहा है कि सभी खिलाड़ी अच्छी तैयारी के साथ आए हैं।

भारतीय महिला टीम ने उज्बेकिस्तान को 4-0 से हराया, पुरुष टीम ने चीन से ड्रॉ खेला

भाषा। हांगझोउ

भारतीय महिला टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों की शतरंज टीम प्रतियोगिता के छठे दौर में उज्बेकिस्तान को 4-0 से हराया, जबकि पुरुष टीम ने चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने चीन के खिलाफ चारों बाजियां ड्रॉ खेली। देश के शीर्ष खिलाड़ी डी गुकेश ने वेई ई से, आर प्रज्ञानानंदा ने जियांगझी बू से, विदित गुजराती ने क्यून मा से और पी हरिकृष्णा ने जियानग्यु जू से ड्रॉ खेला।

भारत 9 अंक लेकर दूसरे स्थान पर बना हुआ है। ईरान 10 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज है। इस बीच महिला टीम ने पिछले दौर में चीन से मिली हार के बाद शानदार वापसी की और अपनी चारों बाजियां जीती।

कोनेरू हम्पी ने शीर्ष बोर्ड पर निलुफ़र याक्कुबेवा को आसानी से हराया। इसके बाद आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और बी सविता श्री ने भी अपनी बाजियां जीती। वैशाली ने उमिदा ओमोनोवा को, अग्रवाल ने अफरूजा खामदामोवा को और सविता श्री ने मट्टुना बोबोमुरोडोवा को हराया। भारतीय टीम के अब 8 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर है। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन 9 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

अब लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का समय है: रोहित शर्मा

भाषा। अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम को स्वदेश में हो रहे विश्व कप के दौरान भारी दबाव से भी पार पाना होगा और कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि अब एकांत में रहकर लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह तीसरी बार 50 ओवरों के विश्व कप को जीतने में सफल रहेगी। भारत ने 2011 में अपनी धरती पर विश्व कप जीता था। इसके बाद 2015 में ऑस्ट्रेलिया और 2019 में इंग्लैंड ने अपनी धरती पर खिताब जीता। अब भारतीय टीम से यह क्रम जारी रखने की उम्मीद की जा रही है।

रोहित ने आईसीसी के कैप्टन डे कार्यक्रम के दौरान कहा, मैं जानता हूं कि क्या दांव पर लगा है। जो खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं वे जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है। हमारे लिए अब सब कुछ भूल कर उस पर ध्यान देने का समय है जो कि हम एक टीम के रूप में चाहते हैं। रोहित चाहते हैं कि उनकी टीम एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करे क्योंकि विश्व कप लंबा टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, पिछले तीन विश्व कप में मेजबान देश ने खिताब जीता है। यह लंबी अवधि तक चलने वाला टूर्नामेंट है और आप अभी से इतने आगे के बारे में नहीं सोच सकते। हमारे लिए यहां महत्वपूर्ण है कि हम प्रयास करें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। रोहित ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपेक्षाओं के बोझ से खुद को बाहर निकलने में सफल रहेंगे।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीदों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपसे हमेशा कुछ न कुछ अपेक्षा की जाती है। हमें इसको लेकर चिंता नहीं करनी होगी कि कौन खेल रहा है और बाहर क्या हो रहा है क्योंकि यह समय हमारे लिए एकांत में रहकर लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का है। रोहित ने अपने खिलाड़ियों से अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने और दबाव को भूलने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, हमारे खिलाड़ी जानते हैं की दबाव से कैसे बाहर निकलना है फिर चाहे वे स्वदेश में खेल रहे हो या विदेश में। दबाव ऐसी चीज है जो कभी खिलाड़ी का पीछा नहीं छोड़ता। वह हमेशा रहेगा इसलिए उसको भूलकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करो। भारत अपना पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा। रोहित ने कहा, हम 8 अक्टूबर को चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। हम इस टूर्नामेंट में अपने प्रत्एक मैच के महत्व को समझते हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।